किसी महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता - 7

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा - 10

अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की दी चेतावनी - 11

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का सबसे प्रबल दावेदार - 12

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.50
सूर्यास्त 05.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:54 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 7 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 3, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एसआईआर की समय सीमा बढ़ी, 10 अप्रैल को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दावे और आपत्तियां 6 मार्च तक मैपिंग नोटिस 27 मार्च तक

अमृत विचार : यूपी में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान को लेकर चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा बढ़ा दी है।

अभी तक यह सीमा छह फरवरी थी, अब यह समय सीमा छह मार्च तक रहेगी। इसके अलावा, मैपिंग से जुड़े सभी नोटिसों की प्रक्रिया अब 27 फरवरी की बजाय 27 मार्च तक पूरी की जाएगी । अंतिम मतदाता सूची अब 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।

लोकभवन में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि फार्म-6 के आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं। मैपिंग को लेकर भी बड़ी संख्या में नोटिस भेजे गए हैं। राजनीतिक दलों ने समय बढ़ाने की मांग की थी।

3.26 करोड़ को नोटिस जारी किया गया

मैपिंग (गणना फार्म) के दौरान लगभग एक करोड़ 4 लाख लोगों में तार्किक विसंगतियां पाई गईं, इसलिए उन्हें सूची में शामिल नहीं किया गया। इन सभी को नोटिस भेजा जा रहा है। इन विसंगतियों में पिता के नाम में अंतर या पिता-पुत्र की उम्र में 15 साल से कम अंतर शामिल है। अब तक कुल 3.26 करोड़ लोगों को नोटिस भेजा गया है। 2.37 करोड़ नोटिस जनरेट हो चुके हैं।

इंग्लैंड को रिकॉर्ड छठी बार फाइनल में हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी।

भारत ने इंग्लैंड को हराकर छठवीं बार अंडर-19 विश्व कप जीता

- वैभव सूर्यवंशी ने खेली तूफानी पारी

हरारे। युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के 175 रन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता। भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में ट्रॉफी जीती थी। यह टूर्नामेंट के इतिहास में भारत के दबदबे को दिखाता है। चौदह वर्षीय सूर्यवंशी ने सिर्फ 80 गेंद में शानदार 175 रन बनाए। उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और यह मुकाम 71 गेंदों में हासिल किया। इससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 411 रन का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कालेब फाल्कनर के 115 रन की शतकीय पारी के बावजूद आखिरकार 40.2 ओवर में 311 रन पर ऑल आउट हो गया।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली हवाई अड्डे पर 13 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क भाग के अधिकारियों ने बैंकॉक से आई एक भारतीय महिला यात्री से करीब 12.93 करोड़ रुपये मूल्य का कथित मादक पदार्थ जब्त किया। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो ट्रॉली बैग की जांच करने पर उनमें कुल 13 पॉलीथीन के पैकेट मिले, जिनमें गांजा है। जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 12.92 किलोग्राम है और शुरुआती जांच के मुताबिक यह गांजा है।

सीबीआई ने सीमा शुल्क के तीन अधिकारियों पर दर्ज किया मामला

आइजोल। सीबीआई ने मिजोरम में पूर्व में तैनात रहे सीमा शुल्क विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ तस्करों से 35 लाख रुपये से अधिक की रिश्वत लेने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। एक सेवानिवृत्त अधीक्षक और दो निरीक्षकों समेत तीनों आरोपियों ने रिश्वत लेने के बाद तस्करों के जब्त माल को कथित तौर पर छोड़ दिया। गुवाहाटी स्थित सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त की औपचारिक शिकायत के बाद तीन फरवरी को आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज किया गया। उन्होंने 2022-2023 के दौरान पूर्वी मिजोरम में भारत-म्यांमा सीमा पर एक महत्वपूर्ण पारगमन बिंदू- चम्फाई शहर में सीपीएफ में सेवा करते हुए अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग किया।

कोयला खदान विस्फोट के बाद 7 और शव मिले मृतकों की संख्या 25 हुई

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट की घटना में शुक्रवार को सात और शवों की बरामदगी के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। यह विस्फोट गुरुवार को थांगस्कू इलाके में स्थित अवैध कोयला खदान में हुआ था, जिसके बाद प्रशासन ने व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया। गुरुवार को 18 शव बरामद किए गए थे। नोंगरंग ने बताया, शुक्रवार को सात और शव बरामद किए गए हैं जिससे मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई है। इनमें से 12 शवों की पहचान हो चुकी है।

रेपो रेट 5.25% पर बरकरार, डिजिटल फ्रॉड पर मिलेगा 25,000 का मुआवजा

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिया फैसला, ग्रोथ अनुमान 7.4% किया

मुंबई, एजेंसी

- महंगाई में नरमी और अमेरिका से व्यापार समझौते पर बनी सहमति के कारण नहीं बदले रेपो रेट

आरबीआई ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। महंगाई में नरमी, वृद्धि को लेकर चिंता दूर होने के साथ बजट में सरकारी खर्च में वृद्धि तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बनी सहमति के बाद शुल्क को लेकर दबाव कम होने के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की उम्मीद की जा रही थी। वहीं, छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा की घोषणा की।

केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने का निर्णय लिया। इसके साथ आरबीआई ने अपने तटस्थ रुख को बरकरार रखा, जिसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि बाहरी चुनौतियां बढ़ गई हैं, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का सफल समापन अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से रेपो दर में अब तक कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे आक्रामक कटौती है। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो केंद्रीय बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

गवर्नर मल्होत्रा ने छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा लाने की घोषणा की। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए अंतिम द्विमासिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, हम डिजिटल भुगतान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए संभावित उपायों पर एक परिचर्चा पत्र भी प्रकाशित करेंगे। इन उपायों में विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशिष्ट वर्ग के उपयोगकर्ताओं के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए, आरबीआई तीन दिशानिर्देश का मसौदा जारी करेगा। पहला, गलत बिक्री से संबंधित, दूसरा, अनधिकृत तरीके से इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेन-देन में ग्राहकों की देनदारी को सीमित करने और तीसरा कर्ज वसूली तथा वसूली एजेंट को जोड़ने के संबंध में होगा।

1,000 करोड़ से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी को अनिवार्य पंजीकरण से छूट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन नहीं लगा होना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया।

विस्तृत कारोबार पर

गोल्ड लोन में उच्च वृद्धि के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं : मल्होत्रा

मुंबई। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच आरबीआई ने कहा कि वह वित्तीय प्रणाली में कीमती धातु के बदले दिए जाने वाले कर्ज (स्वर्ण ऋण) को लेकर पूरी तरह सहज है और इसे लेकर कोई चिंता नहीं है। स्वर्ण ऋण को लेकर हम बहुत सहज हैं। नवंबर 2025 तक के दो वर्षों में पूरी वित्तीय प्रणाली में कुल स्वर्ण ऋण बकाया लगभग दोगुना हो गया है, क्योंकि सोने की कीमतों में उछाल ने ऋणदाताओं को अधिक सहज बना दिया है।

परीक्षा बोझ नहीं, अंकों के बजाय बेहतर जीवन पर ध्यान दें : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों को किया संबोधित
- कहा- पूरी लगन से पढ़ाई करें, आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई सफल नहीं बनाती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आने वाली बोर्ड परीक्षाओं से पहले शुक्रवार को स्कूली छात्र-छात्राओं को अनेक मंत्र देते हुए कहा कि अपने जीवन एवं शैक्षणिक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा को बोझ नहीं समझें और केवल अंकों पर नहीं, बल्कि जीवन बेहतर करने पर ध्यान नहीं दें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि परीक्षाएं उत्सव की तरह होती हैं और इनकी खुशी मनाई जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों से कहा कि शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए और सभी को पूरी लगन से पढ़ना चाहिए क्योंकि आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई जीवन को सफल नहीं बनाती। उन्होंने यहां अपने आवास पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों के एक समूह से कहा, शिक्षा मजबूरी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए। हमारी पूरी तल्लीनता चाहिए। अगर पूरी तल्लीनता से पढ़ाई नहीं की है, तो फिर आधी-अधूरी शिक्षा, जीवन को कहीं सफल नहीं बनाने देती। प्रधानमंत्री ने कहा, अंकों पर ध्यान देने के बजाय सभी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि वे जीवन में कहां पहुंचे हैं। आपके माता-पिता, शिक्षक या साथी क्या कहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता, खुद पर भरोसा रखिए और अपने सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने हिसाब से चलिए। मोदी ने बच्चों से कहा, हमारा लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो पहुंच के भीतर हो लेकिन आसानी से प्राप्त होने वाला न हो। पहले मन को साधो, फिर मन को जोड़ो और फिर जिन विषयों की पढ़ाई करनी है, उन्हें सामने रखो। तब आप हमेशा सफल होंगे। वर्ष 2023 में 38.8 लाख बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था, जो नौवें संस्करण में 4.5 करोड़ से अधिक हो गया है।

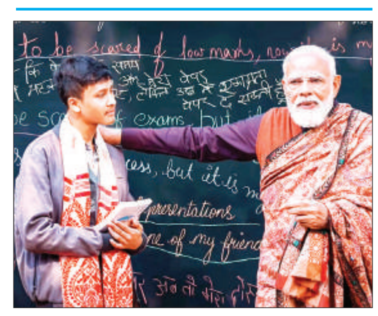

छात्र से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद न करें : मोदी

मोदी ने छात्रों को मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आपकी गेमिंग में रुचि है लेकिन भारत में डेटा सस्ता है तो सिर्फ समय काटने के लिए इसमें लिप्त मत होइए। जो लोग पैसे कमाने के लिए गेमिंग में लिप्त होते हैं, उनका ही नुकसान होता है। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है।

पाकिस्तान में मस्जिद में आत्मघाती विस्फोट, 31 की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी

- जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में हुआ भीषण ब्लास्ट

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए।

विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजातुल कुबरा मस्जिद-सह-इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था और उसके संबंध 'फितना अल ख्वाराजी' से थे। यह शब्द टीटीपी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

पंजाब में गुरुद्वारे के बाहर आप नेता की गोली मारकर हत्या

- सिर-सीने में गोलियां मारीं गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर में मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लक्की ओबेरॉय की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई जब 43 वर्षीय ओबेरॉय अपनी एसयूवी में गुरुद्वारे से निकल रहे थे।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जब ओबेरॉय गुरुद्वारे से बाहर आए और अपनी गाड़ी में बैठे तो काले रंग की 'हुडी जैकेट' पहने एक हमलावर पैदल ही उनके पास आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और अपने साथी के साथ भाग गया । गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

'घूसखोर पंडत' के निर्देशक समेत कई पर रिपोर्ट

- नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में जाति विशेष को बनाया निशाना
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई कार्रवाई आरोपियों की तलाश शुरू

लखनऊ। जाति विशेष (ब्राह्मण) को निशाना बनाते हुए बनाई गई वेब सीरिज 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक नीरज पांडेय व उसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर हजरतगंज की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इस वेब सीरीज में जाति विशेष को निशाना बनाया गया है। जिसका टीजर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं इसके खिलाफ लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। लोग जगह-जगह धरना प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गए। जानकारी होते ही इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने खुद ही वादी बनकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। नेटफ्लिक्स पर वेब सीरीज घूसखोर पंडत सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने फिल्म के निर्देशक व उसके सहयोगियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया। जान लें, एक्टर मनोज बाजपेयी अभिनीत ओटीटी फिल्म घूसखोर पंडत एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है। विवाद के बाद प्रमोशनल सामग्री हटा ली गई है।

शीर्षक हटाने के निर्देश

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के अनुरोध पर भारत सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज को प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडत' के शीर्षक को हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली किसी भी टिप्पणी से बचने के लिए कहा है। फिल्म के शीर्षक को लेकर कई संगठनों ने भी विरोध जताया था।

दिल्ली में 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से बाइक सवार की मौत, तीन इंजीनियर पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी

- जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने खोदा था गहरा गड्ढा

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। सरकार ने लापरवाही बरतने वाले दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। परियोजना पर काम करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा कहा कि जल बोर्ड पीड़ित परिवार को मुआवजा देगा। घटना की सूचना मिलने के बाद जल मंत्री ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित किया। इन तीनों अधिकारियों का कर्तव्य था कि वे यहां जारी काम की प्रगति की निगरानी करते। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों से निर्माण स्थल पर काम जारी है लेकिन गड्ढा गुरुवार को खोदा गया था। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। यह घटना नोएडा के 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के कुछ हफ्तों बाद हुई है। नोएडा सेक्टर 150 में 17 जनवरी की दरम्यानी रात को मेहता की कार के पानी से भरे गड्ढे में गिरने के बाद उनकी डूबने से मौत हो गई थी।

समारोह | हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि की मूर्ति स्थापना समारोह में बोले मुख्यमंत्री

रामभक्तों का अपमान विरासत का अपमान : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरिद्वार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामभक्तों का अपमान केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि भारत की सनातन विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों का अपमान है। यूपी में एक दौर ऐसा था, जब विरासत को कोसा जाता था।

आस्था को लांछित किया जाता था और रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं। इसका दुष्परिणाम प्रदेश अराजकता, लूट और दंगों का केंद्र बन गया। गुंडागर्दी चरम पर थी, न बेटियां सुरक्षित थीं और न व्यापारी। लेकिन भाजपा सरकार आते ही दंगा-दंगाई दोनों गायब हैं। योगी शुक्रवार को हरिद्वार में आयोजित स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की श्री विग्रह मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी में न अराजकता है, न फसाद और न ही गुंडागर्दी। न दंगा है, न कर्फ्यू यूपी में अब सब चंगा है। दंगा और दंगाई दोनों गायब हो गए हैं, कर्फ्यू अब दंगाइयों पर लगता है। यह परिवर्तन स्पष्ट नीति, साफ नीयत और बिना भेदभाव के सख्त कार्रवाई का परिणाम है। उन्होंने कहा कि क्या किसी ने कल्पना की थी कि 500 वर्षों के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा, लेकिन आज यह सपना साकार हो चुका है। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, हरिद्वार, बदरीनाथ और केदारनाथ जैसे आस्था केंद्र अब केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बन गए हैं। भारत इन्हीं आस्था स्थलों से शक्ति प्राप्त करता है और जब इन्हें सम्मान व संरक्षण मिला, तो उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। समारोह को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के सीएम धामी और निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती जी महाराज ने भी संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित बड़ी संख्या में संत समाज और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न जाति का भेद और न धर्म का अंतर

योगी ने कहा कि उत्तराखंड के चार धाम भारत की चेतना के आधार हैं। जब हम लोग बचपन में हरिद्वार आते थे, तो सबके मन में यह भाव रहता था कि हरि की पैड़ी में स्नान करना है और भारत माता मंदिर के दर्शन भी करने हैं। यहां न जाति भेद था और न धर्म का कोई अंतर। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि ऋषि परंपरा की तपस्या से निर्मित राष्ट्र है।

संत बोले- शेर हैं मुख्यमंत्री योगी

संत समाज ने मुख्यमंत्री को 'उत्तर प्रदेश का शेर' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में यूपी में रामराज्य जैसा वातावरण है। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के नेतृत्व में भारत पुन: अपने वैभव को प्राप्त करेगा।

न्यूज ब्रीफ

पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस विभाग में पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के डीआईजी अखिलेश कुमार चौरसिया को डीआईजी स्थापना बनाया गया है। इसी तरह एसटीएफ के एसएसपी से प्रोन्नत होने पर घुले सुशील चन्द्रभान को एसटीएफ में ही डीआईजी पद पर तैनाती दी गई है। गौतमबुद्धनगर के डीसीपी यमुना प्रसाद को प्रोन्नति के बाद एसटीएफ का डीआईजी बनाया गया है। डीजीपी मुख्यालय में तैनात हेमराज मीना को प्रोन्नति के बाद डीआईजी यूपी एसआईएफएस के पद पर तैनाती दी गई है। इसके अलावा 44 वीं वाहिनी पीएसी मेरठ के सेनानायक रहे संचिन्द्र पटेल को प्रोन्नत के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन का डीआईजी बनाया गया है।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में प्रदेश के सभी 75 जिलों में "दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" का शुभारंभ हो गया है। यह विशेष अभियान 6 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल रोजगार से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को निखारकर उन्हें प्रदेश की आर्थिक प्रगति में सहभागी बनाना है। कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न वर्चुअल बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, उपायुक्त (एमएसएमई) एवं जिला सेवायोजन अधिकारी शामिल हुए। मिशन निदेशक ने निर्देश दिए कि सभी प्रशिक्षित दिव्यांग युवाओं की अद्यतन सूची तैयार कर उन्हें विभिन्न रोजगार अवसरों से जोड़ा जाए। साथ ही कहा कि पूर्व में 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान' के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर चुके 720 दिव्यांगजनों से फीडबैक लिया जाए।

2.39 लाख अल्पसंख्यक छात्रों को मिली छात्रवृत्ति

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत प्रदेश के अल्पसंख्यक समुदाय के 2.39 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 71.35 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की जा चुकी है। प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत कक्षा 9 और 10 में पढ़ने वाले 1,09,084 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया, जिसके लिए लगभग 32.19 करोड़ रुपये वितरित किए गए। वहीं पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति के अंतर्गत 11वीं–12वीं सहित तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 1,30,265 विद्यार्थियों को करीब 39.16 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई।

अमेरिका के दबाव में खोला कृषि बाजार : हिंदवी

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा सरकारों ने सबसे अधिक अन्याय किसानों पर किया है। किसानों की समस्याओं को सुलझाने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए। अब सरकार ने अमेरिका के दबाव में अपना कृषि बाजार भी उनके लिए खोल दिया है। इस एक कदम का आने वाला समय में हमारे किसान भाइयों पर कितना दुष्प्रभाव पड़ेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। वह शुक्रवार को किसान कांग्रेस (मध्य जोन) के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों का मनोनयन–पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आवारा कुत्तों से निजात को शेल्टर होम व एबीसी सेंटर की तैयारी पूरी

डॉग बाइट पर सख्ती, जन सुरक्षा और पशु कल्याण का संतुलित रोडमैप, नगर निगमों और जिला मुख्यालयों में स्थापना प्रक्रिया तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रति शेल्टर होम 4.70 करोड़ से 5.31 करोड़ रुपये होगी लागत

अमृत विचार: प्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार ने निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर निगमों और जिला मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम और एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। उद्देश्य है कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और पशु कल्याण को मानवीय व वैज्ञानिक ढंग से आगे बढ़ाया जाए। हर शेल्टर होम की लागत 4.70 करोड़ रुपये से 5.31 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है।

सरकार ने इस पूरे अभियान को प्राथमिकता सूची में रखते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाइयों को समानांतर रूप से आगे बढ़ाया है। नीति स्तर पर यह पहल सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुरूप की जा रही है, जिनमें नसबंदी, टीकाकरण, पुनर्वास और समुदाय सहभागिता जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया है। राज्य सरकार ने डॉग शेल्टर होम के लिए अलग-अलग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई है।

प्रस्तावों के मुताबिक प्रति शेल्टर होम 470 लाख रुपये से 531 लाख रुपये तक की लागत का अनुमान है। डीपीआर में क्षमता निर्धारण, केनेल्स, पशु चिकित्सा यूनिट, सर्जरी कक्ष, आइसोलेशन वार्ड, भोजन-पोषण, स्वच्छता, सुरक्षा और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी आवश्यक घटक शामिल हैं।

शासन ने इन डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में ग्राम मऊर उपरहट, तहसील सोरांव में शेल्टर होम के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। लखनऊ नगर निगम में भूमि उपलब्धता को लेकर कार्यकारिणी बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। अन्य नगर निगमों से भी सूचनाएं जुटाई जा रही हैं ताकि पूरे प्रदेश में एक समान, प्रभावी और टिकाऊ व्यवस्था लागू की जा सके।

आक्रामक कुत्तों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था

एबीसी सेंटरों में आवारा कुत्तों की नसबंदी और एंटी–रेबीज टीकाकरण किया जाएगा। इससे प्रजनन दर नियंत्रित होगी और रेबीज जैसी घातक बीमारी का प्रसार रुकेगा। शेल्टर होम में घायल, बीमार या आक्रामक कुत्तों के लिए सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था होगी।

नगर निकायों की जवाबदेही तय

हर नगर निगम को उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने, समयबद्ध प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने और संचालन के लिए मानक प्रोटोकॉल अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। निगरानी तंत्र के जरिए प्रगति की नियमित समीक्षा होगी।

शेल्टर होम की प्रमुख सुविधाएं

- आधुनिक केनेल्स व आइसोलेशन वार्ड
- पशु चिकित्सा, सर्जरी व टीकाकरण यूनिट
- स्वच्छता, भोजन–पोषण व सुरक्षा
- प्रशिक्षित केयरटेकर व डॉक्टरों की तैनाती

भूमि (चयनित)

- ललितपुर : 12.182 हेक्टेयर
- हरदोई : 0.2 हेक्टेयर
- बुलंदशहर : 2000 वर्ग मीटर
- फतेहपुर : 0.769 हेक्टेयर

यूपी में 'गोदान' फिल्म टैक्स फ्री

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गो संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित फिल्म गोदान को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। राज्य सरकार के इस निर्णय को गो सेवा, गोरक्षा और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकार का मानना है कि इस तरह की फिल्मों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और गो संरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर जनजागरूकता बढ़ती है। 'गोदान' फ़िल्म गोवंश संरक्षण, ग्रामीण जीवन, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर आधारित है।

मंत्री का घेराव करने वाले भाजपा विधायक से किया जवाब तलब

भाजपा का अनुशासन पर सख्त रुख, प्रदेश अध्यक्ष ने भेजा कारण बताओ नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 7 दिन में जवाब नहीं देने पर बढ़ सकती मुश्किलें, महोबा प्रकरण में सियासत गरमाई

अमृत विचार: प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का महोबा में सरेआम घेराव करना भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक को भारी पड़ता दिख रहा है। मामले में भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी इसे खुली अनुशासनहीनता मान रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर जवाब तलब किया है।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, विधायक द्वारा सैकड़ों समर्थकों के साथ कैबिनेट मंत्री का काफिला रोकना और कथित रूप से उन्हें बंधक जैसी स्थिति में डालना पार्टी नेतृत्व को नागवार गुजरा है। यह मामला केवल असंतोष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे सरकार और संगठन दोनों की छवि पर सवाल खड़े हुए हैं। यही कारण है कि प्रदेश नेतृत्व ने बिना देरी किए अनुशासनात्मक कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाया है।

पूरा मामला 30 जनवरी का है, जब महोबा जिले में जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला सड़क पर रोक लिया गया। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू अपने क्षेत्र के कई ग्राम प्रधानों और समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और मंत्री से सीधे बातचीत की मांग करने लगे। इस दौरान सड़क पर ही लंबी बहस और हंगामे की स्थिति बन गई। विधायक का आरोप था कि उनके क्षेत्र में घर-नल-जल योजना के तहत भारी लापरवाही हो रही है। पाइपलाइन डालने के नाम पर सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है, मरम्मत नहीं कराई गई और अधिकारी कथित रूप से लूट-खसोट में लिप्त हैं। ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। विधायक का दावा है कि इसी जनसमस्या को लेकर वे मंत्री से प्रधानों के साथ सीधे बात करना चाहते थे।

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का घेराव करते विधायक बृजभूषण राजपूत (फाइल फोटो)।

विधायक बृजभूषण राजपूत का पलटवार

नोटिस जारी होने के बाद विधायक बृजभूषण राजपूत ने कहा है कि उन्हें अभी तक कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि वह शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर अपना पक्ष रखेंगे। राजपूत का दावा है कि उन्होंने कोई अनुशासनहीनता नहीं की, बल्कि जनता की समस्याएं उठाई हैं।

विपक्ष को मिला हमला करने का मौका

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। जहां एक ओर भाजपा संगठन के भीतर अनुशासन और मर्यादा को लेकर सवाल उठे हैं, वहीं विपक्ष को योगी सरकार पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का बड़ा मुद्दा मिल गया है। विपक्ष लगातार यह सवाल उठा रहा है कि जब सत्तारूढ़ दल के विधायक ही खुलेआम मंत्री का घेराव कर रहे हैं, तो जमीनी हालात कितने खराब होंगे।

विकास के एजेंडे संग विपक्ष के सवालों का जवाब देने की पूरी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सदन में जनवरी की बैठकों में हुए अहम निर्णयों पर लगेगी मुहर
- लोकलुभावन बजट से पहले नीतिगत प्राथमिकताओं पर रहेगा जोर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानमंडल का सोमवार से शुरू हो रहा सत्र नए साल के बजट के साथ विधायी और नीतिगत प्राथमिकताओं के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का फोकस कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास से जुड़े प्रावधानों को और मजबूत करने पर है। सत्र के दौरान सरकार जहां विकास से जुड़े एजेंडे को आगे बढ़ाएगी, वहीं विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए भी पूरी तैयारी की गई है।

इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों और संशोधन प्रस्तावों को पारित किए जाने की तैयारी है। जिन प्रस्तावों को सदन में लाया जाएगा, उनमें प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने, प्रक्रियाओं को सरल करने और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को कानूनी मजबूती देने से जुड़े विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा कुछ मौजूदा कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव भी सदन के पटल पर रखे जाएंगे, ताकि बदलती जरूरतों के अनुरूप उन्हें अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सरकार का मानना है कि इन विधेयकों के पारित होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में तेजी आएगी और विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में सहूलियत मिलेगी।

सरकार की दो हालिया कैबिनेट बैठकों में पारित प्रस्तावों पर सदन में की मंजूरी ली जाएगी। इनमें वित्तीय प्रबंधन, औद्योगिक विकास, नगरीय व्यवस्था, ग्राम्य विकास और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विषय प्रमुख हैं। 15 लाख से अधिक बेसिक और माध्यमिक शिक्षा जगत के शिक्षकों-कार्मिकों समेत सभी के परिवारों तक को कैशलेस इलाज की सौगात के लिए बजट के प्रावधान किए जाएंगे। जीसीबी नीति से औद्योगिककरण, शहरी पुनर्विकास नीति 2026, सीएम फेलो, पीसीएस–जे समेत अन्य पारित प्रस्तावों और उनसे जुड़े संशोधन पर सदन की मुहर लगेगी।

सरकार का लक्ष्य एक ऐसा बजट पेश करना है, जो न केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास को बढ़ावा दे, बल्कि महंगाई और रोजगार जैसे मोर्चों पर भी आम जनता को राहत पहुंचाए। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से सदन में प्रस्तुत करने के लिए बजट प्रावधान लगभग पूरी तरह तैयार है।

–सुरेश कुमार खन्ना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री

लोकमंगल को समर्पित है श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्राः योगी

अमृत विचार, लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा लोकमंगल, जनसेवा और सामाजिक चेतना को समर्पित एक प्रेरक अभियान है, जो महायोगी गुरु गोरखनाथ के संदेश- सबका कल्याण, सबका उत्थान का प्रभावी प्रसार कर रही है। मुख्यमंत्री ने नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) और इस यात्रा से जुड़े सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों व आयोजकों को

बधाई दी। एनएमओ के अवध व गोरक्ष प्रांत द्वारा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से 8 फरवरी तक चल रही तीन दिवसीय इस स्वास्थ्य सेवा यात्रा के तहत नेपाल सीमा से लगे सात जिलों के दूरदराज थारू बहुल गांवों में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। पहले ही दिन 70 हजार से अधिक लोगों को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

बजट सत्र के दौरान किसी भी स्तर पर सुरक्षा में चूक न हो : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2026 में विधानसभा के प्रथम सत्र के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के उद्देश्य से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और सुरक्षा प्रबंधों एवं विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सत्र के दौरान किसी भी स्तर पर सुरक्षा में चूक न हो तथा समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं। विधान सभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को कहा कि लोकतांत्रिक गरिमा एवं संसदीय परंपराओं की रक्षा के लिए सुरक्षा एवं सुविधा दोनों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। बैठक में क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) की तैनाती, एंटी एक्सप्लोसिव एवं एंटी सबोटाज जांच व्यवस्था, विधानसभा के सभी प्रवेश द्वारों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा विधायकों के साथ आने वाले सुरक्षा कर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

चालकों–परिचालकों के मानदेय में बढ़ोतरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत अब 2.32 रुपये प्रति किमी मिलेगा भुगतान

अमृत विचार : ग्रामीण अंचलों में मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत संचालित बसों के चालकों व परिचालकों के मानदेय में बढ़ोतरी कर दी गयी है। अब उन्हें प्रति किलोमीटर 14 पैसे अधिक भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार के निर्देश से यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत अब तक संविदा चालकों और परिचालकों को 2.18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जा रहा था, जिसे बढ़ाकर 2.32 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत चलने वाली बसों का किराया साधारण बसों की तुलना में 20 प्रतिशत कम रखा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को कम खर्च में यात्रा की सुविधा मिल रही है। परिवहन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत प्रदेश के 20 क्षेत्रों में स्वीकृत 395 मार्गों पर कुल 299 बसों का संचालन किया जा रहा है।

चाइनीज मांझे के नेटवर्क की जांच शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों के बाद प्रदेशभर में चाइनीज मांझे के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी जिलों में चाइनीज मांझे के उत्पादन, बिक्री, भंडारण और परिवहन से जुड़े पूरे नेटवर्क की सघन जांच की जा रही है। थोक विक्रेताओं, ऑनलाइन सप्लायर्स, परिवहन चैनलों और गोदामों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश में चाइनीज मांझे की एक भी रील न बिके और न ही कहीं संग्रहित हो। हर जिले में 24×7 मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नामित किए जा रहे हैं।

अग्निवीर भर्ती में शामिल हुए 265 अभ्यर्थी

एएमसी स्टेडियम में पहले दिन एआरओ लखनऊ के तहत 13 जिलों की कराई प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तत्वावधान में रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय), लखनऊ द्वारा शुक्रवार से अग्निवीर भर्ती शुरू हो गई। पहले दिन छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में सेना भर्ती कार्यालय लखनऊ के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 13 जिलों की सभी तहसीलों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 8वीं और 10वीं पास) श्रेणी के लिए भर्ती रैली कराई गई।

इस श्रेणी के लिए 13 जिले लखनऊ, औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर और फतेहपुर के कुल 370 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था। इसमें 265 अभ्यर्थियों ने भर्ती रैली में हिस्सा लिया। गुरुवार रात से ही अभ्यर्थी परिसर में जुटने लगे थे। पहले दिन मेजर जनरल मनीष कुमार, जेडआरओ (यूपी और यूके) ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने लंबी कूद, गड्ढा कूद, 1.6 मीटर की दौड़ आदि में अपनी प्रतिभा दिखाई। 13 जिलों से लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। 7 फरवरी को इन सभी जिलों की तहसीलों के लिए अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल (एसकेटी) श्रेणी के लिए भर्ती रैली कराई जाएगी। भर्ती रैली 16 फरवरी तक चलेगी।

लखनऊ छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में भर्ती रैली को झंडी दिखाते मेजर जनरल मनीष कुमार जेडआरओ। अमृत विचार

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एनसीसी कैडेटों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में शामिल हुए थे कुल 127 एनसीसी कैडेट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : एनसीसी निदेशालय उप्र ने शुक्रवार को जन भवन में भव्य अलंकरण समारोह आयोजित किया। इस समारोह में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी)-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के एनसीसी कैडेटों को मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया।

लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज व मेरठ के कुल 11 एनसीसी ग्रुपों से 127 एनसीसी कैडेटों ने कर्नल अमिताभ कुमार, कंटिंजेंट कमांडर के नेतृत्व में आरडीसी- 2026 में उप्र का प्रतिनिधित्व किया। कैडेटों ने अनुशासन, समन्वय, नेतृत्व तथा सांस्कृतिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मेजर जनरल गौरव गौतम, वीएसएम, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (उप्र) ने संबोधित करते हुए कैडेटों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उच्च प्रशिक्षण मानकों की सराहना की।

एनसीसी ग्रुप गाजियाबाद को इंटर-ग्रुप कंपीटिशन बैनर भेंट किया गया, जिसे ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अजीत सिंह ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत समुदायिक प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में प्रशिक्षित उत्तर प्रदेश के एनसीसी कैडेटों को भी आरडीसी - 2026 के दौरान विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ के लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय के विशेष मार्गदर्शन में इन कैडेटों का चयन राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों को योजना के संबंध में ब्रीफिंग देने के लिए किया गया।

जन भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ सम्मानित एनसीसी कैडेट व सेना के उच्च अधिकारी।

स्वर्ण पदक विजेता

एसयूओ अजीत कुमार सिंह–वाराणसी 'ए', एसयूओ दिया नेहरा– अलीगढ़, एसयूओ महक– बरेली, यूओ रूबी–गाजियाबाद, एल/कॉर्पोरल सूरज वर्मा–लखनऊ, कैडेट शिवम तिवारी– प्रयागराज

रजत पदक विजेता

एसयूओ यश चंद्रा–अलीगढ़, यूओ माधव–बरेली, सार्जेंट आरव सक्सेना–गाजियाबाद, कैडेट सार्जेंट चंद्रमौली उपाध्याय– वाराणसी 'बी', कैडेट अक्षिता सिंह–मेरठ, एसयूओ इशिका यादव–आगरा

माफिया की जेल से अवैध रिहाई पर सख्त निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जांच के दायरे में आ रहे बांदा जेल के आधा दर्जन कर्मी

अमृत विचारः कुख्यात स्कैप माफिया और गैंगस्टर रविन्द्र उर्फ रवि काना की बांदा जेल से अवैध रिहाई के बाद जहां जेल अफसरों और कर्मियों की दिक्कतें दिनों दिन बढ़ रही हैं, वहीं प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीणा ने भी तल्ख रुख अपनाया है। उन्होंने प्रदेश भर के जेल अधीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि बंदियों की रिहाई में यदि लापरवाही हुई तो फिर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर रवि काना को फरार हुए सप्ताह भर बीत चुका है। लेकिन अभी तक गिरफ्तारी तो दूर पुलिस उसका सुराग तक नहीं लगा सकी है।

उधर इस मामले में बांदा जेल के अधीक्षक, जेलर और डिप्टी जेलर के निलंबन के बाद बांदा के एडीशनल पुलिस अधीक्षक शिवराज के नेतृत्व में पांच सदस्यीय विशेष टीम रवि काना की रिहाई की जांच कर रही है। टीम ने दर्जन भर जेल कर्मियों के बयान लिए हैं, वहीं अन्य साक्ष्यों को भी एकत्र किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि विशेष जांच में आधा दर्जन बंदी रक्षक भी संदेह के घेरे में आ रहे हैं। जल्द ही रिपोर्ट तैयार कर आला अफसरों को भेज दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

शशि प्रकाश बने एसीपी अलीगंज

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर ने कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। एसीपी ट्रैफिक शशि प्रकाश मिश्र को एसीपी अलीगंज का जिम्मा सौंपा गया है। एसीपी अलीगंज सुरेंद्र कुमार शर्मा का स्थानांतरण गैर जनपद के लिए हो गया है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार , लखनऊ : सआदतगंज पुलिस ने किशोरी को भगा ले जाने व दुष्कर्म करने वालो को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर सआदतगंज संतोष कुमार आर्य के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी मो. यूसुफ बासमंडी गली नंबर 3 जवाहरनगर डालीगंज का रहने वाला है। पीड़िता के परिजन ने तहरीर दी थी कि यूसुफ 16वर्षीया किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। उसके बाद डरा धमका कर किशोरी से विवाह किया और उससे संबंध बनाए। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

शादी में गया परिवार चोरों ने उड़ाया माल

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के चंद्रप्रकाश नगर निजामपुर मल्हौर में रहने वाले जय प्रताप सिंह के बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये का माल साफ कर दिया। मूल रूप से कन्नौज के छिबरामऊ सौरिक रोड बाबा बगिया निवासी जय प्रताप सिंह परिवार संग किराये के मकान में चिनहट स्थित चन्द्र प्रकाश नगर निजामपुर मल्हौर में रहते हैं। पत्नी ललिता देवी ने बताया कि वह पूरे परिवार के साथ तीन दिन पहले एक शादी में शामिल होने के लिए गांव गई थी। वह गुरुवार को जब लौटकर घर आए तो देखा कि में गेट का ताला टूटा हुआ था। भीतर अलमारी खुली पड़ी थी। उसमें रखे सोने चांदी के गहने गायब थे। पड़ोसी के कैमरे में तीन संदिग्ध घर में घुसते देखे गए हैं।

प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में फूलों से बनी तितली के सामने सेल्फी लेती महिलाएं। अमृत विचार

फूलों से बना हंसों का जोड़ा बना आकर्षण का केन्द्र। अमृत विचार

पुष्प सज्जा केवल गमलों तक सीमित न होकर विचार एवं संदेश देने वाली हो : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने 57वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2026 का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पुष्प सज्जा केवल गमलों तक सीमित न होकर विचार एवं संदेश देने वाली होनी चाहिए, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचे। उन्होंने शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले सभी विभागों, संस्थानों, किसानों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस वर्ष प्रदर्शनी में रचनात्मकता और नवाचार स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।

राज्यपाल शुक्रवार को आयोजित 57वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2026 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान एवं कृषि विपणन दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे और उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल ने इस दौरान प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया।

प्रदर्शनी को देखती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कृषि विपणन मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी है और सभी को इसे डाउनलोड कर अवश्य सुनना चाहिए।

राज्यपाल ने प्रदर्शनी की अवधि एक दिन बढ़ाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि सोमवार को भी स्कूलों के बच्चे एवं अन्य दर्शक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे प्रदर्शनी से संबंधित पेंटिंग, कविता एवं निबंध तैयार कर जन भवन भेजें। इस मौके पर शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ फल, सब्जी, फूलों एवं संरक्षित खेती को बढ़ावा दे रही है। उत्तर प्रदेश में हॉर्टिकल्चर एक्सपोर्ट प्रमोशन बोर्ड की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से किसानों की उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाकर मूल्य संवर्धन किया जा रहा है।

जनभवन में आधार के शुभंकर 'उदय' ने बच्चों से की मुलाकात

- प्रदर्शनी के दौरान आधार नामांकन और बायोमेट्रिक अपडेट को लेकर किया जागरूक

अमृत विचार , लखनऊ : जनभवन में आयोजित प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के दौरान आधार के शुभंकर 'उदय' (यूडीएआई) ने बच्चों से मुलाकात कर आधार से जुड़ी सेवाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने उत्साह के साथ उदय के साथ सहभागिता की और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

इस पहल के माध्यम से बच्चों के 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) तथा आधार नामांकन के महत्व के बारे में प्रभावी ढंग से जानकारी दी गई। अभिभावकों को बताया गया कि समय पर बायोमेट्रिक अपडेट न कराने से आधार से जुड़ी कई सेवाओं में बाधा आ सकती है।

प्रदर्शनी के दौरान राजभवन परिसर में आधार नामांकन एवं अपडेट शिविर का भी आयोजन किया गया है, जहां आगंतुकों को आधार से संबंधित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में नागरिकों को आधार अपडेट, नामांकन एवं आवश्यक सुधारों की सुविधा दी जा रही है।

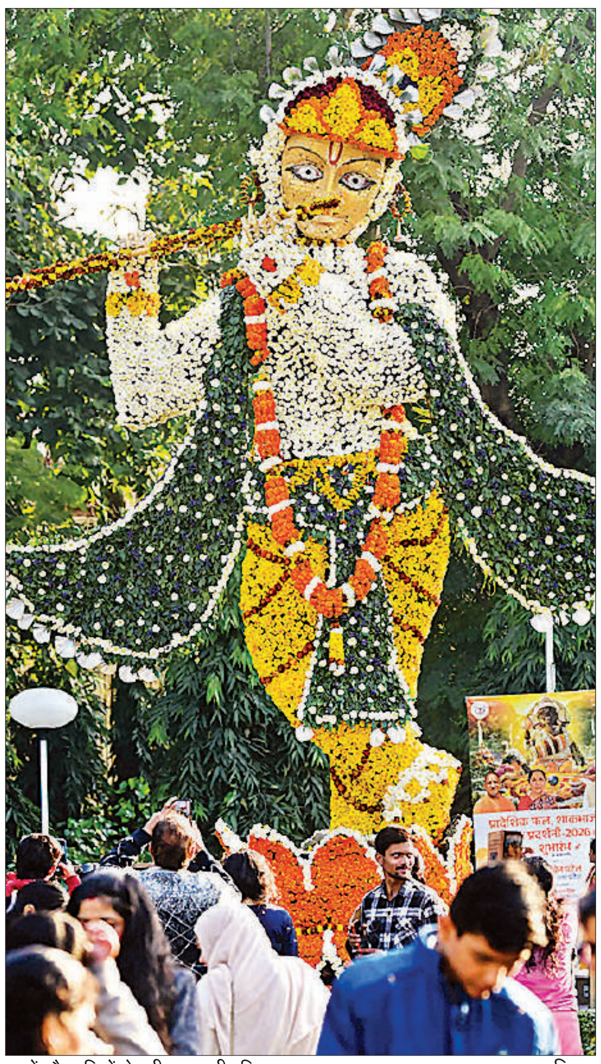

फूलों और पत्तियों से बनी कन्हा की प्रतिमा। अमृत विचार

छात्रों के दूसरे गुट ने दी थाने में तहरीर, कार्रवाई की मांग

- पारा के मोहान रोड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में मारपीट का मामला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पारा के मोहान रोड स्थित राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक में गुरुवार शाम छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के बाद जहां छात्रावास में रहने वाले छात्रों के खिलाफ पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, वहीं शुक्रवार को दूसरे गुट के छात्रों ने भी थाने पहुंचकर तहरीर दी और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। घटना के चलते शुक्रवार को संस्थान में सभी कक्षाएं बंद रहीं और परिसर में सन्नाटा पसरा रहा।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य केके श्रीवास्तव के अनुसार, गुरुवार को डे-स्कॉलर इलेक्ट्रिकल फाइनल वर्ष के छात्र शिवा पांडेय अपने साथियों के साथ छात्रावास के छात्रों की शिकायत लेकर आए थे। प्रधानाचार्य ने बाहरी छात्रों को बाहर कर शिवा पांडेय से अलग से बातचीत की और छात्रावास के छात्रों आयुष सोनकर (सिविल द्वितीय वर्ष) व ईशांत राज (मैकेनिकल द्वितीय वर्ष) को बुलाकर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था। दोनों ने एक-दूसरे से माफी भी मांगी थी। इसके कुछ देर बाद संस्थान के बाहर विवाद बढ़ गया और मारपीट में छात्रावास के मैकेनिकल द्वितीय वर्ष के अनुराग कुमार और राहुल त्यागी घायल हो गए। अनुराग के सिर और राहुल के पैर में चार-चार टांके लगे हैं।

दूसरी ओर, इलेक्ट्रिकल फाइनल वर्ष के छात्र शिवा पांडेय ने आरोप लगाया कि रैगिंग की शिकायत के बाद छात्रावास के कुछ छात्रों और 30-35 अज्ञात युवकों ने उन पर पत्थर, रॉड और अन्य हथियारों से हमला किया। इस दौरान कई छात्र घायल हुए और बाहर खड़ी बाइक व स्कूटी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। स्कूटी की डिग्गी तोड़कर मोबाइल, नकदी, घड़ी और पर्स चोरी करने का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, रास्ते से गुजर रहे एक दिव्यांग छात्र के साथ भी मारपीट और जातिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

प्रधानाचार्य केके श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। डे-स्कॉलर छात्र के परिजनों को बुलाया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ज्वाइंट डायरेक्टर के घर में चोरों ने नाश्ता कर उड़ाया लाखों का सामान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पीजीआई के रायबरेली रोड की एल्डिको कालोनी निवासी सांख्यिकी विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर अभय नाथ के घर में चोर घुस गये। चोरों ने पहले इंटरनेट कनेक्श काटा। इसके बाद दो घंटे तक घर को खंगाला। आराम से तीन बैग में सामान भरे। इसके बाद नाश्ता किया। बडे.इत्मीनान से सामान समेट कर निकल गये। नागपुर में तैनात घर के मालिक को कई बार चेक करने पर भी जब दो दिन तक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज नहीं दिखी तो उन्होंने मां को सूचना दी। मां के घर पहुंचने पर चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने पीजीआइ थाने में तहरीर दी है।

एल्डिको निवासी पीड़ित अभय नाथ नागपुर में सांख्यिकी विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर तैनात हैं। मकान में उनकी बीवी शालिनी और मां उषा देवी रहती हैं। हाल ही में शालिनी दिल्ली गई थी जबकि मां जानकीपुरम स्थित अपनी बेटी के घर एक वैवाहिक कार्यक्रम में गई थी। इस बीच दो दिन तक अभय के मकान के सीसी कैमरे नहीं चले। शक होने पर उन्होंने मां को फोन कर घर भेजा तो घटना की जानकारी हुई। सीसी फुटेज में पता चला कि चोर चार फरवरी की रात मकान की चारदीवारी कूदकर अंदर घुसे, इंटरनेट केबल काट दिया फिर राड से दरवाजे का बेलन उखाड़कर कमरे में गए थे।

इंटरनेट केबल कटने से अभय को फुटेज नहीं दिख रही थी। चोर घर में रखी नकदी, उनके पिता की एयरगन लेकर फरार हो गए। जाते जाते चोरों ने घर में रखा नाश्ता भी खा लिया। सीसी फुटेज में तीन बदमाश चोरी कर वापस जाते दिखे हैं। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर पुलिस चौकी भी है। गेट लगी कालोनी में चोरी होने की घटना से स्थानीय लोग भी दहशत में हैं। उन्होंने बताया कि पहले भी इलाके में कई चोरी हो चुकी हैं। पीड़ित ने पीजीआइ थाने में मामले की शिकायत की है। अतिरिक्त इंस्पेक्टर विनोद पांडे ने बताया कि सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है।

मां के अंतिम संस्कार में गया था परिवार चोरों ने बाइक और लाखों के जेवर उड़ाए

अमृत विचार , लखनऊ : चिनहट के हरदासीखेड़ा इलाके में रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा परिवार के साथ मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने गांव गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर बाइक, जेवर और लाखों रुपये की नकदी साफ कर दी। मूल रूप से हरदोई के माधवगंज स्थित जुड़ा बढ़ैयाखेड़ा निवासी सुरेंद्र शर्मा परिवार के साथ हरदासीखेड़ा में रहते हैं। सुरेंद्र के मुताबिक 22 जनवरी को उनकी मां का निधन हो गया था। इसके चलते वह 23 जनवरी को पूरे परिवार के साथ पार्थिव शरीर लेकर गांव अंतिम संस्कार के लिए गए थे। इसी दौरान 24 और 25 जनवरी की रात करीब एक से चार बजे के बीच चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह मोहल्ले के लोगों ने घर का ताला टूटा होने की सूचना दी। लखनऊ पहुंचने पर पीड़ित ने देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और कई कीमती वस्तुएं गायब थीं। चोरी गए सामान में बाइक, टीवी, गैस सिलिंडर, जेवर और करीब 1.10 लाख रुपये नकद शामिल हैं। पीड़ित के अनुसार आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध लोग सामान ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सिटी डायरी

वार्ड में निरीक्षण करते पार्षद व अन्य।

पार्षद ने वार्ड में किया पैदल भ्रमण

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के पार्षद रामनरेश रावत ने शुक्रवार को अपनी टीम के साथ वार्ड के रुस्तम विहार कॉलोनी, अवध विहार कॉलोनी और तपोवन नगर में पैदल भ्रमण कर गली-गली सड़क एवं नालियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, जल निकासी और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर पार्षद ने स्थानीय नागरिकों को मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जिन नए मतदाताओं की उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाएं। साथ ही एसआईआर के दौरान जिन लोगों को त्रुटियों के कारण नोटिस प्राप्त हुए हैं, वे संबंधित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक प्रपत्र जमा करें। पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नियमित रूप से नहीं आ रही है।

माल विकासखंड कार्यालय में दस्तावेज देखते लोग।

दस्तावेज जुटाने के लिए लोग परेशान

अमृत विचार, माल : माल विकासखंड परिसर में नो मैपिंग नोटिस लेकर बड़ी संख्या में मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मतदाता मैपिंग नोटिस के साथ अपनी पहचान साबित करने के लिए जरूरी कागजात लेकर अधिकारियों तक पहुंचते रहे। दस्तावेज पूरे कराने के लिए जिम्मेदारों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और सुबह से शाम तक प्रक्रिया पूरी करने को लेकर भागदौड़ में लगे रहे। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरुआत होने के बाद से मतदाता सूची में शामिल होने के लिए लोगों की दौड़-भाग थमने का नाम नहीं ले रही है। मैपिंग से छूटे मतदाता अपने मताधिकार को सिद्ध करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जुटाने में खासी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। नोटिस मिलने के बाद प्रतिदिन ब्लॉक परिसर में भारी भीड़ उमड़ रही है।

ब्लाक कार्यालय के शौचालय में बंद ताला।

माल ब्लॉक के शौचालय में ताला

अमृत विचार, माल : माल ब्लॉक परिसर में लाखों रुपये की लागत से निर्मित हाईटेक सार्वजनिक शौचालय पर ताला लटका मिला। एसआईआर फॉर्म से जुड़े नोटिस के जरूरी कागजात जमा करने के लिए आ रही महिलाओं को इससे भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में विकासखंड परिसर में लाखों रुपये की लागत से हाईटेक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। इसका उद्घाटन 28 अगस्त को तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार द्वारा किया गया था। वहीं, इस संबंध में एडीओ एसटी कमलेंद्र कुमार ने दावा किया कि शौचालय पर ताला नहीं है और वह खुला है।

नीचे जमीन पर बिखरा पड़ा ट्रांसफार्मर व उसके पुर्जे।

चलती लाइन में चोरों ने गिराया ट्रांसफार्मर

अमृत विचार , बख्शी का तालाब : बख्शी का तालाब क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र मामपुर बाना में आधी रात चोरों ने 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन काटकर 250 केवीए ट्रांसफार्मर गिरा दिया और उसमें लगे तांबे के उपकरण चोरी कर फरार हो गए। सुबह जानकारी मिलने पर कर्मचारी पहुंचे। जेई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एसडीओ जीशान अली के अनुसार वैकल्पिक ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

सील तोड़ कराया रो-हाउस का निर्माण

- एलडीए अधिकारियों ने तीन के खिलाफ दी तहरीर

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: एलडीए के व्यवस्थापक प्रवर्तन जोन-दो द्वारा तीन लोगों पर सील किये गये रो-हाउस भवनों की सीलिंग तोड़ कर नक्शा पास कराए बिना निर्माण शुरू किये जाने का आरोप लगाया है। एलडीए अधिकारी की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

जोनल अधिकारी रविनंदन सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है। जहां भी सील तोड़कर निर्माण हो रहा होगा, सबके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। पुलिस के मुताबिक एलडीए जोन-दो के जेई आलोक पति तिवारी ने बिजनौर थाना क्षेत्र के रहीमाबाद स्थित रो-हाउस भवनों में सीलिंग के बावजूद नियम विरुद्ध निर्माण कार्य किए जाने की तहरीर दी है। आलोक पति तिवारी का आरोप है कि राधेश्याम ओझा, चन्द्रशेखर, दिनेश व अन्य द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के 26 रो-हाउस भवनों का अवैध निर्माण कराया गया था। इस पर एलडीए द्वारा विहित प्राधिकारी न्यायालय में वाद संस्थित किया गया। तब न्यायालय के आदेश पर 26 सितंबर 2025 को निर्माण परिसर एवं उससे जुड़ी सभी सुविधाओं को सील करने के निर्देश दिए गए थे। आलोक पति का कहना है कि आदेश के अनुपालन में 14 अक्टूबर 2025 को परिसर को सीलबंद कर बिजनौर थाने को निगरानी हेतु अवगत कराया गया। आरोप है कि विकासकर्ताओं ने सीलबंद रो-हाउस भवनों की सील तोड़कर फिनिशिंग और अन्य निर्माण कार्य पुनः शुरू करा दिया।

दरोगा भर्ती में फर्जी तारीख प्रसारित करने वालों पर एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी पुलिस में दरोगा भर्ती की लिखित परीक्षा की भ्रामक तिथियों का झूठा प्रसारण सोशल मीडिया पर किया गया। इसकी जानकारी होने पर पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड ने जांच कराई। इसके बाद हुसैनगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भर्ती बोर्ड के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 14 व 15 मार्च को होगी। यह परीक्षा कुल चार पालियों में प्रस्तावित है। परीक्षा तिथि तीन दिसंबर को घोषित की गई थी। भर्ती बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा संबंधी सार्वजनिक सूचनाओं / निर्देशों को बोर्ड केवल अपनी वेबसाइट के माध्यम से ही जारी करता है। अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि इसके अलावा अन्य किसी भी स्रोत से प्राप्त भ्रामक पत्र व सूचना पर विश्वास न करें।

न्यूज ब्रीफ

यूपीएसआरएलएम और पंचायती राज मिलकर रोकेंगे फाइलेरिया

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को गति देने के लिए उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) और पंचायती राज विभाग एकजुट हो गए हैं। दोनों विभागों के सहयोग से राज्य के 21 जनपदों के 64 ब्लॉकों में होने वाले सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। यूपीएसआरएलएम से जुड़े करीब 65 हजार स्वयं सहायता समूह गांव-गांव जाकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खाने के लिए जागरूक करेंगे। शुक्रवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी ने बताया कि यदि प्रत्येक समूह का एक सदस्य दस लोगों को दवा सेवन के लिए प्रेरित करता है तो अभियान के जरिए 6.5 करोड़ लोगों तक पहुंच संभव है।

बागपत में स्थापित होगी रिफाइंड शुगर मिल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में किसान सहकारी चीनी मिल, बागपत की पेराई क्षमता वर्तमान 2500 टीसीडी से बढ़ाकर 5000 टीसीडी करने का निर्णय लिया गया है, साथ ही नवीनतम तकनीक पर आधारित रिफाइन्ड शुगर उत्पादन के लिए नई चीनी मिल स्थापित करने का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। प्रायोजन रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग (पीआईबी सचिवालय), नियोजन विभाग की 101वीं बैठक में अवगत कराया गया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 407.02 करोड़ रुपये है। परियोजना का वित्तपोषण 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अंश पूंजी और 50 प्रतिशत ऋण के रूप में किया जाएगा। वित्त वर्ष 2026-27 में 100 करोड़ रुपये ऋण के रूप में बजट में प्रावधान के लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजे जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नरेन्द्र भूषण, अपर मुख्य सचिव चीनी उद्योग वीना कुमारी मीना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

16.35 लाख निराश्रित गोवंशों का संरक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना और पोषण मिशन के अंतर्गत अब तक 1,13,534 पशुपालकों को 1,81,339 गोवंश उपलब्ध कराए गए हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। साथ ही पशुपालकों की आय में भी वृद्धि हुई है। गोवंश संरक्षण को आजीविका से जोड़कर राज्य सरकार ने इसे आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनाया। अब तक देश में सबसे अधिक रिकॉर्ड 16.35 लाख निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया है। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अब तक प्रदेशभर में 7500 से अधिक गोआश्रय स्थलों का निर्माण कराया गया।

निर्माणाधीन न्यू ताज होटल के बेसमेंट में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

पत्थर काटने वाली मशीन से निकली चिंगारी से धधका होटल, मजदूरों ने भागकर बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विभूतिखंड इलाके में निर्माणाधीन न्यू ताज होटल के बेसमेंट में शुक्रवार दोपहर में आग लग गई। आग बेसमेंट में पत्थर काटने वाली मशीन से निकली चिंगारी से लगी। हादसे के समय होटल के बेसमेंट में दो सौ और ऊपर के 16 मंजिल भवनों में कुल 500 मजदूर काम कर रहे थे। बेसमेंट में रखे तारपीन, केमिकल और पेंट के ड्रमों के आग की चपेट में आते ही तेज धमाके होने लगे। मजदूरों ने आग लगते ही भागकर जान बचाई। सूचना पर अग्निशमन विभाग के चार फायर स्टेशनों से कर्मचारी और एसडीआरएफ की टीम ने देर रात तक राहत कार्य कर रही थी। वहीं आसपास के भवनों को पूरी तरह से खाली करा दिया गया है।

निर्माणाधीन न्यू ताज होटल के बेसमेंट वन में शुक्रवार शाम करीब चार बजे पत्थर कटाई चल रही थी। इस बीच निकली चिंगारी से तारपीन के ड्रम में पड़ गई। इससे अचानक आग का भभका निकला और आग लग गई। देखते देखते आग विकराल हो उठी। बेसमेंट में चीख पुकार मच गई। काम कर रहे मजदूरों में भगदड़ मच गई। वह गिरते-पड़ते चीख पुकार करते हुए भागे। उधर, ऊपर के तलों में भी काम कर रहे मजदूरों भी चीख-पुकार करते हुए भागे। काला धुआं बेसमेंट से निकलकर ऊपर पहुंचने लगा। लोगों ने घटना की जानकारी दमकल को दी। इमारत में लगे इंजीनियर, ठेकेदार और मजदूर आनन फानन निकलकर बाहर आ गए।

सुरक्षा के दृष्टिगत एसडीआरएफ को भी बुलाया गया। एसडीआरएफ ने बेसमेंट और ऊपर के तलों में सर्च आपरेशन चालाया। हालांकि वहां कोई फंसा हुआ नहीं मिला। इसके बाद टीम ने राहत की सांस ली। सुरक्षा के मद्देनजर एंबुलेंस भी मौके पर बुला ली गई थी। सर्च आपरेशन में जब कोई नहीं मिला तो वापस कर दी गई।

सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया कि विभूतिखंड थाने के बगल में 12 मंजिला ताज होटल का निर्माण चल रहा है। होटल में 185 होटल, डाइनिंग, रेस्तरां, बैंक्वेट और वेलनेस सुविधाओं के लिहाज से यहां चार मंजिला पार्किंग बी1,बी2,बी3 और बी4 बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही होटल की ओपनिंग होनी है ऐसे में फिनिशिंग का काम तेजी से चल रहा है।

विभूतिखंड इलाके में निर्माणाधीन न्यू ताज होटल के बेसमेंट में लगी आग बुझाते दमकलकर्मी। अमृत विचार

बीए सेट व स्मोक एक्जास्टर लगाकर किया राहत कार्य

अग्निकांड के दौरान पूरी इमारत में काला और दमघोंटू धुआं फैल गया था। धुआं कई किमी दूर से दिखाई दे रहा था। दमकल कर्मी धुएं और आग के कारण नहीं जा पा रहे थे। इसके बाद ब्रीदिंग आपरेटस (बीए सेट) पहना और मास्क लगाकर अंदर दाखिल हुए। वहीं, दमकल कर्मियों ने स्मोक एक्जास्टर लगाया। उससे धुआं बाहर निकाला। देर रात तक करीब 20 गाड़ियां आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही थीं।

धमाकों से दहला इलाका

सूचना पर इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह, एफएसओ इंदिरानगर केके सिंह, गोमतीनगर, हजरतगंज, सरोजनीनगर और आलमबाग की टीमें पहुंचीं। आनन फानन फायर फाइटिंग शुरू की। इस बीच आग बेकाबू हो चुकी थी। बेसमेंट और स्टोर में रखे तारपीन, केमिकल और पेंट के ड्रम आग की तपिश से ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटने लगे। धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल भी पहुंच गए। उन्होंने लोगों को ढाढस बंधाते हुए शांत कराया कि पैनिक न हों। शांति बनाए रखें। आस पड़ोस की इमारतों में स्थित ऑफिसों से भी सैकड़ों लोग निकलकर सड़क पर आ गए। देर रात तक दमकल और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) फायर फाइटिंग करती रही।

बेसमेंट में बन रहा था गोदाम

बीएनपी कंपनी की ओर से होटल में स्कोफ फोल्डिंग का काम कर रहे सीतापुर निवासी कर्मचारी सुनील, विवेक, अनुमान, अनिल, जगदीश और उमेश ने बताया कि बी-1 में गोदाम बना है, जबकि बी-2 में ताज के कर्मचारियों के लिए मीटिंग हॉल बनाया गया है। इसके अलावा बी-3 और बी-4 में गाड़ियां पार्क की जाती हैं। पार्किंग से निकलने के लिए चार रास्ते हैं। सुनील ने बताया कि हादसे के वक्त बी 2 में ताज के 30 कर्मचारी मीटिंग कर रहे थे। आग लगते ही बेसमेंट में धुआं भरने लगा। सुनील, विवेक, अनुमान, अनिल, जगदीश और उमेश शोर मचाते हुए बी 2 में पहुंचे और मीटिंग कर रहे लोगों को दूसरे रास्ते से बाहर निकाला।

चारा उत्पादन करें दोगुना: एसपी गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चारा टास्क फोर्स की बैठक में मुख्य सचिव ने किसानों को बेहतर रिटर्न देने पर दिया जोर

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि गैर-कृषि भूमि और चारागाह भूमि का बेहतर उपयोग करके चारा उत्पादन को दोगुना किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने ऊसर भूमि पर चारा उत्पादन, उन्नत बीजों और आधुनिक तकनीक के उपयोग, जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल किस्मों के चयन पर बल दिया। साथ ही विषय विशेषज्ञों, डेयरी, कृषि, उद्यान एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर व्यवहारिक मॉडल तैयार करने के निर्देश दिए गए।

एसपी गोयल

मुख्य सचिव शुक्रवार को चारा टास्क फोर्स की बैठक संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश में चारे की उपलब्धता बढ़ाने, दीर्घकालिक समाधान विकसित करने और किसानों को बेहतर आर्थिक रिटर्न देने पर चर्चा हुई। बैठक में किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, रोपण सामग्री और साइलेज निर्माण के लिए इच्छुक एफपीओ को चिन्हित कर प्रोत्साहित करने की योजना बनाई गई। बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रत्येक जिले में दो-दो एफपीओ और अन्य जिलों में एक-एक एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य तय किया गया। स्वयं सहायता समूहों को भी इस प्रयास में शामिल किया जाएगा।

महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ.हरिदास अग्रवाल को पुष्पगुच्छ भेंट करते फार्मासिस्ट।

नवनियुक्त तीन महानिदेशकों को दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ. हरिदास अग्रवाल और महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ. रंजना खरे से मिलकर पुष्पगुच्छ अर्पित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मिलने वालों में अध्यक्ष जेके सचान, मंत्री राजीव कनौजिया, बीपी चौधरी, आनंद सिंह, मीडिया प्रभारी अजय कश्यप, कोषाध्यक्ष सरवन चौधरी, पंकज रस्तोगी एवं एमपी रावत शामिल रहे।

व्यापारिक संगठनों व कर अधिवक्ताओं की मांगों पर गंभीरता से होगा विचार

राज्य कर विभाग ने किया संवाद, व्यापारियों को राहत की उम्मीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान और कर प्रणाली को अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से राज्य कर विभाग की प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान ने व्यापारिक संगठनों व कर अधिवक्ता संघों के साथ सीधा संवाद किया। इस दौरान व्यापारिक संगठनों ने आईटीसी-ब्लॉक धनराशि के शीघ्र रिफंड के लिए ऑटोमेटेड रिफंड प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के प्रयोग, कैपिटल गुड्स पर आईटीसी की सुविधा, कोटेड-अनकोटेड पेपर, गारमेंट एवं हैंडीक्राफ्ट के कच्चे माल पर समान कर दर लागू करने की मांग उठाई।

राज्य कर भवन में शुक्रवार को आयोजित बैठक में आयुक्त राज्य कर सहित प्रदेश भर से 10 हजार से अधिक स्टेकहोल्डर्स जुड़े। संगठनों द्वारा तकनीकी त्रुटियों पर सचल दल द्वारा दंड न लगाने, विलंब से रिटर्न दाखिल होने पर दंडात्मक कार्रवाई में राहत तथा परिवहन के दौरान टोल पर्ची प्रस्तुत करने से छूट की मांग रखी गई। इतना ही नहीं, व्यापारियों ने इनवर्टेड ड्यूटी रिफंड, सुनवाई से पूर्व पंजीकृत डाक से नोटिस जारी करने, व्यापार बंधु की नियमित बैठकें कराने, पंजीकृत व्यापारियों के लिए 50 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा सुविधा तथा लूट-डकैती की घटनाओं में मुआवजा व सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की।

राज्य कर भवन में आयोजित बैठक में प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान व अन्य।

आबकारी विभाग ने 10 माह में जुटाए 43,975 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई, 89 हजार से अधिक मामले दर्ज : नितिन अग्रवाल

अमृत विचार : प्रदेश में आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में खासी प्रगति दर्ज की है। आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में जनवरी 2026 तक विभाग ने 43,975.15 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में प्राप्त 37,900.35 करोड़ रुपये की तुलना में 16.03 प्रतिशत अधिक है। इससे विभाग को 6,074.80 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है।

आबकारी मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि जनवरी 2026 तक विभाग के लिए 48,900 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष 89.92 प्रतिशत राजस्व की प्राप्ति हो चुकी है। केवल जनवरी माह में ही 4,148.20 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया, जो जनवरी 2025 में प्राप्त 3,356.26 करोड़ रुपये की तुलना में 23.60 प्रतिशत अधिक है।

मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अवैध शराब के खिलाफ सख्त प्रवर्तन अभियान भी चलाया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिसंबर 2025 तक अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के 89,692 अभियोग दर्ज किए गए। इस दौरान 23.30 लाख लीटर अवैध मदिरा और मादक पदार्थ बरामद किए गए।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बन रहे टॉय पार्क में बचे सिर्फ 12 प्लॉट, 143 आवंटित

निवेश से आगे बढ़कर निर्माण की दिशा में प्रवेश करती परियोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यमुना एक्सप्रेसवे पर 100 एकड़ में तेजी से आकार ले रहे टॉय पार्क के 154 में से 143 प्लॉट आवंटित हो गए हैं। योगी सरकार की औद्योगिक विकास नीति का असर जमीनी स्तर पर साफ नजर आने लगा है। निवेश, आवंटन और निर्माण तीनों स्तरों पर आई रफ्तार ने प्रदेश को खिलौना उद्योग के एक उभरते राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा संकेत दिया है।

यीडा द्वारा टॉय पार्क के लिए आरक्षित 100 एकड़ भूमि पर कुल 154 औद्योगिक भूखंड नियोजित किए गए हैं। इनमें से 143 भूखंडों का आवंटन पूरा हो चुका है। यमुना एक्सप्रेसवे पर विकसित हो रहा टॉय पार्क इसी नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण बनकर उभरा है, जहां निवेश अब फाइलों तक सीमित न रहकर निर्माण की दिशा में बढ़ चुका है।

यीडा की ताजा प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, टॉय पार्क में आवंटित 143 भूखंडों में से 124 निवेशकों ने अपने लीज प्लान जमा कर दिए हैं, जबकि 19 मामलों में दस्तावेज अभी लंबित हैं। इन निवेशकों को एक माह के भीतर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। अब तक 120 आवंटियों को चेकलिस्ट जारी की जा चुकी है और शेष 4 मामलों में प्रक्रिया प्रगति पर है। भूमि हस्तांतरण के स्तर पर भी परियोजना ने मजबूत रफ्तार पकड़ी है। अब तक 108 निवेशकों के पक्ष में लीज डीड का निष्पादन पूरा किया जा चुका है, जबकि 76 निवेशकों को विधिवत पजेशन भी प्रदान कर दिया गया है। निर्माण के मोर्चे पर भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। 15 निवेशकों के भवन मानचित्र स्वीकृत हो चुके हैं, जबकि 4 औद्योगिक इकाइयों में निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है।

निवेश का माहौल बनाएगा इन्वेस्ट यूपी

- पांच महानगरों में बनेंगे सैटेलाइट कार्यालय, रोड शो से निवेशकों को साधने की रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ में इसी माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी)-5 से पहले प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत करने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने बड़ी पहल शुरू कर दी है। राज्य में बड़े निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से देश के पांच प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में सैटेलाइट कार्यालय खोलने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इन कार्यालयों के उद्घाटन के साथ ही संबंधित महानगरों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर की जा रही है। इन्वेस्ट यूपी ने सैटेलाइट कार्यालय खोलने के लिए पांचों महानगरों में उपयुक्त भवन चिह्नित कर लिए हैं और आवश्यक कागजी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, अगले सप्ताह तक इन कार्यालयों में कार्मिकों की तैनाती की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी, ताकि जीबीसी-5 से पहले यह पूरी तरह क्रियाशील हो सकें।

इन्वेस्ट यूपी ने कार्यालयों के उद्घाटन को भी निवेश अभियान के रूप में मनाने की योजना बनाई है। उद्घाटन के अवसर पर आयोजित रोड शो में राज्य सरकार के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। इसके साथ ही गोल मेज सम्मेलन आयोजित कर बड़े निवेश प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी और समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए जाएंगे। प्रत्येक सैटेलाइट कार्यालय को निवेश आकर्षित करने का स्पष्ट लक्ष्य भी दिया जाएगा।

अपराध में यूपी सबसे आगे : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। महिलाओं और बच्चियों के साथ अपराध की घटनाओं में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर हो गया है। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि हाथरस में एनएच 93 पर बदमाशों ने सेना के जवान अखिलेश चौधरी को दिनदहाड़े गोलियों से छलनी कर दिया। राजधानी के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में थार सवार बदमाशों ने युवक को अगवा कर लूट लिया। गोमती नगर में बाइक सवार बदमाशों ने महिला का पर्स लूट लिया। पिछले दो सालों में उत्तर प्रदेश में 108300 लोग गायब हो चुके हैं।

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) एवं स्पॉट, उत्तर प्रदेश

रेलवे स्टेशन रोड,अमौसी, लखनऊ, पिन कोड-226008 फोन/फैक्स - 0522/2304589 ई-मेल – mail.ats-up@gov.in

पत्र संख्या- अ-98/2025 (एटीएस) (Social Media)/1705 दिनांक-फरवरी, 2026

जेम (GeM) निविदा सूचना

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) उ0प्र0, लखनऊ हेतु आधुनिकीकरण योजना 2025-26 के अन्तर्गत स्वीकृत उपकरण "Social Media Monitoring and Analysis Tool -01 अदद" जेम पोर्टल पर कस्टम बिड संख्या-(GEM/2026/B/7176554) दिनांक 03 -02-2026 को प्रकाशित की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

BID DETAILS	
जेम कस्टम बिड संख्या	GEM/2026/B/7176554
जेम पर प्रकाशित तिथि	03-02-2026
प्री-बिड मीटिंग	09-02-2026, 11:00:00
बिड बंद होने की दिनांक / समय	18-02-2026, 18:00:00
बिड खुलने का दिनांक / समय	18-02-2026, 18:30:00
बिड वैधता की अवधि (बंद होने की दिनांक से)	180 days

उक्त उपकरण के क्रय हेतु जेम की नियम व शर्तें एवं विभाग द्वारा निर्धारित अतिरिक्त नियम एवं शर्तें (ATC) लागू होगी, को UP Police की Website - https://uppolice.gov.in पर भी देखा जा सकता है। कृपया कस्टम बिड संख्या -(GEM/2026/B/7176554) दिनांक 03-02-2026 में उल्लिखित क्रय संबंधी समस्त नियम व शर्तों के साथ बिड में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

UP - 245527 दिनांक: 06/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(देवेश कुमार पाण्डेय)
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,
एटीएस उ0प्र0, लखनऊ।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा सही नाम मो. शारिक पुत्र मो. शाहिद हुसैन खान है। मेरे आधार कार्ड में मेरे नाम की जगह मेरे पिताजी का नाम दर्ज है। मैं अपने आधार कार्ड में अपना सही नाम मो. शारिक पुत्र मो. शाहिद दर्ज कराना चाहता हूं। **मो. शारिक पुत्र मो. शाहिद, निवासी ग्राम गुलरिहा हिसामपुर, जनपद बलरामपुर**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अवनींद्र नाथ शाक्य (Avanindra Nath Shakya) दर्ज है, जो गलत है। मेरा सही नाम अवनींद्र नाथ शाक्य (Avnindra Nath Shakya) है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **अवनींद्र नाथ शाक्य पुत्र राम नाथ शाक्य, निवासी 9 ए, फ्रेंड्स कॉलोनी, इटावा।**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम सुनीता शाक्य दर्ज हो गया है जो गलत है मेरा सही नाम सुनीता है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **सुनीता पत्नी अवनीन्द्र नाथ शाक्य नि0- 9A फ्रेंड्स कॉलोनी इटावा**

सूचना

हम अरुण कुमार गांगुली पुत्र एस.एन. गांगुली तथा मेरी पत्नी आभा गांगुली दोनों निवासी–212 मानस एन्क्लेव फरीदी नगर इंदिरा नगर सीमैप लखनऊ उत्तर प्रदेश संयुक्त रूप से अपने छोटे पुत्र रितेश गांगुली व उसकी धर्म पत्नी मनीषा कश्यप पुत्री रतन लाल कश्यप को हमारी समस्त चल–अचल संपत्ति व संबंधों से बेदखल कर रहे हैं अब से हम लोगों का इनसे कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।

सूचना

मै SALEEM AHMED SIDDIQUI पुत्र श्री MOHAMMAD AZEEM, निवासी म0नं0–61/50, हाता ख्वाजा गौहर, हुसैनगंज, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD SALEEM SIDDIQUI कर लिया है, अतः आज से मुझे MOHD SALEEM SIDDIQUI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

Public Notice

I would like to bring to your attention that I am a student of Class 9 [A] in this school. The school records incorrectly show my name as 'Lokesh Sonkar', whereas my actual name is 'Lokesh'. I kindly request you to correct my name Lokesh in all school records and any documents future'.Lokesh s/o Laxmi Prasad, Add-Bichali Mohalla, Dafali Tala Purani Basti, Distt-Uttar Pradesh-272002

सूचना

मेरे द्वारा क्रय की गई संपत्ति फ्लैट संख्या 503, ब्लॉक–बी, पंचम तल, आर्किड टावर, ओमैक्स रेजिडेंसी, सरसावां, लखनऊ की मूल रजिस्ट्री (बैनामा) कहीं गुम हो गई है, जिसकी L.A.R. संख्या 20260000143150, दिनांक 05–02–2026 है। जिसको कहीं गिरवी/बंधक आदि नहीं रखा गया है इसका उपयोग अमान्य एवं शून्य माना जाएगा। **रूचिर खरे, मो0–8765078547**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि पूर्व मे नाम दिलीप बर्नवाल (DILEEP VERNWAL) या अब बदलकर दिलीप कुमार बर्नवाल (DILEEP KUMAR VERNWAL) हो गया हैं। अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। DILEEP KUMAR VERNWAL Village- Nirvahanpur, Post-Durgapur Thana-Piperpur Amethi--228159

सूचना

मैने अपनी पुत्री प्रियाँशी पाल का नाम बदलकर तनिसी सिंह पाल रख लिया है। उसकी जन्म तिथि 17/12/2012 है। भविष्य मे प्रियाँशी पाल को तनिसी सिंह पाल के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा जाये। **गिरिजा शंकर पुत्र स्व.प्यारे लाल पाल निवासी–राम टोला खरिका तेलीबाग, लखनऊ उत्तर प्रदेश**

सूचना

मैं **तहूरा स्वाले पुत्री श्री नियाज अहमद पत्नी श्री स्वाले जमाल निवासिनी– एस. एस. 35 मोती झील कालोनी ऐशबाग लखनऊ उ0प्र0,** मेरा विवाह से पूर्व नाम तहूरा फातिमा (TAHOORA FATIMA) था परन्तु विवाह के उपरान्त नाम तहूरा स्वाले (TAHOORA SWALEY) कर लिया है अर्थात दोनो नाम मेरे ही है एवं दोनो नामों से जानी व पहचानी जाती है। जहाँ कहीं भी तहूरा फातिमा (TAHOORA FATIMA) है उसके स्थान पर तहूरा स्वाले (TAHOORA SWALEY) पढ़ा लिखा जाये एवं सही माना जाये।

सूचना

मैं,**शैहला मेंहदी पुत्री सैय्यद मोहम्मद मेंहदी, निवासी–206/20, ड्योढ़ी, आगामीर, लखनऊ, उ0प्र0,** मैने मुंशी परीक्षा, बोर्ड ऑफ अरेबिक एण्ड परसियन से वर्ष 2007 में उत्तीर्ण की थी। उक्त परीक्षा की मार्कशीट में मेरा नाम SHHALA MEHANDI लिखा है, जो कि गलत है। जबकि सही नाम शैहला मेंहदी SHAILA MEHDI पुत्री सैय्यद मोहम्मद मेंहदी SYED MOHAMMAD MEHDI है, जो मैने यूपी बोर्ड मदरसा, एजूकेशन, लखनऊ में दूसरी मार्कशीट में सही करा लिया है।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र अंकित का चाल चलन व मेरे व मेरे परिवार के प्रति उसका आचरण ठीक नहीं है एवं आराजक तत्वों के साथ गलत कार्य करता रहता है। जिस कारण मै अपने छोटे पुत्र अंकित को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन देन से मेरे व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। सभी कृत्यों की जिम्मेदार वह स्वयं ही होंगे। **मूलचन्द्र पुत्र स्व0 रामनाथ निवासी ग्राम कुण्डरा कलॉ थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ**

लोधेश्वर महादेवा में व्यवस्थाएं हों दुरुस्त

डीएम के निर्देश

रामनगर, बाराबंकी

निरीक्षण करते डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार: सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम में चल रहे फागुनी मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम और एसपी ने ऑडिटोरियम और बोहनिया तालाब पर लगाई गई बैरिकेडिंग जाल की स्थिति का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं के पूजन-दर्शन के लिए बनाए गए होल्डअप बैरिकेडिंग की मजबूती देखी। मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा बनाए गए रैन बसेरा का भी निरीक्षण किया गया। बंद पड़े आरओ के संबंध में जानकारी लेने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और इसे शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने अभरण सरोवर तालाब और महिलाओं के लिए बनाए गए चेंजिंग रूम का भी निरीक्षण किया। पंचायत भवन के निकट बनाए गए शौचालयों को चालू रखने के निर्देश दिए गए। मेले बाग में दुकानों की व्यवस्था की जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कीचड़ और जलभराव मिलने पर तुरंत मिट्टी डालकर मार्ग दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। इसके बाद पीएचसी के सामने बने रैन बसेरा का निरीक्षण करते हुए प्रकाश, शौचालय और अन्य व्यवस्थाएं ठीक कराने के साथ खंड विकास अधिकारी सूरतगंज से फोटो उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अतिरिक्त, महादेवा-लोधौरा मार्ग के किनारे पीडब्ल्यूडी द्वारा डाली गई गिट्टियों और केसरीपुर-महादेवा मार्ग के गड्ढों को तत्काल समतल कराने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर सीडीओ अ सुदन, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीएमओ अवधेश कुमार यादव, अधिशासी अभियंता शशिकांत सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामनगर, सीओ रामनगर, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय, बीडीओ देवेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार यादव, सीएचसी अधीक्षक प्रणव श्रीवास्तव रहे।

कक्षा 2 के छात्र को डंडे से पीटा, पैरों पर पड़े निशान

करनैलगंज, गोंडा : कोतवाली क्षेत्र के एक निजी विद्यालय में शिक्षक द्वारा कक्षा दो के छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। मारपीट में बच्चे की तबीयत बिगड़ गई है और उसके दोनों पैरों सहित शरीर के कई हिस्सों पर डंडों के निशान उभर आए हैं। बच्चे की हालत देख परिजन आहत हैं। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के चतरुपुर नकार निवासी राज प्रसाद ने बताया कि उनका नौ वर्षीय पुत्र अभिषेक गोस्वामी क्षेत्र के गुमदहा में संचालित एमआरजी पब्लिक स्कूल में कक्षा दो का छात्र है। गुरुवार को वह रोज़ की तरह स्कूल पढ़ने गया था। आरोप है कि गृहकार्य पूरा न होने पर विद्यालय के शिक्षक प्रखर सिंह ने अभिषेक की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित पिता के अनुसार बच्चे को करीब 100 से अधिक डंडे मारे गए, जिससे उसके दोनों पैरों समेत शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। जब शिकायत विद्यालय संचालक माधवराज से की गई तो उन्होंने उल्टा परिजनों को ही डांटकर भगा दिया।

हत्थे चढ़ा मंदिर का चोर स्वर्णकार भी गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार: अवसानेश्वर महादेव मंदिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर चोर व स्वर्णकार को दबोचा है। इनके कब्जे से चोरी कर स्वर्णकार से गलवाए गए छत्र व अरघा की चांदी भी बरामद हुई है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने शुक्रवार को बताया कि स्वाट, सर्विलांस व थाना हैदरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम ने वीरेन्द्र कुमार पुत्र रामशंकर निवासी ग्राम कछवा थाना सुबेहा व जय विश्वकर्मा पुत्र कृष्णानन्द विश्वकर्मा मदारपुर तिराहा थाना कोठी हाल पता देवीगंज भिटरिया रोड थाना असन्द्रा को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे व निशांदेही से चोरी कर गलाये गये छत्र की चांदी 579 ग्राम व अरघा की चांदी 4.19 किलोग्राम, 7 हजार रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त कटर, प्लास बरामद किया गया।

3.7 तीव्रता का आया भूकंप, गोंडा सुरक्षित

गोंडा, अमृत विचार : शुक्रवार की सुबह 7 .32 बजे जिले मे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए जिससे कुछ देर के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3 .7 मापी गई है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र इटियाथोक थाना क्षेत्र के इटहिया नवीजोत गांव के आसपास रहा। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिसके चलते किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। इसे लेकर लोगों में खौफ देखा गया।

उत्तर प्रदेश सरकार, लोक निर्माण विभाग

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
Office of Executive Engineer
नि0ख0–3, लो0नि0वि0, सुलतानपुर–228001
C.D.-3, PWD, Sultanpur-228001

सिविल लाइन्स, सुलतानपुर–228001
Civil Lines, Sultanpur-228001
E-mail:- eecd3nk1@gmail.com

पत्रांकः– 242 / 4ए / 2025–26 दिनांक : 02.02.2026

ई-टेण्डर निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0, सुलतानपुर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में रजिस्टर्ड श्रेणी-ए,बी,सी एवं डी क्लास में (जैसा लागू हो) मार्ग कार्य हेतु अर्ह ठेकेदारों से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नाकिंत कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी भी अथवा सभी कार्यो के लिये निविदा दे सकता है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह अर्हता के सम्बन्ध में नियम व शर्तो से अवगत हो ले।

क्र0 सं0	जनपद	मार्ग का नाम	निविदा की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)
1	2	3	4	5
1	सुलतानपुर	पखरौली हनुमानगंज कन्हईपुर ज्ञानीपुर रामगंज (अन्य जिला मार्ग) मार्ग	16.60	1.66
2	सुलतानपुर	आफिसर्स हास्टल पहुँच मार्ग	3.50	0.35
3	सुलतानपुर	आफिसर्स कालोनी पहुँच मार्ग	8.70	0.87
4	सुलतानपुर	रामगंज बाबूगंज मार्ग किमी0 3 से मितई का पुरवा होते हुए असरवन तक सम्पर्क मार्ग	10.90	1.09
5	सुलतानपुर	रामपुर वैजूपुर पक्की सड़क से रतनपुर पक्की सड़क तक सम्पर्क मार्ग	14.20	1.42
6	सुलतानपुर	समीगंज बाजार से दिलावलपुर होते हुए कल्याणी पट्टी तक सम्पर्क मार्ग	27.40	2.74
7	सुलतानपुर	महेसुआ मन्दिर से वीरापुर माइनर होते हुए दसौधीपुर तक सम्पर्क मार्ग	26.30	2.63
8	सुलतानपुर	दशरथनगर सम्पर्क मार्ग	3.50	0.35
9	सुलतानपुर	पहाड़ का पुरवा सम्पर्क मार्ग	3.50	0.35
10	सुलतानपुर	श्रीपुर से सौराई सम्पर्क मार्ग	18.40	1.84
11	सुलतानपुर	बोखारेपुर सम्पर्क मार्ग	17.50	1.75
12	सुलतानपुर	शिवनरायन की मशीन से बसन्तपुर मदारभार होते हुए सौराई तक सम्पर्क मार्ग	13.10	1.31
13	सुलतानपुर	अर्जुनपुर से भगतपुर सम्पर्क मार्ग	10.50	1.05
14	सुलतानपुर	भपटा सम्पर्क मार्ग	7.50	0.75
15	सुलतानपुर	कसाई टोला सम्पर्क मार्ग	20.50	2.05
16	सुलतानपुर	नोहरी का पुरवा सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
17	सुलतानपुर	कंजड बस्ती सम्पर्क मार्ग	1.80	0.18
18	सुलतानपुर	रामगंज बाबूगंज मार्ग से जमुआवा सम्पर्क मार्ग	2.20	0.22
19	सुलतानपुर	महेशपुर (महेशपुर) सम्पर्क मार्ग	4.40	0.44
20	सुलतानपुर	जद्दूपुर (जद्दूपुर) सम्पर्क मार्ग	7.00	0.70
21	सुलतानपुर	भरखरे से अलीपुर मार्ग के किमी0 में क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर 3x5 मी0 स्पान के नये पुल का कार्य।	8.60	0.86
22	सुलतानपुर	मल्हौटी (गोपीनाथपुर) सम्पर्क मार्ग	16.50	1.60
23	सुलतानपुर	बरूआ उत्तरी सम्पर्क मार्ग के किमी0 7 से धनऊवा सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
24	सुलतानपुर	कोहरौटी (कोथराकला) सम्पर्क मार्ग	3.30	0.33
25	सुलतानपुर	घुरहुरपुर (घुरहुरपुर) सम्पर्क मार्ग	3.30	0.33
26	सुलतानपुर	कोथराखुर्द पक्की सड़क से शिव प्रकाश सिंह के घर होते हुए सैतापुर सम्पर्क मार्ग	22.00	2.20
27	सुलतानपुर	अहिरौटी बसती (लोटिया) सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54
28	सुलतानपुर	पाल बस्ती (सखौली) सम्पर्क मार्ग	20.90	2.09
29	सुलतानपुर	बड़ा मिश्रान सम्पर्क मार्ग	12.10	1.21
30	सुलतानपुर	जमखुरी सम्पर्क मार्ग	19.35	1.94
31	सुलतानपुर	सदरपुर सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
32	सुलतानपुर	भौरियार सम्पर्क मार्ग	17.60	1.76
33	सुलतानपुर	लम्भुआ दियरा मार्ग से सखौली घाट तक सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32
34	सुलतानपुर	मुनीपुर सम्पर्क मार्ग	21.10	2.11
35	सुलतानपुर	सिंहौली रेलवे स्टेशन सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
36	सुलतानपुर	चांदा पावर हाउस से ढाकापुर प्रा0वि0 तक सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
37	सुलतानपुर	मकसूदन जू0हाईस्कूल से जफरापुर ग्राम तक सम्पर्क मार्ग	19.80	1.98
38	सुलतानपुर	लम्भुआ दियरा रोड से रामपुर वर्मा बस्ती में नरेन्दापुर पिच रोड तक सम्पर्क मार्ग	19.80	1.98
39	सुलतानपुर	गोपालपुर नरेन्दापुर होते हुए दियरा लम्भुआ सम्पर्क मार्ग	22.00	2.20
40	सुलतानपुर	देवरी बीरापुर सम्पर्क मार्ग	4.00	0.40
41	सुलतानपुर	समहुताकला सम्पर्क मार्ग	11.50	1.15
42	सुलतानपुर	चांदा धोपाप सम्पर्क मार्ग के किमी0 12 से लोटिया सम्पर्क मार्ग	16.50	1.65
43	सुलतानपुर	मुस्लिम बस्ती (कोथराकला) सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	3.30	0.33
44	सुलतानपुर	कसईपुर सम्पर्क मार्ग	10.60	1.06
45	सुलतानपुर	डडवा बस्ती (जमखुरी) सम्पर्क मार्ग	6.10	0.61
46	सुलतानपुर	एन0एच0-56 किमी0 163 से नरहरपुर गेट से रहतीपुर होते हुए घरवासपुर सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
47	सुलतानपुर	गुलालपुर अनु0 बस्ती तक सम्पर्क मार्ग	6.20	0.62
48	सुलतानपुर	ग्राम सेमरी (राजापुर) बूधापुर में मेन सड़क फोर लेन से गोसाई का पुरवा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	3.90	0.39
49	सुलतानपुर	कोथरा राजा उमरी तातो मुरैनी मार्ग से भौरियार सम्पर्क का कार्य।	4.40	0.44
50	सुलतानपुर	खरगीपुर सम्पर्क मार्ग	26.40	2.64
51	सुलतानपुर	फुटेला सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
52	सुलतानपुर	रसूलपुर सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
53	सुलतानपुर	गोलवा छापर सम्पर्क मार्ग	16.70	1.67
54	सुलतानपुर	शहाबुद्दीनपुर सम्पर्क मार्ग	6.60	0.66
55	सुलतानपुर	जाटूपुर अहिरौला मझुई लाला का पुरवा होकर दुहिया प्रधानमंत्री सम्पर्क मार्ग	30.80	3.08
56	सुलतानपुर	डिहवा बस्ती सम्पर्क मार्ग	29.70	2.97
57	सुलतानपुर	बलभद्रपुर सम्पर्क मार्ग	2.65	0.27
58	सुलतानपुर	सहिनवा सम्पर्क मार्ग	18.70	1.87
59	सुलतानपुर	रामलाल का पुरवा सम्पर्क मार्ग	3.30	0.33
60	सुलतानपुर	साढ़ापुर सम्पर्क मार्ग	28.20	2.82
61	सुलतानपुर	सगरा तलिया (सफीपुर) सम्पर्क मार्ग	5.50	0.55
62	सुलतानपुर	कोटवातर (सफीपुर) सम्पर्क मार्ग	4.50	0.45
63	सुलतानपुर	रामपुर किन्दीपुर मार्ग पर सरजूपुर के ट्यूबेल से चितावनपुर प्रा0स्वा0केन्द्र तक सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
64	सुलतानपुर	नरहरपुर बधूपुर पिच रोड वाया शेखनपुर सराय जुझार तक सम्पर्क मार्ग	16.50	1.65
65	सुलतानपुर	दहिया गोपाल पट्टी सम्पर्क मार्ग	6.35	0.64
66	सुलतानपुर	हिरावनपुर सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
67	सुलतानपुर	देवाढ़ सम्पर्क मार्ग	17.60	1.76
68	सुलतानपुर	भेरौरा सम्पर्क मार्ग	5.30	0.53
69	सुलतानपुर	लम्भुआ दुर्गापुर किमी0 6 से चौकिया सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
70	सुलतानपुर	कैथापुर वर्मा टोला (ठुठवा) सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
71	सुलतानपुर	शिवगढ़ नहर के पूरब चौदहवा पुल होते हुए लादी का पुरवा सम्पर्क मार्ग	19.80	1.98
72	सुलतानपुर	कामतागंज शम्भूगंज शिवगढ़ मधुपुर अ0जि0मा0 किमी0 12 से लादी का पुरवा सम्पर्क मार्ग	12.65	1.27
73	सुलतानपुर	समहुताकला पिच मार्ग से समहुताखुर्द कोईरान बस्ती सम्पर्क मार्ग	4.40	0.44
74	सुलतानपुर	अर्जुनपुर पिच रोड वाया सरस्वती शिशु मन्दिर होते हुए धनेक्षे तक सम्पर्क मार्ग	26.40	2.64
75	सुलतानपुर	बेलासदा सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
76	सुलतानपुर	जादीपुर सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
77	सुलतानपुर	मलिकपुर अम्बेडकर ग्राम सलमा स्कूल से वजूपुर सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32
78	सुलतानपुर	कुछमुछ सम्पर्क मार्ग	26.40	2.64
79	सुलतानपुर	बदल दूबे का पुरवा सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
80	सुलतानपुर	खुनका सम्पर्क मार्ग	17.60	1.76
81	सुलतानपुर	कटका मायंग मार्ग किमी0 8 से दाये रामापुर सम्पर्क मार्ग	16.50	1.65
82	सुलतानपुर	शंकरगढ़ मार्ग से धरमदासपुर प्रा0स्कूल तक सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71
83	सुलतानपुर	पहलवानपुर सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32
84	सुलतानपुर	प्रा0पा0 सेमरौना से कुर्मी का पुरवा सम्पर्क मार्ग	5.30	0.53
85	सुलतानपुर	हलियापुर बेलवाई से हनुमान मन्दिर तक सम्पर्क मार्ग	1.35	0.14
86	सुलतानपुर	देहली सम्पर्क मार्ग	4.00	0.40
87	सुलतानपुर	अतरसुमा कला सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71
88	सुलतानपुर	पूरे पतई सम्पर्क मार्ग	7.10	0.71
89	सुलतानपुर	पूरे काशी सम्पर्क मार्ग	6.20	0.62
90	सुलतानपुर	जमालपुर सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
91	सुलतानपुर	चक्कारी भीट (लोहिया) सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10
92	सुलतानपुर	पूरे ऊँचवा सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
93	सुलतानपुर	कोहरौटी यादव बस्ती (बभनपुर) सम्पर्क मार्ग	5.50	0.55
94	सुलतानपुर	एस0के0एच0 रोड से भवानी शिवपुर सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32
95	सुलतानपुर	वलईपुर (वलीपुर) सम्पर्क मार्ग	11.60	1.16
96	सुलतानपुर	कांपा दूबे का पुरवा सम्पर्क मार्ग	4.40	0.44
97	सुलतानपुर	झाऊ का पुरवा (कांपा) सम्पर्क मार्ग	19.80	1.98
98	सुलतानपुर	नरगेशवा (हलियापुर) सम्पर्क मार्ग	17.60	1.76
99	सुलतानपुर	फत्तेपुर सड़क से अनुसूचित जाति बस्ती सम्पर्क मार्ग	4.00	0.40
100	सुलतानपुर	पूरे डिहवा (सोरांव) सम्पर्क मार्ग	5.50	0.55
101	सुलतानपुर	भवानीपुर सम्पर्क मार्ग	11.90	1.19
102	सुलतानपुर	बिसांवा सम्पर्क मार्ग	14.35	1.44
103	सुलतानपुर	हरौरा बरासिन मार्ग से खुरमा सम्पर्क मार्ग	13.20	1.32
104	सुलतानपुर	इसौली सम्पर्क मार्ग	2.70	0.27
105	सुलतानपुर	हलियापुर बेलवाई मार्ग के किमी0 19 से कनेहटी सम्पर्क मार्ग	17.90	1.79
106	सुलतानपुर	हरना हरौरा सम्पर्क मार्ग	11.50	1.15
107	सुलतानपुर	लखेटा पुलिया से लखेटा गांव बहादुर शुक्ल का पुरवा होते हुए तुलसीपुर गांव तक सम्पर्क मार्ग	14.10	1.41
108	सुलतानपुर	सरैया पीरो सम्पर्क मार्ग	1.80	0.18
109	सुलतानपुर	कोटा विनायकपुर सम्पर्क मार्ग	30.80	3.08
110	सुलतानपुर	भड़रा परशुरामपुर मार्ग से पूरे राम दयाल सम्पर्क मार्ग	18.70	1.87
111	सुलतानपुर	बहुबरा से खादर बसन्तपुर मार्ग (तारा का पुरवा) सम्पर्क मार्ग	25.30	2.53
112	सुलतानपुर	सोहगौली डडंवा तिरछी सम्पर्क मार्ग	10.60	1.06
113	सुलतानपुर	अगई से मुड़वा सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
114	सुलतानपुर	धनपतगंज कुड़वार मंगापुर किमी0 8 से मेधावी छात्र आर्दश सिंह के घर तक सम्पर्क मार्ग	3.10	0.31
115	सुलतानपुर	मेघावी छात्रा पूजा मौर्या के घर तक सम्पर्क मार्ग	8.30	0.83
116	सुलतानपुर	अजियाउद देई सम्पर्क मार्ग	6.60	0.66
117	सुलतानपुर	मठारामपुर सम्पर्क मार्ग	8.80	0.88
118	सुलतानपुर	भड़रा परशुरामपुर सम्पर्क मार्ग	13.70	1.37
119	सुलतानपुर	मडहा सम्पर्क मार्ग	10.50	1.05
120	सुलतानपुर	पूरे लखपतलाल सम्पर्क मार्ग	2.20	0.22
121	सुलतानपुर	रायापुर सम्पर्क मार्ग	4.50	0.45
122	सुलतानपुर	पूरे घुप्पा पाण्डेय सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54
123	सुलतानपुर	पूरे निरहू सम्पर्क मार्ग	6.20	0.62
124	सुलतानपुर	पूरे दत्ता तिवारी सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54
125	सुलतानपुर	सुलतानपुर कुड़वार रोड से बक्शी दिक्षित सम्पर्क मार्ग	13.70	1.37
126	सुलतानपुर	पूरे शीतल दूबे (घुसियरिया) सम्पर्क मार्ग	12.70	1.27
127	सुलतानपुर	निरीक्षण भवन चांदा का पहुच मार्ग	3.00	0.30
128	सुलतानपुर	बनखोदवा (सुख बढेरी) सम्पर्क मार्ग	16.50	1.65
129	सुलतानपुर	बीही निदूरा सम्पर्क मार्ग (अम्बेडकर)	13.20	1.32
130	सुलतानपुर	पूरे सुखलाल (हेग्नाकला) सम्पर्क मार्ग	16.50	1.65
131	सुलतानपुर	सिंघनी सम्पर्क मार्ग	18.20	1.82
132	सुलतानपुर	कदनपुर (मकदूमपुर) सम्पर्क मार्ग	29.70	2.97
133	सुलतानपुर	बरसांवा (मिश्रान) सम्पर्क मार्ग	3.10	0.31
134	सुलतानपुर	सैनी बारामऊ सम्पर्क मार्ग	8.00	0.80
135	सुलतानपुर	धारूपुर रोड किमी0 1 से रामपुर सम्पर्क मार्ग	6.20	0.62
136	सुलतानपुर	सोती का पुरवा सम्पर्क मार्ग	10.20	1.02
137	सुलतानपुर	देवलपुर जगदीशपुर तारनपुर सम्पर्क मार्ग	4.40	0.44
138	सुलतानपुर	महमूदपुर बन्गीर सम्पर्क मार्ग	4.40	0.44
139	सुलतानपुर	विकास खण्ड कुड़वार ग्राम पंचायत भाटी के पूरे अल्पी मिश्र में राधेष्याम मिश्र के घर के पास से रामसेवक यादव के घर के पास तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण।	3.20	0.32
140	सुलतानपुर	पूरे जगाराम (डोमनेपुर) सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	15.40	1.54
141	सुलतानपुर	शियागंज से मियागंज से मनियारपुर सम्पर्क मार्ग	15.40	1.54
142	सुलतानपुर	बटऊ का पुरवा (देवलपुर) सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	15.40	1.54
143	सुलतानपुर	गनेशगंज (बदौलिया) सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	8.80	0.88
144	सुलतानपुर	पूरे भवानी सम्पर्क मार्ग	12.10	1.21
145	सुलतानपुर	खोखीपुर सम्पर्क मार्ग	17.60	1.76
146	सुलतानपुर	बाबू का पुरवा सम्पर्क मार्ग	7.10	7.10
147	सुलतानपुर	रायापुर से हसनपुर महराजगंज सम्पर्क मार्ग	4.50	0.45
148	सुलतानपुर	पाण्डेय का पुरवा (गौरा) सम्पर्क मार्ग	11.00	1.10

निविदा आनलाईन दिनांक 09.02.2026 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 25.02.2026 की दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा सम्बन्धी सभी शर्ते http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रविन्द्र सिंह आर्य)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–3, लो0नि0वि0
सुलतानपुर

UP-245362 दिनांक 05.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,

निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
अमेठी E-mail Id-eecdpwdcsmnagar@gmail.com

अल्पकालीन–निविदा सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

पत्रांक 217 / 14ए दिनांक 28.01.2026

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 के ''ए'' ''बी0'', ''सी0'' एवं ''डी0'' श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	लागत रू0 लाख में	धरोहर धनराशि रू0 लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	आमंत्रण
1	2	3	4	5	6	7	8
1	नि0 ख0 अमेठी	टी0–1 से टिकारी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	33.50	3.35	944.00	02 माह	प्रथम बार
2	नि0 ख0 अमेठी	विजय नगर सम्पर्क मार्ग के किमी0 05 से मजीता सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	12.00	1.20	856.00	02 माह	प्रथम बार
3	नि0 ख0 अमेठी	खैरहना के मजरे डिगई सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856.00	02 माह	प्रथम बार
4	नि0 ख0 अमेठी	मोहइया केसारिया के मजरे पूरे ब्रहमनी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.70	0.77	856.00	02 माह	प्रथम बार
5	नि0 ख0 अमेठी	सोना से रानीगंज बाजारशुकुल सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	33.50	3.35	944.00	02 माह	प्रथम बार
6	नि0 ख0 अमेठी	नवाज मदारगढ सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.70	0.77	856.00	02 माह	प्रथम बार
7	नि0 ख0 अमेठी	ठाकुरगंज से इन्दरिया सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	11.50	1.15	856.00	02 माह	प्रथम बार
8	नि0 ख0 अमेठी	पूरे रामदीन से पूरे गुजरन के बीच लघु सेतु का पहुँच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.00	0.70	797.00	02 माह	प्रथम बार
9	नि0 ख0 अमेठी	बाजारशुकुल जगदीशपुर मार्ग से रसूलपुर गावं तक सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.00	0.80	856.00	02 माह	प्रथम बार
10	नि0 ख0 अमेठी	सविनापुर ग्राम के अन्तर्गत पाण्डेय मजरे का सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	21.60	2.16	944.00	02 माह	प्रथम बार
11	नि0 ख0 अमेठी	चिलूली से पूरे सूबेदार पूरे हुल्लासगंज होते हुए समरौता कठौरा सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	12.50	1.25	856.00	02 माह	प्रथम बार
12	नि0 ख0 अमेठी	ग्राम चिलूली के मजरे पूरे दलसिंह सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.00	0.70	797.00	02 माह	प्रथम बार
13	नि0 ख0 अमेठी	शंकरगंज जमुरवा मार्ग से पूरे दानसिंह सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856.00	02 माह	प्रथम बार
14	नि0 ख0 अमेठी	ग्राम चिलूली के मजरे पूरे चन्दई सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
15	नि0 ख0 अमेठी	फैजाबाद रायबरली मार्ग से सटवा सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	1.90	0.19	679.00	02 माह	प्रथम बार
16	नि0 ख0 अमेठी	अकबरपुर फर्शी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
17	नि0 ख0 अमेठी	पूरे मातादीन सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
18	नि0 ख0 अमेठी	भिखारी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.00	0.70	797.00	02 माह	प्रथम बार
19	नि0 ख0 अमेठी	सरैया सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	6.00	0.60	767.00	02 माह	प्रथम बार
20	नि0 ख0 अमेठी	गढीलाल शाह विश्वबैंक सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	14.40	1.44	856.00	02 माह	प्रथम बार
21	नि0 ख0 अमेठी	जौनपुर कैनाल पटरी से पथरौली सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	29.00	2.90	944.00	02 माह	प्रथम बार
22	नि0 ख0 अमेठी	गोपालपुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	14.40	1.44	856.00	02 माह	प्रथम बार
23	नि0 ख0 अमेठी	लखनापुर से निरही सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	10.60	1.06	856.00	02 माह	प्रथम बार
24	नि0 ख0 अमेठी	जगदीशपुर जायस मार्ग से रिछौरा रजवाहा नहर की पटरी ग्राम लालपुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	12.00	1.20	856.00	02 माह	प्रथम बार
25	नि0 ख0 अमेठी	पण्डित का पुरवा सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	2.35	0.24	679.00	02 माह	प्रथम बार
26	नि0 ख0 अमेठी	पूरे कलन्दर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.70	0.77	856.00	02 माह	प्रथम बार
27	नि0 ख0 अमेठी	घुघईया सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856.00	02 माह	प्रथम बार
28	नि0 ख0 अमेठी	पूरे दहपेल सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	15.50	1.55	944.00	02 माह	प्रथम बार
29	नि0 ख0 अमेठी	पूरे मिश्रन सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	7.80	0.78	856.00	02 माह	प्रथम बार
30	नि0 ख0 अमेठी	रायबरेली सुलतानपुर से अंगूरी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.50	0.95	856.00	02 माह	प्रथम बार
31	नि0 ख0 अमेठी	एन0एच0–56 से पूरे गोसाई तक सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	4.80	0.48	767.00	02 माह	प्रथम बार
32	नि0 ख0 अमेठी	ग्राम चिलूली के मजरे चिलूली सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	28.80	2.88	944.00	02 माह	प्रथम बार
33	नि0 ख0 अमेठी	ग्राम मत्तेपुर से मजरे गया सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	10.60	1.06	856.00	02 माह	प्रथम बार
34	नि0 ख0 अमेठी	राजापुर रजवाहा तेतारपुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.80	0.88	856.00	02 माह	प्रथम बार
35	नि0 ख0 अमेठी	पूरे भलइया सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	1.90	0.19	679.00	02 माह	प्रथम बार
36	नि0 ख0 अमेठी	गदवा सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	5.70	0.57	767.00	02 माह	प्रथम बार
37	नि0 ख0 अमेठी	पूरे नारायनचक सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856.00	02 माह	प्रथम बार
38	नि0 ख0 अमेठी	पूरे सहवापुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
39	नि0 ख0 अमेठी	पूरे कुम्हारन सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
40	नि0 ख0 अमेठी	पूरे जहूर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	17.80	1.78	944.00	02 माह	प्रथम बार
41	नि0 ख0 अमेठी	खरुउल्लागंज सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	2.30	0.23	679.00	02 माह	प्रथम बार
42	नि0 ख0 अमेठी	पूरे हिरई सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	2.30	0.23	679.00	02 माह	प्रथम बार
43	नि0 ख0 अमेठी	पूरे भगनी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	5.20	0.52	767.00	02 माह	प्रथम बार
44	नि0 ख0 अमेठी	पटटी बक्शी सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	9.60	0.96	856.00	02 माह	प्रथम बार
45	नि0 ख0 अमेठी	मोहइया सिन्दुरिया के मजरे पूरे शुकुलन सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	6.00	0.60	797.00	02 माह	प्रथम बार
46	नि0 ख0 अमेठी	ओदारी से तेन्दुआ सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण का कार्य	11.00	1.10	856.00	02 माह	प्रथम बार

बिड डाक्यूमेंट बेवसाइट http://e-tender.up.nic.in पर दिनांक 09.02.2026 से 17.02.2026 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 17.02.2026 समय दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 17.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे के उपरान्त अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, अमेठी के कार्यालय में खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेवसाइट http://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 245342 दिनांक: 05/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(रमेश चन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0,
अमेठी

न्यूज ब्रीफ

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का शुभारम्भ

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत मधवानगर में शुक्रवार को गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का शुभारम्भ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जायसवाल एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बढ़नी सुनील अग्रहरि ने संयुक्त रूप में फीता काटकर उद्घाटन किया। अतिथियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की यह सेवा यात्रा समाज के वंचित एवं जरूरतमन्द वर्ग तक नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधायें पहुंचाने की सराहनीय पहल है। इस दौरान संच प्रमुख बब्बू गौतम, समाजसेवी महेश चौधरी, प्रधान राधेश्याम, शिव शंकर सहित तमाम आदि सम्मानित लोग उपस्थित रहें।

जेजे अधिनियम का उद्देश्य हो रहा विफल

उत्तर प्रदेश में किशोर पुनर्वास ढांचे की कमी को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम, 2015 के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक पुनर्वास ढांचे की कमी पर गहरी चिंता व्यक्त किया है। कोर्ट ने कहा कि बुनियादी संस्थागत संरचना के अभाव में अधिनियम का 'पुनर्स्थापनात्मक न्याय' संबंधी विधायी उद्देश्य व्यावहारिक रूप से निष्क्रिय हो रहा है। इससे कानून से संघर्ष कर रहे बच्चों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट की एकलपीठ ने एक नाबालिग की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से न्यायालय को बताया गया कि किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम, 2015 और संबंधित नियमों के तहत जिन संस्थाओं और व्यक्तियों, जैसे उपयुक्त व्यक्ति, उपयुक्त संस्थान, सामूहिक पालक देखभाल संस्थान, सामूहिक पालक देखभाल दाता तथा केस वर्कर की व्यवस्था होना आवश्यक है। उनकी राज्यभर में उपलब्धता के बारे में सरकार के पास कोई स्पष्ट या प्रमाणित जानकारी नहीं है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया देखा कि इस प्रकार की संस्थाओं और सुविधाओं का लगभग अभाव है, जबकि जमानत पर रिहा किशोरों के पुनर्वास एवं पुनर्एकीकरण कार्यक्रम तथा व्यक्तिगत बाल देखभाल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यही संस्थाएं आधार स्तंभ होती हैं। इनके बिना किशोरों को आवश्यक देखभाल, निगरानी और पुनर्वास उपलब्ध कराना संभव नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी प्रणालीगत कमी अधिनियम और नियमों की लाभकारी मंशा को विफल करती है और समाज के सबसे कमजोर वर्ग यानी कानून से संघर्ष कर रहे बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन करती है। पुनर्वास कार्यक्रम में शिक्षा की केंद्रीय भूमिका पर जोर देते हुए न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया विद्यालयों और शिक्षकों को क्रमशः उपयुक्त संस्थान और उपयुक्त व्यक्ति के रूप में नामित किए जाने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। कोर्ट ने अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी को राज्य सरकार की ओर से हलफनामा दाखिल कर कुछ बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया है कि उपयुक्त संस्थान/सुविधाएं, उपयुक्त व्यक्ति, सामूहिक पालक देखभाल संस्थान, सामूहिक पालक देखभाल दाता और केस वर्कर के चयन एवं मान्यता के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।

छात्र के चरित्र पर स्थायी दाग लगाने वाली शर्तें अस्वीकार्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, गौतमबुद्ध नगर के एक निष्कासित छात्र को परिसर के गेट पर तख्ती लेकर खड़े रहने का निर्देश देने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश के एक हिस्से को रद्द कर दिया। एकल बेंच ने छात्र को 30 दिनों तक प्रतिदिन 30 मिनट यह लिखी तख्ती लेकर खड़े रहने को कहा गया था कि वह "कभी किसी लड़की के साथ दुर्व्यवहार नहीं करेगा।" मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने इस शर्त को अनुचित और अपमानजनक बताते हुए कहा कि इस प्रकार की सजा छात्र के चरित्र पर स्थायी दाग छोड़ सकती है। मामला छात्र द्वारा दाखिल विशेष अपील से संबंधित था, जिसमें अक्टूबर में पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी। एकल न्यायाधीश ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए, छात्र के गरीब किसान पिता की स्थिति को देखते हुए निष्कासन रद्द कर दिया था, किंतु कुछ शर्तें लगाई थीं। इनमें 95 प्रतिशत उपस्थिति का नोटरीकृत हलफनामा, कक्षा समय में परिसर न छोड़ने का वचन, 72 घंटे के भीतर लिखित माफीनामा दाखिल करना तथा विवादित प्लेकार्ड शर्त शामिल थी, साथ ही विश्वविद्यालय गेट पर 'एंटी-रोमियो मोबाइल स्क्वाड' तैनात करने का निर्देश भी दिया गया था। छात्र की ओर से दलील दी गई कि प्लेकार्ड शर्त अपमानजनक है और इससे उसके भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

वरिष्ठता विवाद पर दो माह में निर्णय लेने के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- यूपी पुलिस भर्ती 2015 का मामला

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती 2015 बैच के 172 सिपाहियों के वरिष्ठता विवाद पर अपर पुलिस महानिदेशक (कार्मिक), लखनऊ को निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि दो माह के भीतर रिकार्ड में संशोधन कर सिपाहियों की वास्तविक नियुक्ति तिथि दर्ज की जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण उनकी वरिष्ठता निर्धारण में 26 दिन की कटौती की गई है जो सेवा नियमावली के विपरीत है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार ने विवेक कुमार त्रिपाठी व 71 अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

गौरतलब है कि गोरखपुर जिले में याची सिपाहियों ने दो दिसंबर 2015 को जेटीसी के लिए पुलिस लाइन में आमद दर्ज कराई थी, जबकि विभाग ने रिकॉर्ड में उनकी नियुक्ति तिथि 28 दिसंबर 2015 दर्ज कर दी गई। मात्र 26 दिन के अंतर के कारण याची सिपाही अपने ही बैच के अन्य कर्मियों से जूनियर हो गए थे, जिससे उनकी पदोन्नति के लिए दिक्कतें उत्पन्न हो गया। सिपाहियों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि आमद के समय मेस के अग्रिम शुल्क के रूप में 3000 रुपए जमा किए गए थे। कोर्ट ने कहा कि जब जवान पुलिस लाइन में मौजूद थे और मेस की रसीद कट रही थी, तो रिकॉर्ड में देरी से जॉइनिंग दिखाना गलत है। मामले पर विचार करते हुए यह भी तथ्य सामने आए हैं कि गोरखपुर के पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) ने अप्रैल 2023 में ही अपनी जांच रिपोर्ट में विभाग की गलती स्वीकार कर ली थी इसके बावजूद पुलिस मुख्यालय ने रिकॉर्ड में सुधार नहीं किया।

विरजीत कौर ने जीता कांस्य पदक

गोरखपुर, अमृत विचार। गाजियाबाद में 05 से 07 फरवरी तक आयोजित सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2025-26 में विरजीत कौर ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। विरजीत कौर की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/ पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/ पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

मेडल दिखाती विरजीत कौर। अमृत विचार

रेल मंत्री ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली, अमृत विचार। श्रीनगर-बारामूला खंड की रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिये, सोपोर से कुपवारा (34 किमी.) तक की नई लाइन के सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई थी और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) तैयार की गई थी। हालांकि, परियोजना को अव्यवहार्य पाये जाने के कारण रद्द कर दिया गया है। रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिये, सीमावर्ती क्षेत्र में काज़ीगुंड-श्रीनगर-बडगाम दोहरीकरण (118 किमी.) एवं बारामूला से उरी तक नई लाइन (40 किमी.) परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) भी तैयार की गई है। डी.पी.आर. तैयार होने के बाद, परियोजना की मंजूरी के लिये राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन की आवश्यकता होती है। यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी।

टीसीसी सनई को हराकर बेलाल टूर परसा ने जीता ख़िताब

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। लुम्बिनी (नेपाल) में आयोजित इंडो-नेपाल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गुरुवार को पडरिया मैदान में टीसीसी सनई और बेलाल टूर परसा के बीच खेला गया। रोमांचक फाइनल में बेलाल टूर परसा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीसीसी सनई को 100 रनों से पराजित कर ख़िताब अपने नाम किया।

टॉस जीतकर टीसीसी सनई ने पहले गेंदबाज़ी का फ़ैसला किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बेलाल टूर परसा की टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 162 रन बनाए। टीम की ओर से अल्तमश ने मात्र 25 गेंदों पर ताबड़तोड़ 88 रनों की शानदार पारी खेली। गेंदबाज़ी में टीसीसी सनई की ओर से सलमान मिर्जा ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीसीसी सनई की टीम बेलाल टूर परसा के घातक गेंदबाज़ों के सामने टिक नहीं सकी और मात्र 62 रनों पर सिमट गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अल्तमश को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता बेलाल टूर परसा को तीन लाख नेपाली रुपये, जबकि उपविजेता टीसीसी सनई को एक लाख पचास हज़ार नेपाली रुपये का पुरस्कार नेपाल के खेलकूद मंत्री संतोष कुमार पांडेय द्वारा प्रदान किया गया।

डीएम ने कस्तूरबा विद्यालय का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उसका बाजार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कम्प्यूटर लैब व अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण कार्य देखा। निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पाये जाने पर अवर अभियन्ता को निर्माण कार्य में तेजी लाकर निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। विद्यालय में कुछ बच्चे निर्धारित ड्रेस में नहीं थे, बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति निर्धारित ड्रेस में सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध करायें। विद्यालय में नये कम्प्यूटर लगे है जो चालू नहीं कराये गये थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सनत कुमार जैन पुत्र स्व. श्री बाल चन्द्र जैन, श्रीमती मालती रानी पत्नी श्री सनत कुमार जैन, श्री महावीर जैन पुत्र श्री सनत कुमार जैन एवं श्रीमती प्रीति जैन पत्नी श्री महावीर जैन, जो कि निवासी है घर नं. C-1558, इंदिरा नगर, जिला लखनऊ के निवासी हैं। इनकी बिक्री विलेख संख्या असल नं. 11811, दिनांक 10/10/1985 की है, जो कि खो गई है। ऊपर दी गई उक्त संपत्ति को श्री सनत कुमार जैन पुत्र स्व. श्री बाल चन्द्र जैन, श्रीमती मालती रानी पत्नी श्री सनत कुमार जैन, श्री महावीर जैन पुत्र श्री सनत कुमार जैन एवं श्रीमती प्रीति जैन पत्नी श्री महावीर जैन (बंधककर्ता) बंधक कर HDFC BANK से ऋण प्राप्त कर रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या अन्य किसी को उपरोक्त भवन के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। उपरोक्त समय अवधि के बाद किसी भी प्रकार का कोई दावा विचार योग्य नहीं माना जाएगा। आपत्ति हेतु संपर्क करें। **विजय टावर में चौथी मंजिल पर आफिस स्पेस नंबर 6, जो अवध बस स्टैंड, फैजाबाद रोड, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010**

आवश्यकता

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, लखनऊ में वित्तीय साक्षरता सलाहकार एवं चौकीदार/माली पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी।, आवेदन तिथि- 06/02/2025, अंतिम तिथि: 22/02/2026, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, आयु: अधिकतम 64 वर्ष योग्यता: ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट, बैंकिंग/वित्त व कंप्यूटर ज्ञान, वेतन: 25,000 + भत्ता, चौकीदार/माली, आयु- 20-40 वर्ष, योग्यता- सातवीं पास, कृषि/बागवानी ज्ञान, वेतनरू 12,000 + भत्ता, **पता: बी-59, साउथ सिटी, रायबरेली रोड, लखनऊ- 226025, फोन- 0522-2440152, मोबाइल -7565008626**

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं0 NER-LJN-2026-24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है- **ई निविदा संख्या:-** NER-LJN-2026-24, **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ द्वितीय के अनुभाग विभिन्न ट्रैक कार्य से सम्बन्धित 52 kg/90 UTS, 60 kg/90 UTS, 60kg/R260 रेलों के वेल्डिंग एवं पोर्शन के आपूर्ति का कार्य।, **अनुमानित लागत:-** 12985999.74, **अग्रिम धन (रु):-** 214900.00, **समापन अवधि:-** 09 माह, **1.** उपरोक्त ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2026-24** के लिये ई-निविदा दिनांक **26.02.2026** को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी।, **2.** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)

मुजाधि/डब्लू-451 **लखनऊ**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

मेरठ में बनेंगे नए रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली, अमृत विचार। मेरठ इतिहास में एक ऐसा स्थान रखता है, जो हमारे पहले स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है। और जिस तरह का मेरठ का इतिहास है, उसके हिसाब से स्टेशन बने हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सभा में कहा कि उन्होंने सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी से व्यक्तिगत अनुरोध किया था कि वो मेरठ के सभी वरिष्ठ नागरिकों के साथ बैठिए और क्या हम मेरठ के स्वतंत्रता आंदोलन की झलक स्टेशन में दे सकते हैं। उन्होंने सांसद को धन्यवाद कहा कि आपने बहुत पहल ली, आपने एक नया डिज़ाइन दिया है। उस नए डिज़ाइन के हिसाब से अभी काम चल रहा है।

मुडिला बुजुर्ग व रमवापुर तिवारी गांव में लगाया गया ग्राम चौपाल कार्यक्रम

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड शोहरतगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुडिला बुजुर्ग एवं रमवापुर तिवारी में गांव की समस्या गांव में समाधान करने की मंशा को लेकर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुडिला बुजुर्ग में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम सिंह तो वहीं रमवापुर तिवारी में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम स्वरुप गुप्ता ने किया। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/ जी राम जी (विकसित भारत-गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारियों समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106-सिग/टेंडर/62/2025-26
कार्य का नाम	नॉर्दर्न रेलवे के LKO डिवीजन में पुलों पर पड़े खराब सिग्नलिंग केबल को बदलना और सिग्नलिंग केबल की सुरक्षा करना।
अनुमानित लागत	रू 14754587.47/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रू 223800.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	240 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	26/02/2026 at 15:30 hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू०सं०-106-सिग/टेन्डर/62/2025-26 दिनांक: 05.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 419/26

चारा काटने गई किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

संवाददाता, संतकबीरनगर

- मां की तहरीर पर दो आरोपियों पर गैंगरेप व पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

अमृत विचार। महुली थाना क्षेत्र में खेत में चारा काटने गई किशोरी के साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मां उसे लेकर थाने पहुंची और पुलिस को तहरीर सौंपी।

क्षेत्र के एक गांव निवासी 15 वर्षीय किशोरी 5 फरवरी की शाम गांव के सीवान में खेत में चारा काटने गई थी। उसी दौरान गांव के रहने वाले दो युवक वहां पहुंच गए और किशोरी का मुंह दबाकर उसकी बेटी से दुष्कर्म किया। पीड़ित किशोरी घर पहुंच कर परिजनों को मामले की जानकारी दी। शुक्रवार की शाम को पीड़ित बेटी को लेकर मां महुली थाने पहुंची और घटना के संबंध में गांव दोनों आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। इस संबंध में सीओ धनघटा अभयनाथ मिश्रा ने बताया कि दोनों आरोपियों पर गैंगरेप और पॉक्सों एक्ट का केस दर्ज कर लिया गया है। नामजद दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें लगा दी गई है। पीड़ित किशोरी का नियमानुसार बयान धारा 180 बीएनएसएस व मेडिकल परीक्षण महिला पुलिस कर्मी के जरिए कराया जा रहा है। जल्द ही दोनों आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

शादी का झांसा देकर गोरखपुर की युवती का किया शारीरिक शोषण, आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। गोरखपुर निवासी युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। वहीं, देर-शाम आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि संतकबीरनगर के कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र निवासी युवक ने प्रेमजाल में फंसाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और इस दौरान बनाए गए वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वर्षों तक उसका शोषण करता रहा। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी युवक से उसके पारिवारिक और व्यवहारिक संबंध लगभग 14 वर्ष पूर्व से थे। इसी दौरान आरोपी ने शादी का झूठा आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाए और चोरी-छिपे वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अलग-अलग स्थानों पर बुलाकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। आरोप है कि वर्ष 2016 में आरोपी ने दूसरी युवती से शादी कर ली। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे फुसलाकर चुप करा दिया और फर्जी तलाक संबंधी कागजात दिखाकर यह भरोसा दिलाया कि वह उससे दोबारा शादी करेगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सुलतानपुर

पत्रांक: 871/न0पा0परि0सुल0/2025-26 दिनांक: 5 फरवरी, 2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ठेकेदारों / फर्मो से दिनांक-20/02/26 को सायं 3: 00 बजे तक सील बन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन ठेकेदारों की उपस्थिति में 3.30 बजे नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के सभाकक्ष में खोली जायेगी। किन्तु निविदादाताओं की अनुपस्थिति की स्थिति में निविदा खोले जाने का कार्य बाधित नहीं होगा। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य का भुगतान कर नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के निर्माण विभाग कार्यालय में दिनांक 19.02.2026 प्राप्त किये जा सकते है। निविदा के साथ धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/ डी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के पक्ष में बन्धक हो, जमा करना अनिवार्य होगा। बिना धरोहर धनराशि के किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा प्रपत्र साफ-साफ शब्दों एवं अंको में कार्य की कुल लागत पर प्रतिशत दर ठेकेदार के स्वयं के हस्ताक्षर सहित अंकित किया हुआ ही मान्य होगा। कार्य प्रत्येक दशा में निर्धारित अवधि में पूर्ण करना होगा, अन्यथा बिना नोटिस दिये जमानत धनराशि जब्त करते हुए ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। बिना कारण बताएं आंशिक अथवा समस्त निविदाएं निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। कार्य के सम्बन्ध में अन्य जानकारियों किसी भी कार्यालय दिवस में पालिका के निर्माण विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	आगणन धनराशि	आगणन धनराशि (लाख में) जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि	टेण्डर प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने का समय
1	वार्ड करौंदिया में विनोद चौहान के घर से माया देवी के मकान तक नाला निर्माण कार्य।	4,51,534.00	5,32,810.00	45,153.00	500+90	02 माह
2	पेयजल व्यवस्था हेतु पं0 रामनरेश त्रिपाठी सभागार परिसर में पम्प हाउस का निर्माण कार्य।	4,62,598.00	5,45,866.00	46,260.00	500+90	02 माह
3	पेयजल व्यवस्था हेतु निरालानगर चादमारी पार्क परिसर में पम्प हाउस का निर्माण कार्य।	4,62,598.00	5,45,866.00	46,260.00	500+90	02 माह
4	पेयजल व्यवस्था हेतु घरहों में पम्प हाउस का निर्माण कार्य।	4,62,598.00	5,45,866.00	46,260.00	500+90	02 माह
5	पेयजल व्यवस्था हेतु नगर पालिका गेट के बगल पम्प हाउस का निर्माण कार्य।	6,43,467.00	7,59,287.00	64,346.00	600+108	02 माह

(लाल चन्द्र सरोज) अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद सुलतानपुर

(प्रवीन कुमार अग्रवाल) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सुलतानपुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांक:- 306/1ए दिनांक - 31/01/2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओ से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है।

क्0 सं0	जनपद/ खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	पात्र ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
		विधानसभा मनकापुर के अन्तर्गत सामान्य मरम्त के साथ नवीनीकरण का कार्य					
1	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	निरीक्षण भवन मनकापुर	2.26	0.23	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
2	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	ग्राम पंचायत नरायनपुर ग्रन्ट मे अरौतिया खास सम्पर्क मार्ग	3.55	0.36	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
3	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	अमघटी सम्पर्क मार्ग	7.13	0.71	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
4	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	बरवारनपुरवा सम्पर्क मार्ग	10.09	1.01	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
5	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	चौबेपुर उपाध्यायपुर सम्पर्क मार्ग	18.99	1.90	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
6	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	दतौली उपाध्यायपुर सम्पर्क मार्ग	18.99	1.90	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
7	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	दिबियापुर सम्पर्क मार्ग	14.24	1.42	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
8	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	कलेनिया सम्पर्क मार्ग	10.93	1.09	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
9	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	हरनाटायर सम्पर्क मार्ग	9.49	0.95	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
10	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	महेवा गोपाल सम्पर्क मार्ग	14.24	1.42	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
11	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	हतवा सम्पर्क मार्ग	11.87	1.19	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
12	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	बन्जरिया सम्पर्क मार्ग	8.90	0.89	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
13	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	मरौतिया बड़ी सम्पर्क मार्ग	23.74	2.37	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
14	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	विश्राम कोरीपुरवा सम्पर्क मार्ग	4.75	0.48	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
15	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	अमीनपुरवा सम्पर्क मार्ग	2.85	0.29	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
16	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	महादेव धोबीपुरवा सम्पर्क मार्ग	0.95	0.10	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
17	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	भोला मुरावनपुरवा सम्पर्क मार्ग	0.95	0.10	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
18	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	रामलाल मौर्यापुरवा सम्पर्क मार्ग	0.48	0.05	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
19	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	गंगाराम कुर्मीपुरवा सम्पर्क मार्ग	3.33	0.33	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
20	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	तारपुरवा सम्पर्क मार्ग	0.95	0.10	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
21	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	मिर्जापुर परसन का शेषभाग सम्पर्क मार्ग	7.60	0.76	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
22	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	भरहू से भट्टा सम्पर्क मार्ग	3.80	0.38	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
23	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	जगदेव खटिकपुरवा सम्पर्क मार्ग	2.38	0.24	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
24	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	हरनाटायर मार्ग से इमिलिया प्रधानमंत्री मार्ग तक सम्पर्क मार्ग	3.80	0.38	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
25	गोण्डा/ प्रान्तीय खण्ड	बुझारतपुरवा सम्पर्क मार्ग	4.75	0.48	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट- http://etender.up.nic.in पर दिनांक 09.02.2026 से 17.02.2026 तक सांय 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 17.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 17.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 17.02.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

UP - 245337 दिनांक: 05/02/2026

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(पी0के0त्रिपाठी) अधिशासी अभियन्ता प्रा0खं0, लो0नि0वि0, गोण्डा

न्यूज ब्रीफ

शबरिमला सोना चोरी केस में जयराम तलब

कोच्चि। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला सोना चोरी से जुड़ी धन शोधन जांच मामले में अभिनेता जयराम को पूछताछ के लिए बुलाया है। केंद्रीय एजेंसी इस मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को भी समन भेजने की तैयारी कर रही है। पोट्टी हाल ही में इसी मामले में कोल्लम अदालत से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए हैं। केरल पुलिस का विशेष जांच दल भी शबरिमला मामले की जांच कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शबरिमला मामले में अभिनेता जयराम को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। माना जा रहा है कि वह अगले कुछ दिनों में एजेंसी के सामने पेश होंगे।

समुद्र से बेहोश मछुआरे को बाहर निकाला

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने समुद्र में एक जीवन रक्षक अभियान चलाते हुए बेहोश अवस्था में फंसे एक मछुआरे को सुरक्षित बचा लिया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार रात कहा कि समुद्र में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने गंभीर प्रयास के तहत, भारतीय तटरक्षक के चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय (पूर्व) के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) के संचालकों ने एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नौका से 45 वर्षीय मछुआरे को सुरक्षित बाहर निकाला।

महिला रिपोर्टर से मारपीट में कांस्टेबल गिरफ्तार

केंद्रपाड़ा। ओडिशा में केंद्रपाड़ा तांतियापाला मरीन थाना में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल को एक महिला रिपोर्टर के साथ मारपीट और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मार्शघाई थाना क्षेत्र में रहने वाली 23 वर्षीय महिला ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई कि कांस्टेबल स्मृति रंजन खुंटिया ने एक फरवरी को उसके साथ मारपीट की और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की। उसने उसे शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

रांची सिविल कोर्ट को ईमेल से बम की धमकी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित सिविल कोर्ट को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हो गईं और कोर्ट परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए झारखंड जगुआर का बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और पूरे कोर्ट परिसर में सघन तलाशी ली गई।

गर्भ रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, नाबालिग को 30 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एक नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला और विशेष रूप से एक नाबालिग लड़की को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जोर देकर कहा कि गर्भवती लड़की को बच्चे को जन्म देने या नहीं देने के उसके अधिकार को उचित महत्व दिया जाना चाहिए, खासकर तब जब उसका बच्चे को जन्म देने का मन न हो और ऐसी इच्छा उसने साफ साफ शब्दों में बार बार जाहिर भी की हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुद्दा यह था कि क्या एक नाबालिग को ऐसी गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जा सकता है जो उसकी मर्जी के बिना है। न्यायालय ने माना कि यह मामला इस पर निर्भर नहीं करता कि गर्भधारण सहमति से बने संबंधों के कारण हुआ था या दुष्कर्म से। वास्तव में फैसला इस बात से तय होगा कि नाबालिग की वह स्पष्ट इच्छा क्या है और उसका मन यही है कि वह बच्चे को जन्म न दे।

हालांकि सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि एक बच्चे का जन्म अंततः एक जिंदगी को दुनिया में लाना है, लेकिन इस मामले में नाबालिग की स्पष्ट अनिच्छा सबसे महत्वपूर्ण कारक है। दोनों न्यायमूर्ति की पीठ ने मुंबई के जेजे अस्पताल को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपायों का पालन करते हुए नाबालिग लड़की के गर्भावस्था के चिकित्सकीय समापन की प्रक्रिया शुरू करें।

24 सप्ताह की कानूनी सीमा पर लड़की की इच्छा को वरीयता

यह फैसला भारत में गर्भपात कानून के तहत प्रजनन अधिकारों की व्याख्या में मील का पत्थर माना जा रहा है। क्योंकि 24 सप्ताह की कानूनी सीमा के बाद भी अदालत ने लड़की की इच्छा को प्राथमिकता दी है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार गर्भपात की समय सीमा को विभिन्न श्रेणियों में निर्धारित किया गया है। सामान्य परिस्थितियों में डॉक्टर की सलाह से 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति है, विशेष श्रेणी जैसे दुष्कर्म का शिकार बनी लड़कियां, नाबालिग, विधवाओं, दिव्यांगों या गंभीर बीमार महिलाओं के लिए यह सीमा 24 सप्ताह की है। इसके लिए दो डॉक्टरों की इजाजत अनिवार्य है। यदि गर्भस्थ शिशु को गंभीर बीमारी है तो राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड की अनुमति से 24 सप्ताह बाद भी गर्भपात कराया जा सकता है। अगर गर्भवती महिला के जीवन को तत्काल कोई गंभीर खतरा हो तो कोई कानूनी समय सीमा नहीं लागू होती।

> नाबालिग बच्चे की तो बात ही छोड़िए, अदालत किसी भी महिला को अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, अगर उसका ऐसा करने का इरादा ही नहीं हो।
> – सुप्रीम कोर्ट

किसी व्यक्ति को सिर्फ पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को महज पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस अधिकारी की ओर से की जाने वाली गिरफ्तारी केवल एक वैधानिक विवेकाधिकार है, जिसे अनिवार्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने कहा कि बीएनएसएस, 2023 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तारी की शक्ति की व्याख्या एक सख्त वस्तुनिष्ठ आवश्यकता के रूप में की जानी चाहिए, न कि पुलिस अधिकारी की सुविधा के रूप में। इसका अर्थ यह है कि पुलिस अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि सात वर्ष तक की कारावास की सजा वाले अपराध के संबंध में जांच संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिए बिना प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ सकती। इसके विपरीत कोई भी व्याख्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(1)(ख) और धारा 35(3) से 35(6) के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से विफल कर देगी। पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

जनता के नकारने पर कोर्ट चले आते हैं सियासी दल... जनसुराज की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा चुनाव निरस्त किए जाने संबंधी पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की याचिका पर शुक्रवार को खारिज कर दी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने को कहा। पीठ ने चुनाव हारने के बाद लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करने की कोशिश को लेकर नाराजगी भी जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवालिया लहजे में कहा, आपको कितने वोट मिले, उन्होंने कहा– जब लोग आपको नकार देते हैं तो आप राहत के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं। किसी को तो उसी समय योजना को चुनौती देनी चाहिए थी। आप तो पूरे राज्य के चुनाव को अमान्य घोषित करने के लिए निर्देश चाहते हैं। पीठ ने कहा कि चूंकि यह मामला सिर्फ एक राज्य से संबंधित है, इसलिए कृपया उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं।

अदालत ने कहा-मुफ्त योजनाओं का मुद्दा गंभीर, इसकी पड़ताल करेंगे

न्यायालय ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं का गंभीर मुद्दा है, जिसकी वह गंभीरता से पड़ताल करेगा। दरअसल जन सुराज पार्टी ने याचिका में बिहार चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला दिया था। कहा गया था कि कर्ज में डूबी राज्य सरकार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर चुनाव से ठीक पहले 15,600 करोड़ रुपये बांट दिए, जिससे अन्य दलों को समान अवसर नहीं मिल पाया। वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि जिस योजना के तहत भुगतान किया गया था, उसकी घोषणा चुनाव से ठीक पहले की गई थी और भुगतान तब किया गया जब चुनाव आचार संहिता लागू थी।

कामरा ने सहयोग पोर्टल के खिलाफ दायर की याचिका

मुंबई, एजेंसी

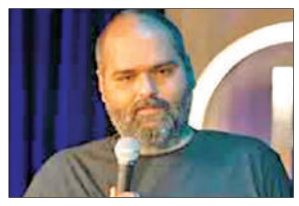

• कॉमेडियन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने सरकार के सहयोग पोर्टल के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय का रुख कर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक और अनुचित हमला बताया है, क्योंकि यह अधिकारियों को सोशल मीडिया सामग्री हटाने की अनुमति देता है। कॉमेडियन ने बुधवार को दायर अपनी याचिका में मुख्य रूप से आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) नियमों और सहयोग पोर्टल को चुनौती दी है। आईटी नियमों में अक्टूबर 2025 में संशोधन किया गया था।

उन्होंने दावा किया था कि पोर्टल केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किए बिना मनमाने ढंग से (सामग्री) हटाने या अवरुद्ध करने के आदेश जारी करने का गैरकानूनी रूप से अधिकार देता है। सरकार के अनुसार सहयोग को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत उपयुक्त सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा मध्यस्थों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया था, ताकि किसी भी गैरकानूनी कार्य को करने के लिए उपयोग की जा रही जानकारी, डेटा या संचार लिंक तक पहुंच को रोकने की सुविधा हो। पोर्टल का उद्देश्य सभी अधिकृत एजेंसियों और मध्यस्थों को एक मंच पर लाना है, ताकि गैरकानूनी ऑनलाइन सूचनाओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अधिवक्ता मीनाज काकलिया के मार्फत दायर याचिका के अनुसार, आईटी नियमों के तहत नियम 3(1)(डी) और सहयोग पोर्टल भी प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं, क्योंकि वे पूरी तरह से अस्पष्ट आधार पर इंटरनेट प्लेटफार्म पर सूचना को अवरुद्ध करने या उन्हें हटाने का अधिकार देते हैं। याचिका में इस बात पर जोर दिया गया कि ऐसी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक और अनुचित प्रतिबंध के समान हैं। याचिका में कहा गया है कि ये नये तंत्र इंटरनेट पर मौजूद सभी सूचनाओं को मनमाने ढंग से हटाए जाने के लिए असुरक्षित बना देते हैं और ऐसी किसी भी कार्रवाई के खिलाफ कोई उपाय उपलब्ध नहीं कराते हैं। कामरा ने दावा किया कि इससे केंद्र और राज्य सरकारों के हजारों अधिकारियों को अनियंत्रित शक्ति मिल जाती है। याचिका पर आगामी दिनों में सुनवाई होने की संभावना है।

यूपीएससी ने परीक्षा केंद्र आवंटन की व्यवस्था में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

• मानक दिव्यांगता वाले अभ्यर्थियों को दी सुविधा

मानक दिव्यांगता वाले अभ्यर्थियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किए गए एक महत्वपूर्ण सुधार के तहत, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपने परीक्षा केंद्र आवंटन ढांचे में व्यापक बदलाव किया है। आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा-2026 और भारतीय वन सेवा परीक्षा 2026 के लिए तकनीकी हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला शुरू की है, जिसका मुख्य उद्देश्य उम्मीदवारों की सुगम्यता बढ़ाना और परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करना है।

संशोधित व्यवस्था के तहत, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए परीक्षा केंद्रों की सीट संख्या की कोई सीमा नहीं होगी। प्रारंभ में, प्रत्येक केंद्र की मौजूदा क्षमता का उपयोग दिव्यांग और गैर-दिव्यांग दोनों अभ्यर्थियों द्वारा किया जाएगा। यूपीएससी के एक बयान के अनुसार हालांकि, एक बार किसी केंद्र की पूरी क्षमता के अनुसार अभ्यर्थी आवंटित हो जाने के बाद, वह केंद्र गैर-दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा, जबकि दिव्यांग अभ्यर्थी उक्त केंद्र का चयन कर सकेंगे। बयान में कहा गया है कि जहां भी आवश्यकता होगी, अभ्यर्थियों के बैठने के लिए अतिरिक्त सीट की व्यवस्था की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी दिव्यांग उम्मीदवार को उनके पसंदीदा परीक्षा केंद्र से वंचित न किया जाए। यूपीएससी के अध्यक्ष अजय कुमार ने इस कदम के औचित्य के बारे में कहा कि पिछले पांच वर्षों के परीक्षा केंद्र के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ केंद्र आवेदनों की उच्च संख्या के कारण बहुत ही शुरुआती चरण में अपनी क्षमता तक पहुंच जाते हैं, जिससे दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए कठिनाइयां पैदा होती हैं। संशोधित व्यवस्था के साथ, प्रत्येक दिव्यांग अभ्यर्थी को उनका पसंदीदा परीक्षा केंद्र सुनिश्चित हो सकेगा।

देहरादून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे। वहां उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इसके बाद परिवार के बच्चों के साथ समय बिताया और बच्चों को चाकलेट दी।

गढ़चिरौली में शीर्ष नक्सली प्रभाकर समेत सात माओवादी मारे गए

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र), एजेंसी

• मुठभेड़ में घायल एक जवान ने अस्पताल में दम तोड़ा
• मौके से एके 47 और सेल्फ लोडिंग राइफल बरामद

पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली प्रभाकर समेत सात माओवादी मारे गए जबकि पहली मुठभेड़ के दौरान घायल हुए एक जवान ने दम तोड़ दिया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ये अभियान तीन दिन से जारी था।

अधिकारियों ने बताया कि प्रभाकर उर्फ लोकेती चंद्र राव तेलंगाना के कामारेड्डी का रहने वाला था और उस पर 25 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि भागमरागड के एसडीपीओ के नेतृत्व में गढ़चिरौली पुलिस की एक विशेष नक्सल-रोधी टीम सी-60 की 14 इकाइयों को शामिल करते हुए यह अभियान मंगलवार को गढ़चिरौली-नारायणपुर (छत्तीसगढ़) सीमा पर फोडेवाड़ा गांव के पास माओवादियों की कंपनी नंबर 10 के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद शुरू किया गया। मारे गए नक्सलियों में चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि तीन एके-47 राइफल और एक सेल्फ-लोडिंग राइफल बरामद की गई।

एक करोड़ के इनामी दंपती, 17 अन्य ने किया सरेंडर

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक माओवादी दंपती और 17 अन्य नक्सलियों ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंपती में से प्रत्येक पर 55 .10 लाख रुपये का इनाम था। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दावा किया कि 31 मार्च तक राज्य नक्सल मुक्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज, ओडिशा ने वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने और नक्सल–मुक्त भारत बनाने के राष्ट्रीय मिशन में एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीजीपी वाई बी खुरानिया ने बताया कि यह दंपती भाकपा (माओवादी) के प्रदेश समिति सदस्य निरंजन राउत उर्फ निखिल और उसकी पत्नी रश्मिरा लेंका उर्फ इंदू हैं।

लोस में गतिरोध बरकरार हंगामे के बीच कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के सांसदों ने प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली, एजेंसी

• विपक्ष ने लगाए 'जो उचित समझो, वो करो' के नारे

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर शुक्रवार को भी गतिरोध बरकरार रहा और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन में सोमवार से गतिरोध बना हुआ है और कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देते हुए चीन से टकराव का मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं मिलने, विपक्ष के आठ सदस्यों को आसन की अवमानना के मामले में निलंबित करने समेत कई मुद्दों पर हंगामा कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री के जवाब के बिना पारित कर दिया गया था। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को जब एक बार के स्थगन के बाद शुरू हुई तो स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। विपक्षी सदस्यों ने आसन के समीप 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'जो उचित समझो, वो करो' (नरवड़े के संस्मरण का एक वाक्य) के नारे लगाए।

विपक्षी सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने अमेरिका के साथ देश के व्यापार समझौते, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विवाद और लोकसभा से आठ सदस्यों के निलंबन को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसद संसद के मकर द्वार के निकट एकत्र हुए और तानाशाही नहीं चलेगी और लोकतंत्र की हत्या बंद करो जैसे नारे लगाए। राहुल गांधी ने नरवणे के संस्मरण में उद्धत एक अंश का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर परोक्ष कटाक्ष किया, जो उचित समझो, वो करो।

आरजी कर अस्पताल मामले में ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के एक मामले के संबंध में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में यहां एक विशेष अदालत के समक्ष शुक्रवार को आरोप-पत्र दाखिल किया। मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और तीन अन्य लोगों को संघीय जांच एजेंसी ने आरोपी बनाया है। वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किउ जाने के बाद घोष फिलहाल जेल में हैं। ईडी ने कहा कि उसकी जांच में पाया गया है कि आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के खातों से ठेकेदारों के खातों में जमा की गई पर्याप्त रकम का ठेकेदारों के साथ मिलीभगत करके व्यवस्थित रूप से गबन कर लिया गया, या तो उनके करीबी सहयोगियों को जारी किए गए चेक के माध्यम से निकासी करके या सहयोगी फर्म को हस्तांतरण करके और फिर नकदी के रूप में निकाल लिया गया। एजेंसी ने आरोप लगाया कि अपराध से प्राप्त धन को अन्य निधियों के साथ मिला दिया गया।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव गिरफ्तार

पटना, एजेंसी

पप्पू यादव की गिरफ्तारी के लिए शुक्रवार शाम उनके आवास पर पहुंची पुलिस।

• 35 साल पुराने मामले में पटना आवास से की गई गिरफ्तारी

पटना पुलिस ने 35 साल पुराने एक मामले में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद यादव को चिकित्सीय जांच के लिए इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) ले जाया गया।

उनकी गिरफ्तारी पटना स्थित आवास से हुई। शहर के मन्दिरी इलाके में पूर्णिया से सांसद यादव के आवास पर उस समय नाटकीय स्थिति पैदा हो गई जब उन्होंने पुलिस टीम से 'वापस जाने' को कहा और आश्वासन दिया कि वह शनिवार को अदालत में पेश होंगे। सूत्रों ने बताया लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यादव ने गिरफ्तारी से पहले कहा कि मैं संसद सत्र में भाग लेकर लौटा हूं। मुझे अदालत के समन की जानकारी है और मैं कल पेश होऊंगा। लेकिन कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में आए हैं और वे दुर्व्यवहार कर रहे हैं। यादव ने दावा किया कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह राज्य सरकार की आलोचना कर रहे हैं, खासकर हाल में एक नीट अभ्यर्थी की मौत के मामले को लेकर, जिसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई है। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने कहा था कि सांसद/विधायक अदालत ने 1995 के एक मामले में यादव के पेश नहीं होने पर वारंट जारी किया था। इसलिए हमने एक टीम भेजी थी ताकि उन्हें अदालत में पेश किया जा सके।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का शुक्रवार को सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रक्षेपण के दौरान सभी संचालन एवं तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

दल बदल मामला: तीन सप्ताह में फैसला करें तेलंगाना विस अध्यक्ष

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अंतिम चेतावनी देते हुए निर्देश दिया है कि वे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने संबंधी शेष अयोग्यता याचिकाओं पर तीन सप्ताह के भीतर सकारात्मक रूप से निर्णय लें वर्ना उनके विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ शुक्रवार को 31 जुलाई 2025 के अपने उस आदेश के अनुपालन की समीक्षा कर रही थी, जिसके तहत अध्यक्ष को कांग्रेस में शामिल होने वाले बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था।

राज्यसभा में उठी मांग | कांग्रेस सदस्य ने नकारात्मक प्रभावों पर चिंता जताई

सोशल मीडिया पर सामग्री को लेकर तय हो जवाबदेही

नई दिल्ली, एजेंसी

• एक बार वायरल होने पर झूठ को वापस लेना होता है असंभव

राज्यसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सदस्य राजीव शुक्ला ने सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों पर चिंता जताते हुए कहा कि यह न सिर्फ समाज की बातचीत को बल्कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को, हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और सार्वजनिक विश्वास की नींव को भी हिला रहा है।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान शुक्ला ने सोशल मीडिया और उसकी जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज कोई भी, किसी के लिए भी, कुछ भी लिख देता है, किसी पर भी आरोप लगा देता है और किसी की भी प्रतिष्ठा को तार-तार कर देता है। अगर एक बार कोई बात वायरल हो गई तो फिर झूठ को वापस लेना लगभग असंभव हो जाता है।

शुक्ला ने कहा कि इसके बाद न कोई प्लेटफार्म जिम्मेदारी लेता है और न ही लिखने वाला सामने आता है। उन्होंने कहा कि केवल पीड़ित व्यक्ति पिसता है, उसकी इज्जत, उसका करियर और उसका मानसिक संतुलन प्रभावित होता है। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि समस्या गंभीर है क्योंकि बड़े तो बड़े, बच्चे भी इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन कंटेंट से जुड़ी अफवाहें और अतिरंजित नरेटिव और डिजिटल दबाव मानसिक स्थिति को गहरे तक प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि टूटती मानसिक स्थिति के बचाव की जिम्मेदारी किसकी है? शुक्ला ने कहा विडंबना यह है कि हम ऐसे युग में रह रहे हैं जहां जहर पर, हथियारों पर, गाड़ी चलाने पर तो कानून है लेकिन सोशल मीडिया पर झूठ फैलाने के लिए कोई ठोस जवाबदेही तय नहीं की गई है।

सामग्री की पारदर्शिता को स्पष्ट हों नियम

कंपनियों के एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि हमें क्या देखना है। लेकिन यह बताने की जिम्मेदारी उनसे कोई नहीं मांगता कि किस आधार पर झूठ को लाखों लोगों तक पहुंचाया गया। सदन में मौजूद सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित करते हुए शुक्ला ने मांग की कि सोशल मीडिया मंचों पर, डाली गई सामग्री के लिए जवाबदेही तय की जाए और सोशल मीडिया के लिए नियम तय किए जाने चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया ऐसी नीति बनाई जानी चाहिए जिसमें कंपनियों की जवाबदेही, सामग्री की समीक्षा और पारदर्शिता के लिए स्पष्ट निर्देश हों।

हिमंत के सांप्रदायिक बयानों का संज्ञान ले असम की हाईकोर्ट

गुवाहाटी। शिक्षाविदों, चिकित्सकों, लेखकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों समेत 40 से ज्यादा जाने-माने नागरिकों ने पत्र लिखकर गुवाहाटी हाईकोर्ट से अपील की है कि वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के एक खास समुदाय के खिलाफ दिए गए बयानों पर स्वतः संज्ञान ले। कहा है कि संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ चुप्पी संविधान की नैतिक शक्ति को कमजोर कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार को लिखे पत्र में नागरिकों ने शर्मा के उन सार्वजनिक बयानों की ओर आकृष्ट किया है उच्च जो प्रथमदृष्टया नफरती भाषण, सरकारी धमकी और एक खास समुदाय को खुलेआम बदनाम करने जैसे हैं।

असहज करते आंकड़े

लोकसभा में पेश देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के सरकारी आंकड़े भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर किंचित असहज करने वाले हैं। पिछले 13 महीनों में 377 विमानों में बार-बार आने वाली तकनीकी खराबियां तथा ऑडिट किए गए लगभग आधे विमानों में दोहराई जाने वाली गड़बड़ियां मिलना चिंता का सबब है। सवाल स्वाभाविक है कि क्या भारतीय विमान यात्रियों की यात्रा असुरक्षित हो चुकी है, इसके पीछे निजी विमानन की होड़ तथा नियामक एजेंसियों की विफलता कितनी जिम्मेदार है?

विमानन उद्योग में छोटी-मोटी तकनीकी खामियां सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानी जाती हैं। 'रिकरिंग डिफेक्ट' का अर्थ यह नहीं कि हर उड़ान दुर्घटना के कगार पर है। परंतु जब वही गड़बड़ी बार-बार सामने आए, तो यह रख-रखाव, निरीक्षण या प्रणालीगत खामी का संकेत हो सकता है, यही चिंताजनक है। भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। सस्ती हवाई यात्रा और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने यात्री संख्या में भारी वृद्धि की, पर रखरखाव, अवसंरचना और नियामकीय निगरानी उसी अनुपात में मजबूत नहीं हुई। डीजीसीए जैसी नियामक संस्था को विमानों की नियमित जांच, ऑडिट और अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, क्योंकि एक ही प्रकार की खराबियों का दुहराव केवल एयरलाइंस की समस्या नहीं, बल्कि निगरानी तंत्र की भी परीक्षा है। देखना होगा कि लगातार खराबी के कारण क्या हैं, विमानों का पुराना होना, जिनमें तकनीकी समस्याओं की आशंका अधिक होती है, या फिर प्रतिस्पर्धा की होड़ में लागत घटाने का दबाव अक्सर मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता को प्रभावित करने के साथ रखरखाव की गुणवत्ता पर असर डाल रहा है। इसके अलावा मानव संसाधन और प्रशिक्षण, तकनीकी कर्मियों की कमी या उनकी थकान भी इसकी वजह हो सकती है। हम विमान को जमीन पर रख कर राजस्व नुकसान के भय से सामान्य गड़बड़ी के बावजूद सीमित उड़ान की अनुमति दे देते हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप में नियामक एजेंसियां काफी कठोर ऑडिट और दंडात्मक प्रावधान लागू करती हैं। उदाहरण के तौर पर, बोइंग 737 मैक्स संकट के बाद अमेरिकी नियामक ने पूरे बेड़े को ग्राउंड कर दिया था। यूरोप में भी गंभीर तकनीकी गड़बड़ी पर तत्काल उड़ान रोकने का प्रावधान है। भारत में भी ऐसी शक्तियां मौजूद हैं, परंतु उनका प्रयोग कितनी दृढ़ता से होता है, यही मूल प्रश्न है, हालांकि यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि भारत में हवाई यात्रा व्यापक रूप से असुरक्षित हो चुकी है। परंतु चेतावनी संकेत साफ हैं।

सरकार को डीजीसीए की क्षमता, तकनीकी स्टाफ और ऑडिट प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना होगा। एयरलाइंस को लाभ से पहले सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। बेड़े का आधुनिकीकरण, पारदर्शी रख-रखाव रिपोर्टिंग और तकनीकी कर्मियों में निवेश अनिवार्य है। यात्रियों की भी भूमिका है। तकनीकी गड़बड़ी के कारण देरी पर असंतोष स्वाभाविक है, पर सुरक्षा जांच में समय लगना बेहतर है, बनिस्बत जोखिम उठाने के। शिकायत तंत्र का उपयोग, पारदर्शिता की मांग और जागरूकता, ये सब दबाव बनाते हैं कि प्रणाली बेहतर हो।

प्रसंगवश

बदले में हम पहाड़ों को क्या दे रहे हैं!

पहाड़ और समुद्र दो ऐसी चीजें हैं, जिनका आकर्षण कभी खत्म नहीं होता। मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों को पहाड़ हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। आदमी के मन को बरबस अपनी और खींच लेने वाले पहाड़ सैलानियों को वर्षों से ठंडी हवाओं, एकांत शांति और सुकून का आश्वासन देते रहे हैं। आज भी पहाड़ का यह आश्वासन आदमी को अपनी ओर खींच कर मंत्र मुग्ध, चकित कर देता है, पर इन सबके बीच सवाल यह है कि हम पहाड़ को क्या दे रहे हैं? बीते वर्षों में पहाड़ पर जाने वालों का एक ऐसा तबका उभरा है, जो स्वयं पहाड़ की शांति में खलल डालने लगा है।

पुरानी अवधारणा के अनुसार पर्यटन और तीर्थाटन में ज्यादा अंतर नहीं था। सही मायने में तीर्थाटन के मतलब को समझा जाए, तो उसमें काफी दिक्कतें हैं, शारीरिक कष्ट शामिल हैं। उत्तराखंड के संदर्भ में तीर्थ यात्रा का मतलब यही दुख और कष्ट था। कल के हिसाब से पर्यटन का अर्थ था, एक लंबी यात्रा, जिसे गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ लोग कष्टदायक नहीं मानते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज पर्यटन और तीर्थाटन दोनों के मतलब बदल गए है।

दीपक नौगांई

लेखक

गर्मियों में पहाड़ की ओर प्रस्थान करने का प्रबंध अंग्रेजों ने किया था। वे गर्मियों में अपनी राजधानी को दिल्ली से उठाकर नैनीताल या शिमला ले जाते थे। तब कई जगहों पर तो भारतीयों का प्रवेश एक तरह से वर्जित ही था, लेकिन आजादी की बाद पहाड़ अंग्रेजी साहबों के कब्जे से आजाद होकर हिंदुस्तानी साहबों के कब्जे में आ गए। बीते 10-15 सालों में पहाड़ पर जाने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एक नए धनाढ्य वर्ग का जन्म हुआ है, जो वीकेंड पर सारे तामझाम के साथ अपने वैभव का प्रदर्शन करने हिल स्टेशन पहुंच जाता है।

पहाड़ तो हमेशा चुप रहते हैं। पता नहीं पहाड़ ऐसे सैलानियों को किसी विस्मय से देखते हैं या नहीं पर वे पहाड़ को किसी विस्मय से नहीं देखते। अगर झील नगरी नैनीताल की बात करें, तो अब यह एक कंक्रीट जंगल में बदल गया है। पहले जाड़ों में यहां बहुत कम पर्यटक आते थे, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांति नहीं है। सीजन के समय मल्लीताल बाजार से नीचे उतरें, तो फ्लैट कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर नाज-नखरे सहने को बाध्य हैं। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर कोई पहाड़ से पूछे कि उसके क्या हालात हैं। क्या पर्यटकों की भीड़ से पहाड़ खुश हैं। इस तरह का पर्यटन पहाड़ विरोधी सभ्यता को जन्म देता है, जो किसी न किसी रूप में पहाड़ के गरिमामय जीवन के मूल्यों पर एक तरह से कुठाराघात ही करता है। क्या नैनीताल, मसूरी, शिमला या कुल्लू मनाली इस तरह के पर्यटन और पर्यटकों की भीड़ को सहने का सामर्थ्य रखते हैं।

नए सैलानी आज अपनी चीजों और पैसों का प्रदर्शन करने ही पहाड़ जाते हैं। पहाड़ क्या चाहता है, उन्हें इससे कोई मतलब नहीं। देखा जाए तो आज पहाड़ों में बचा ही क्या है? पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं, ताकि लोग आराम से अपनी महंगी गाड़ियों में बैठकर पहाड़ को रौंद सके। अब इससे पहाड़ धंस जाए और भूस्खलन ज्यादा होने लगे, तो इससे किसी को क्या मतलब। कल क्या होगा इसकी चिंता आज क्यों करे आदमी?

प्रधानमंत्री का मलेशिया दौरा और उम्मीदें

प्रो. आरके जैन

शिक्षाविद्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया दौरे पर जा रहे हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा। यह यात्रा भविष्य की वैश्विक रणनीति को दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

जब एशिया की जियोपॉलिटिक्स अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा की तेज लहरों से घिरी हुई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 7-8 फरवरी का मलेशिया दौरा दूरदर्शी कदम के रूप में उभरता है। अगस्त 2024 में संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने के बाद यह पहला बड़ा अवसर है, जब दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा और चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन का स्पष्ट, सशक्त और आत्मविश्वासी संदेश भी प्रस्तुत करेगा।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब औपचारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यही सशक्त डायस्पोरा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर की मुलाकात में व्यापार, निवेश, डिफेंस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरगामी निर्णय होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णायक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पाम ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स और तेल-गैस संसाधन भारत की बढ़ती आवश्यकताओं को मजबूती देंगे, जबकि भारतीय आईटी, फार्मा और स्टार्टअप सेक्टर मलेशियाई बाजार में नए अवसरों की खोज करेंगे। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था सुधारने और सप्लाई चेन को सशक्त बनाने पर ठोस सहमति बना सकते हैं। इंडो-पैसिफिक व्यापार गलियारों को गति देकर चीन पर निर्भरता घटाने का प्रयास भी इस एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

ऊर्जा क्षेत्र में यह दौरा भविष्य की हरित क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने की पूरी क्षमता रखता है। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ऊर्जा संक्रमण पर सहयोग के नए द्वार खुलने की प्रबल संभावना है। मलेशिया के तेल और गैस संसाधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे, जबकि भारत की उन्नत सोलर और विंड तकनीक मलेशिया को नेट-जीरो लक्ष्य के और अधिक निकट पहुंचाएगी। ऊर्जा संक्रमण से जुड़े संभावित समझौते दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक साझा और प्रभावी मोर्चे पर खड़ा करेंगे। यह साझेदारी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

मैरिटाइम सिक्योरिटी इस यात्रा का सबसे संवेदनशील, रणनीतिक और महत्वपूर्ण पक्ष है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुका है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता होगी। मलक्का जलडमरू मध्य की सुरक्षा वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा है, जिसकी स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है। यह सहयोग समुद्री सुरक्षा को नई दिशा देगा, जहां साझेदारी टकराव पर भारी पड़ेगी।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की नेतृत्व भूमिका इस दौरे के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावशाली होगी। एक्ट ईस्ट नीति और मलेशिया की लुक ईस्ट रणनीति का संगम एक मजबूत और संतुलित क्षेत्रीय ढांचा तैयार करेगा। इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर होने वाली चर्चा सुरक्षित, पारदर्शी और स्थिर व्यापार मार्गों के विकास में सहायक होगी। क्वाड, आसियान और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के साथ समन्वय बढ़ने से क्षेत्र में संतुलित शक्ति व्यवस्था स्थापित होगी। निवेश के क्षेत्र में यह यात्रा अवसरों के नए द्वार खोलने वाली सिद्ध होगी।

मलेशियाई कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। सीईओ फोरम में होने वाले समझौते रोजगार सृजन, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय निवेशकों और सरकारों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएगा। मोदी की उद्योगपतियों से मुलाकात एफडीआई को विशेष रूप से ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करेगी। यह निवेश साझेदारी आपसी विश्वास, स्थायित्व और दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार बनेगी।

सॉफ्ट पावर के क्षेत्र में भी यह दौरा गहरा और दूरगामी प्रभाव डालेगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और हेल्थ टेक में बढ़ता सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मानवीय और संवेदनशील आधार प्रदान करेगा। महामारी के बाद हेल्थ टेक और वैक्सीन सहयोग की बढ़ती अहमियत इस साझेदारी को और सुदृढ़ बनाएगी। छात्र विनिमय कार्यक्रम और शोध साझेदारियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन-संपर्क से दोनों समाजों के बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। यह यात्रा प्रमाणित करेगी कि कूटनीति केवल समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली निरंतर प्रक्रिया भी है।

यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

आमने सामने

उत्तर के लोग तमिलनाडु में टेबल साफ करने आ रहे हैं। वे यहां मजदूरी, पानी पूरी बेचने आते हैं, क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है। इसके उलट हमारे बच्चे विदेश जाते हैं, क्योंकि हम दो-भाषा नीति का पालन करते हैं और हमने अंग्रेजी अच्छी तरह सीखी है।

-एमआरके पनीरसेल्वम
कृषि मंत्री, तमिलनाडु सरकार

आपकी कुंठा का इलाज तो नहीं है पन्नीरसेल्वम जी, लेकिन आपकी भ्रांतियां अवश्य दूर कर सकता हूं। यहां के बच्चे UPSC, IAS, IPS जैसी परीक्षाओं में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। IIT, AIIMS और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में बिहार के युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

-अशोक चौधरी
मंत्री, बिहार सरकार

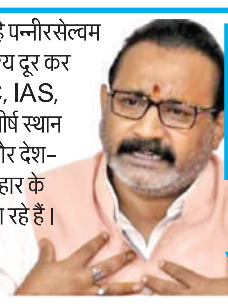

एआई किसानों के लिए क्रांति या संकट!

जयदेव राठी

अधिवक्ता

एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कृषि क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक गेम चेंजर के रूप में पेश किया है। अपने बजट भाषण में उन्होंने रिकॉर्ड 11 बार एआई का जिक्र किया और 'भारत विस्तार' नामक एक बहुभाषी एआई प्लेटफॉर्म की घोषणा की। सवाल यह है कि क्या यह तकनीकी हस्तक्षेप वाकई भारत के लगभग 14 करोड़ किसानों की तस्वीर बदल सकेगा, या यह महज एक और सरकारी घोषणा बनकर रह जाएगी?

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से लगभग 7% अधिक है। इसमें सबसे उल्लेखनीय है 'भारत विस्तार' प्लेटफॉर्म की स्थापना। यह एक बहुभाषी एआई टूल है, जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की सत्यापित कृषि पद्धतियों को एआई सिस्टम के साथ एकीकृत करेगा।

इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को कई सुविधाएं मिलेंगी। मिट्टी की गुणवत्ता, जलवायु परिस्थितियों और फसल के आधार पर विशिष्ट सुझाव। सटीक और स्थानीय मौसम की जानकारी, जो सिंचाई और बुआई के फैसलों में मदद करेगी। फसलों में लगने वाली बीमारियों की शीघ्र पहचान और समाधान। फसलों के सही दाम और बाजार की मांग की जानकारी। किसानों को उनकी अपनी भाषा में सलाह, जिससे डिजिटल विभाजन कम होगा। इसके अतिरिक्त, बजट में 'कृषि साथी' नामक एआई चैटबॉट की भी घोषणा की गई है, जो वॉयस और वीडियो के माध्यम से किसानों के सवालों का जवाब देगा। पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम, नारियल प्रोत्साहन योजना जो एक करोड़ किसानों समेत तीन करोड़ लोगों को लाभान्वित करेगी और 500 जलाशयों के एकीकृत विकास की भी योजना है।

आधुनिक तकनीक और एआई के सही इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव संभव हैं। सबसे पहले, प्रिसिजन फार्मिंग के माध्यम से संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग किया जा सकता है। एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए, जिससे लागत में 20-30% तक की कमी आ सकती है।

दूसरा, समय पर सही जानकारी मिलने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। मौसम का सटीक पूर्वानुमान, बीमारियों की शीघ्र पहचान और बाजार की सही जानकारी से किसान बेहतर फैसले ले सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे उपज में 15-25% तक की वृद्धि संभव है। तीसरा, जोखिम प्रबंधन में सुधार होगा। एआई सिस्टम ऐतिहासिक डेटा और वर्तमान परिस्थितियों के विश्लेषण से फसल विफलता के जोखिम को पहले से भांप सकता है और निवारक उपाय सुझा सकता है। यह खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो एक ही फसल पर निर्भर रहते हैं।

चौथा, बाजार से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को सीधे खरीदारों से जोड़ सकते हैं, बिचौलियों की भूमिका कम कर सकते हैं और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिला सकते हैं। कई किसान संगठन और कृषि स्टार्टअप इस दिशा में पहले से काम कर रहे हैं।

एआई की इन संभावनाओं के बावजूद, भारतीय कृषि क्षेत्र में इसके व्यापक कार्यान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर छोटे और सीमांत किसानों में डिजिटल साक्षरता की गंभीर कमी है। जो किसान 85% कृषक समुदाय का हिस्सा हैं, उनमें से अधिकांश स्मार्टफोन का बुनियादी उपयोग तो कर लेते हैं, लेकिन एआई-आधारित जटिल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। एक औसत भारतीय किसान की उम्र 50 वर्ष से अधिक है और उनमें से कई अनपढ़ या अर्ध-साक्षर हैं।

यदि 'भारत विस्तार' जैसे प्लेटफॉर्म को सफल बनाना है, तो सिर्फ बहुभाषी इंटरफेस काफी नहीं है। किसानों को इन तकनीकों के उपयोग का व्यापक प्रशिक्षण देना होगा, जिसके लिए जमीनी स्तर पर कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में आवश्यकता होगी। भारत के लगभग 6.44 लाख गांवों में से 6.13 लाख से अधिक गांवों में 3G/4G इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं। बाकि गांवों में अभी भी मोबाइल कनेक्टिविटी और इंटरनेट की सुविधा नहीं है, जहां इंटरनेट उपलब्ध है, वहां भी कनेक्टिविटी अस्थिर और धीमी है।

एआई-आधारित प्लेटफॉर्म को काम करने के लिए स्थिर और तेज इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत होती है। बिना मजबूत डिजिटल अवसंरचना के, ये सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) और भारतनेट परियोजना के माध्यम से ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका कार्यान्वयन अभी भी अपर्याप्त है।

सोशल फोरम

पीर डोले शाह के 'चूहे'

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरात जिले में पीर डोले शाह की मज़ार है। पीर साहब का दावा था कि वो बांझ औरतों को औलाद दे सकते हैं, परंतु उनकी शर्त ये थी कि औरतें अपना पहला बच्चा उनकी दरगाह पर पीर की सेवा के लिए छोड़ जाएंगी। ये परंपरा आज तक चली आ रही है। एक अनुमान के मुताबिक़ पिछले तीन सौ साल में एक लाख से ज़्यादा बच्चे दरगाह की नज़र किए गए।

रंजन शर्मा

रिटायर्ड अफसर

ये बच्चे जो दरगाह पर पल कर बड़े होते थे, इनकी खासियत ये थी की ये अपनी उम्र के हिसाब से शारीरिक तौर पर तो लम्बे-चौड़े, हृष्ट-पुष्ट हो जाते थे, परंतु इनका सर एक-दो साल के बच्चे जितना बड़ा ही रहता था। साथ में ये मंदबुद्धि भी होते थे। दरगाह इनसे भीख मंगवा कर अपनी कमाई करती थी।

इसका कारण यह था कि यहां छोड़े गए साल-दो-साल के मासूम बच्चों को इसी उम्र से सर पर एक लोहे का हेलमेट पहना कर कस दिया जाता था। ये लोहे की टोपी सालों तक बंधी रहती थी। इससे इन बच्चों के सर के बनावट उतनी ही रह जाती थी और साथ में इनका मानसिक विकास भी रुक जाता था। इनको 'चूहों' का नाम दिया जाता था और इन्हे भीख मांगने के लिए दूर-दूर तक भेजा जाता था।

दरगाह पर हो रही इस अमानवीय हरकत की ख़बर अंग्रेज़ी हुकूमत तक पहुंची तो उसने इसकी जांच कराई, परंतु सबूतों और गवाहों के अभाव में ये साबित नहीं हो सका कि यहां पर रह रहे बच्चों की शारीरिक और मानसिक अपंगता का कारण क्या है?

हुकूमत की दख़ल के चलते दरगाह के स्थानीय अक़ीदतमंदों (श्रद्धालुओं) में नाराज़गी भी पनपने लगी। अतः अंग्रेज़ अधिकारियों ने इसे 'माइक्रोसेफली' नामक बीमारी का नाम देकर पल्ला झाड़ लिया। परंतु वो ये नहीं समझा पाए कि ये बीमारी सिर्फ दरगाह विशेष के बच्चों तक ही क्यों सीमित है?

आज़ादी के बाद भी इस मज़ार पर 'चूहों' की संख्या बेरोक-टोक बढ़ती गई। 1969 में तत्कालीन फौज़ी तानाशाह जनरल अयूब खान के आदेश पर पाकिस्तान के वक़्फ़ विभाग ने मज़ार का अधिग्रहण कर लिया। इसके चलते नए 'चूहों' की संख्या में कुछ अंतर आया, परन्तु 1977 में पाकिस्तान के तीसरे फौज़ी तानाशाह जनरल ज़िया उल हक़ की हुकूमत के दौरान मौलवियों की मनमानी फ़िर से शुरू हो गई। नतीजतन आज भी गुजरात शहर में दस हज़ार से ज़्यादा 'चूहे' भीख मांग कर दरगाह का खज़ाना भर रहे हैं और एक नारकीय ज़िन्दगी जीने के लिए अभिशप्त हैं। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

महिला हिंसा सिर्फ घर का मामला नहीं होता

'हम औरतों की बहुत इज्जत करते हैं।' गांवों में यह वाक्य कई बार सुनने को मिलता है। पुरुषों के लिए यह एक सामान्य वाक्य था, लेकिन महिलाओं की खामोशी इसके बिल्कुल उलट कहानी कहती है। बातचीत के दौरान जैसे ही शारीरिक हिंसा का विषय आता है, महिलाओं के शब्द रुक जाते हैं और आवाज़ धीमी हो जाती है। जैसे वह इस शब्द का अर्थ अच्छे से समझ रही हों, लेकिन समाज का डर उन्हें इस पर बात करने से रोक रहा था।

गांवों में जब महिलाओं से लैंगिक हिंसा पर बात की जाती है तो शुरुआत में उनका जवाब होता है, 'थोड़ी-बहुत होती है', लेकिन उनके चेहरे और हावभाव बता देते हैं कि सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा गहरी है। वे खुलकर बात करने से डरती हैं। वहीं जब पुरुषों से इस विषय पर सवाल किया जाता है, तो उनका जवाब लगभग एक-जैसा होता है, 'हम अपनी औरतों की बहुत इज़्ज़त करते हैं, उन्हें पूरी आज़ादी दी है।'

जिया कर्मियाल

एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से घिरे गांव जखेड़ा की आबादी लगभग 600 के करीब है। आर्थिक रूप से कमजोर यह गांव शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत अधिक समृद्ध नहीं है। गांव की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है। सरकारी सेवा में उपस्थिति लगभग नगण्य है। किसानी के अलावा अधिकतर युवा सेना में कार्यरत हैं। वहीं 12वीं के बाद ज़्यादातर लड़कियों की शादी कर दी जाती है। ऐसे में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस गांव की बहुत कम लड़कियां पहुंच पाती हैं। बालिका शिक्षा का कम दर ही लैंगिक हिंसा को उभरने का मौका देता है।

गांव में बातचीत से यह भी महसूस हुआ कि सामान्य समस्याओं पर तो लोग खुलकर बातचीत करते हैं, समाधान खोजने का प्रयास करते हैं, लेकिन जैसे ही बात महिलाओं पर होने वाली हिंसा की आती है, या तो खामोशी छा जाती है या फिर इसे स्वीकार करने से ही इंकार कर देते हैं। जाहिर है कि यह इंकार पुरुषों की तरफ से आया था, लेकिन महिलाओं की खामोशी सच को बयां करने के लिए काफी था। शायद उनकी इस चुप्पी के पीछे जागरूकता की कमी, सामाजिक दबाव और बदनामी का डर होगा।

अगर हम इन अनुभवों को व्यापक संदर्भ में देखें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल घरेलू हिंसा के हजारों केस दर्ज होते हैं। देशभर में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों की संख्या चार लाख से अधिक है। यह वह आंकड़े हैं जो रिपोर्टों में दर्ज होते हैं, जबकि अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को घर का मामला बता कर दर्ज किया ही नहीं जाता है।

उत्तराखंड जैसे शांत और पहाड़ी राज्य की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। यहां दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और यौन अपराधों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में हर साल सैकड़ों ऐसे मामले सामने आते हैं, जो बताते हैं कि प्राकृतिक सुंदरता के बीच भी महिलाओं की ज़िंदगी सुरक्षित नहीं कही जा सकती है। इन आंकड़ों और जमीनी अनुभवों को जोड़कर देखें, तो यह साफ हो जाता है कि समस्या कानून की कमी की नहीं, बल्कि कार्यान्वयन, सामाजिक सोच और चुप्पी की संस्कृति की है। जब तक हिंसा को 'घर का मामला' कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक महिलाएं न्याय और सुरक्षा से दूर ही रहेंगी।

सवाल उठता है कि क्या महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए, अपने सम्मान के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए खुद खड़े होने का पूरा मौका मिलता है? और सबसे अहम सवाल क्या हमारे समाज में महिलाएं कभी सच में हिंसा मुक्त जीवन जी पाएंगी?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हैदराबाद घूमने के बाद हमारा अगला पड़ाव तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर वारंगल था। सड़क मार्ग से लगभग 170 किलोमीटर की दूरी हमने रास्ते में एक जगह रुकते हुए चार घंटे में तय कर ली। वारंगल एक ऐतिहासिक शहर होने के साथ मंदिरों और स्मारकों की भूमि है। इसे किंवदंतियों का शहर भी कहा जाता है। 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच यह काकतीय राजवंश की राजधानी था। वारंगल का गौरवशाली अतीत यहां के स्मारकों में देखा जा सकता है। वारंगल किला, हजार स्तंभों वाला मंदिर, वीरनारायण मंदिर, काकातिया रॉक गार्डन आदि की सैर के बाद हमने घनपुर जाकर कोटा गुल्लू मंदिरों को देखने का निर्णय लिया। यह स्थान वारंगल से करीब 55 किमी दूर स्थित है। स्थानीय भाषा में कोटा गुल्लू का अर्थ 'किले के अंदर मंदिर' बताया गया।

उत्कृष्ट वास्तुकला

घनपुर गांव उत्कृष्ट काकतीय वास्तुकला वाले कोटा गुल्लू मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां इन मंदिरों का निर्माण 13 वीं शताब्दी के आरंभ में काकतीय वंश के राजा गणपति देव के शासनकाल में हुआ था। प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर से 12 किमी दूरी पर स्थित ये मंदिर चालुक्य और काकतीय शैलियों के मिश्रण हैं। 14 वीं और 16 वीं शताब्दी के बीच मुस्लिम सेनाओं के हमलों तथा 17 वीं शताब्दी में इस इलाके में आए बड़े भूकंप में इन मंदिरों को काफी नुकसान पहुंचा था। यहां जटिल नक्काशीदार लाल बलुआ पत्थर के मंदिर, किलेबंद परिसर और खूबसूरती से डिजाइन किए गए स्तंभों वाले हॉल मध्यकालीन तेलंगाना के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक जीवन की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसी कारण यह परिसर इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों के साथ आध्यात्मिक यात्रियों के लिए दर्शनीय स्थल है।

राजीव सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार, नोएडा

काकतीय विरासत की यात्रा वारंगल और कोटा गुल्लू

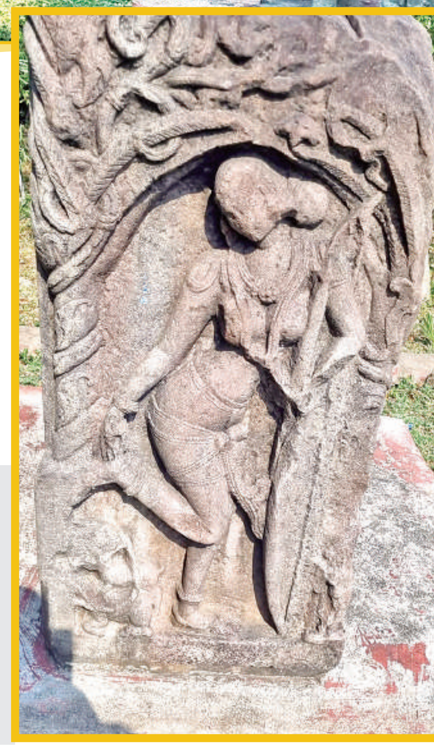

यात्रा का जीवंत केंद्र

मंदिर के लगभग 200 मीटर आगे चबूतरों पर शिलालेख वाले पत्थर और मूर्तियां स्थापित हैं। इनमें भगवान शिव और विष्णु के खड़ी मुद्रा में विभिन्न रूप दर्शाए गए हैं। यहां सबसे खास सभा मंडप के बरामदे हैं। बरामदे के उत्तरी हिस्से में दो मदनिकाएं दिखाई देती हैं। पूर्वी और दक्षिणी बरामदे गज केसरी की कई पौराणिक आकृतियों से सुशोभित हैं, जो हाथी पर सवार आधे मानव-आधे शेर की आकृति हैं और हाथी पर घोड़े के सिर वाले शेर की पीठ है। कोटा गुल्लू वास्तव में स्थापत्य चमत्कार के साथ पूजा और तीर्थयात्रा का जीवंत केंद्र है। आसपास के जिलों से श्रद्धालु नियमित रूप से मंदिरों में प्रार्थना करने और स्थानीय अनुष्ठानों में भाग लेने आते हैं।

60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम

कोटा गुल्लू में 22 मंदिर हैं, जो आकार और डिजाइन में अलग-अलग होने के साथ काकतीय लोगों का अद्भुत वास्तुशिल्प प्रदर्शित करते हैं। मुख्य मंदिर, गणपेश्वरलयम , भगवान शिव को समर्पित है और काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की पूजा की जाती है। गर्भगृह के सामने 60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम है, जिसमें तीन तरफ से प्रवेश द्वार और एक बरामदा है। गर्भगृह के द्वार के चौखटों पर द्वारपालों और उनके सेवकों की मूर्तियां बनी हुई हैं। मंडपम में दो सिर कटे ऋषियों की मूर्तियां हैं। मंदिर की वास्तुकला में जटिल नक्काशी और टिकाऊ लाल बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। मुख्य मंदिर के चारों ओर पंक्तियों में व्यवस्थित 19 सहायक मंदिर हैं, साथ ही उत्तर दिशा में एक और शिव मंदिर है। मंडपम के स्तंभ काकतीय वास्तुकला के अनुसार तराशे गए हैं और इनमें छत के बिना बीम लगे हैं। सामने की दीवारों पर देवी-देवताओं, नर्तकियों, संगीतकारों, मदनिकियों, शेरों की सुंदर मूर्तियां बनी हुई हैं।

कहां गए शांत और सुंदर पहाड़

पहाड़ पहले कितना शांत, सुंदर और आत्मिक सुख देने वाला हुआ करता थे। हर सुबह पक्षियों की चहचहाहट से खुलती थी, ठंडी हवा की सरसराहट से शरीर में नया जीवन भर जाता था और हर दिशा में हरियाली ऐसे लहराती थी मानो कुदरत खुद हमें आशीर्वाद दे रही हो। तब का जीवन कठिन जरूर था, पर उसमें एक मिठास थी, एक अपनापन था और सबसे बड़ी बात, एक सुरक्षित भविष्य का आभास था। बारिश तब भी होती थी। हम उसे सतझड़ कहते थे।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

गांव के चारों ओर बहने वाले गधेरे (छोटे बरसाती नाले) गुस्से से सरसराते हुए बहते थे, जैसे कोई नागिन अपनी पूरी ताकत से अपनी राह बना रही हो। दूर तक फैली पहाड़ियों पर पानी ऐसे गिरता था मानो सैकड़ों झरने एक साथ फूट पड़े हों। पानी, हरियाली और प्रकृति की लयबद्ध ध्वनि यही था मेरा पहाड़, लेकिन पर आज अब तो हर दिशा में बस त्रासदी है। अब गधेरे जीवन के संकेत नहीं, बल्कि तबाही की आहट है। पानी अब जीवन नहीं, मृत्यु का संदेश लेकर आता है।

अब जब बारिश होती है, तो मन में सुकून नहीं डर पैदा होता है, कहीं भूस्खलन न हो जाए, कहीं किसी का घर जमींदोज न हो जाए। कभी प्रकृति की गोद में लोरी सुनता मेरा पहाड़ आज कराह रहा है। किसकी नजर लग गई मेरे पहाड़ को?

अब समझ आता है, यह प्राकृतिक नहीं, मानवीय त्रासदी है। आज मेरे पहाड़ की रगों में बहते पानी पर खनन माफियाओं की नजर है। जिन खेतों में हम फसलें उगाते थे, उन पर अब भू-माफियाओं की कुदृष्टि है, जो जंगल कभी हमें

जीवन देते थे, उन्हें वन माफिया बेरहमी से काट रहे हैं। यह सब एक संगठित तंत्र के तहत हो रहा है, जिसमें सरकारें भी शामिल हैं। सरकार अब पहाड़ों को बस 'टूरिज्म जोन' मानकर देखती है। मंदिरों की भी पवित्रता अब बाजार में तौल दी गई है, जो स्थान कभी साधना और एकांतवास के प्रतीक थे, आज वहां पर्यटकों की भीड़ है। कैमरे, हंसी-ठिठोली, शोर और प्रदूषण। न देवी-देवताओं को एकांत मिल रहा है, न पहाड़ को चैन। ऐसे में अगर शिवजी अपना तीसरा नेत्र खोलें, तो क्या गलत होगा? हमने पहाड़ की आत्मा को छलनी कर दिया है। खनन के लिए पहाड़ों का सीना चीरा जा रहा है, सड़कों के नाम पर पेड़ों की कतारें साफ की जा रही हैं, बड़े-बड़े होटल और अट्टालिकाएं बन रही हैं, जिनका फायदा केवल बाहरी लोगों को है और जब ये पहाड़ टूटते हैं, जब मलबा गांवों को बहा ले जाता है, तो मारे जाते हैं स्थानीय लोग, जिनका कसूर बस इतना है कि वे यहां रहते हैं। किसी को उनके दर्द की परवाह नहीं है। सरकारी फाइलों में बस आंकड़े दर्ज होते हैं, इतने मरे, इतना नुकसान हुआ, लेकिन उन आंकड़ों के पीछे जो जिंदगियां हैं, जो सपने हैं, उनका क्या? और सबसे दुखद बात यह है कि यह सब जानते हुए भी कोई कुछ नहीं करता। बहती गंगा में सभी हाथ धो रहे हैं। पहाड़ की आत्मा हर रोज मरती जा रही है। अब भी वक्त है, अगर अब भी नहीं चेते, तो वह दिन दूर नहीं, जब पहाड़ हमारे बचपन की स्मृति बनकर रह जाएंगे और आज के बच्चों को हम सिर्फ कहानियों में बताएंगे कि कभी यहां शांति हुआ करती थी, कभी यह धरती स्वर्ग से कम नहीं थी। क्या हम ऐसा पहाड़ अपने आने वाली पीढ़ियों को देना चाहते हैं? सोचना होगा, नहीं तो पहाड़ फिर टूटेगा और अगली बार शायद संभलने का मौका भी न मिले।

पहली जिम्मेदारी का एहसास औपचारिकताओं की चुनौती

जॉब का पहला दिन

वर्ष 2001 को मैं शिक्षण संस्थान (गौरव टाइपिंग इंस्टिट्यूट), ईदगाह कॉलोनी में अपनी टाइपिंग मशीन पर अभ्यास कर रहा था। तभी लगभग सायं 6:00 बजे शिक्षक/मार्गदर्शक बनारसी तिवारी जी ने खुशखबरी दी कि मेरा चयन समूह 'घ' भर्ती परीक्षा 2001 के अंतर्गत तहसील कानपुर देहात में आशुलिपिक पद पर हो गया है। उन्होंने बताया कि दिनांक 1 दिसंबर को मूसानगर, कानपुर देहात में मुख्यमंत्री की रैली में नियुक्ति-पत्र प्राप्त होगा। यह समाचार सुनकर हम सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं और रात 9:00 बजे घर लौट आया।

नयन कुमार सोनकर
ओ.एस.डी., जिलाधिकारी
कानपुर नगर

1 दिसंबर की सुबह 6:00 बजे तैयार होकर संस्थान पहुंचा। वहां मेरे साथ उसी संस्थान के अन्य चयनित साथी भी उपस्थित थे। 6:15 बजे सफेद रंग की एम्बेसडर कार आई, जिसमें जिला अधिकारी कार्यालय, कानपुर देहात में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक हमें लेने आए। हम कार से ईदगाह कॉलोनी से निकलकर शहर पार करते हुए घाटमपुर तहसील पहुंचे और वहां से सामान्य लिपिक कलेक्टरेट को साथ लेकर मूसानगर के लिए रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि रैली में उच्च अधिकारी उपस्थित रहेंगे, इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है, जैसा बताया जाए, वैसा ही करना है।

कुछ समय बाद मुख्यमंत्री रैली में पहुंचे। जनता का अभिनंदन अत्यंत दर्शनीय और उल्लासपूर्ण था। रैली के दौरान ही नियुक्ति-पत्र वितरण आरंभ हुआ। पहले मेरे एक साथी का नाम पुकारा गया, फिर मुझे मंच पर बुलाया गया। जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों से मुझे नियुक्ति-पत्र प्रदान किया, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय था। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए परिश्रम और लगन से कार्य करने की सीख दी।

रैली समाप्त होने के बाद हम उसी मार्ग से लौट आए। 2 दिसंबर को रविवार होने के कारण विश्राम किया। अगले दिन ज्वाइनिंग के लिए आवश्यक कागज तैयार कराए। निर्देश मिला कि मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र बनवाकर, आवश्यक अभिलेखों सहित उप जिलाधिकारी, रसूलाबाद कार्यालय में योगदान प्रस्तुत करना है। एक मोटरसाइकिल सवार की सहायता से मैं सायं 5:40 बजे उप जिलाधिकारी महोदय के आवास पहुंचा और नियुक्ति-पत्र व अभिलेख प्रस्तुत किए। अनुमति मिलने पर जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप कराने का निर्देश मिला।

कार्यालय में जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप की। समय 6:00 बजे के आसपास हो गया, इसलिए अंतिम बस पकड़ने की सलाह दी गई। मैं रोडवेज बस से कानपुर लौटा। थकान के कारण रास्ते में नींद आ गई और रात 9:30 बजे कानपुर पहुंचकर घर पहुंचा। यह मेरी नौकरी की पहली यात्रा थी बिना किसी परिजन या मित्र के। आज नौकरी करते हुए 24 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, पर वह पहला दिन और उसकी संघर्षपूर्ण यात्रा आज भी स्मृतियों में जीवित है।

मीर तकी मीर : दर्द को शायरी बनाने वाला शायर

मीर तकी मीर सिर्फ गजल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज थे। मीर उर्दू गजल को शिखर तक पहुंचाने वाले बड़े कवि थे। उन्हें 'खुदा-ए-सुखन' यानी कि शायरी का खुदा कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती हैं। उर्दू ही नहीं फारसी भाषा पर भी उनकी मजबूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है, जिसमें फारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामंजस्य हो। मीर तकी मीर को उर्दू में शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया।

मीर तकी मीर का मूल नाम मोहम्मद तकी था। उनकी प्रमुख कृतियां जिक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दु रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फारसी (फारसी रचनाओं का संग्रह), फैज-ए-मीर (पांच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फारसी जुबान में लिखी तत्कालीन उर्दु रचनाकारों की जीवनियां) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे, वे 'दर्द के शायर' कहलाते हैं। दरअसल, मीर की जिंदगी मुफलिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में 'हूक' और 'टीस' महसूस होती है। उन्होंने खुद एकबार यह कहा था-'मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने गम जमा किए तो दीवान किया।'

सुनील कुमार महला
लेखक

दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियां हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-'पत्थर की भीत क्या करूं, आंसू जो ढल गए।' नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी थी। मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना, तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहां दिल से कभी बस नहीं पाए। मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में 'सहल-ए-मुमतना' कहा जाता है-यानी ऐसी चीज, जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो।

शायर मिर्जा गालिब भी उनके कायल थे। सच तो यह है कि गालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना। गालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा-'रेख्ते के तुम ही उस्ताद नहीं हो गालिब,कहते हैं अगले जमाने में कोई मीर भी था।' वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-'इब्तिदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या।' 'हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।','नाजुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।','मीर उन नीम-बाज आंखों में, सारी मस्ती शराब की सी है।' उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्मस्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -'शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुकाबला कौन करे।'

मीर सिर्फ उर्दू गजल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज हैं। उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे जख्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुंचाया और गजल को आत्मा की आवाज बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

बिजनेस ब्रीफ

इंडिगो की दिल्ली से शंघाई की उड़ान शुरू करने की योजना

बीजिंग। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी इंडिगो जल्द ही नई दिल्ली और शंघाई के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। पिछले साल भारत और चीन के बीच करीब पांच साल के अंतराल के बाद विमान सेवाएं फिर से शुरू होने के बाद, इन दोनों शहरों के बीच उड़ान संचालित करने वाली यह तीसरी एयरलाइन बन जाएगी। चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच तीसरा सीधा हवाई संपर्क होगा।

रुपया 36 पैसे टूटकर 90.70 प्रति डॉलर पर हुआ अस्थाई बंद

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 36 पैसे टूटकर 90.70 (अस्थाई) पर बंद हुआ। इस गिरावट का कारण अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर भू-राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार रुपया सत्र के पहले भाग में रिजर्व बैंक द्वारा मुख्य ऋण दरों को यथावत रखने की घोषणा के बाद थोड़ा मजबूत हुआ, लेकिन विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 90.28 पर खुला और सत्र के दौरान 90.18 के उच्चस्तर तक गया और 90.83 के निचले स्तर तक आया।

जम्मू-कश्मीर में 1.27 लाख करोड़ रुपये का बजट किया पेश

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में 2026-27 का 1.27 लाख करोड़ रुपये का बजट शुक्रवार को पेश किया और कहा कि यह वित्तीय योजना केंद्र शासित प्रदेश में सतत वृद्धि, सामाजिक सौहार्द एवं आर्थिक समृद्धि के लिए मजबूत आधार तैयार करने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार निवेश, नवाचार एवं सहभागी शासन को बढ़ावा देकर केंद्र शासित प्रदेश को एक आधुनिक, प्रगतिशील और आर्थिक रूप से सशक्त क्षेत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

बड़ा फैसला... 1000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी का पंजीकरण अनिवार्य नहीं

एमपीसी की बैठक के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर ने की घोषणा, सार्वजनिक धन न लगा होने की शर्त लागू

मुंबई, एजेंसी

फैसला- 1

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसमें शर्त लागू की गई है कि एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन न लगा हो।

मल्होत्रा ने इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया। 'आकार आधारित नियामकीय मसौदा' उन एनबीएफसी के लिए अलग नियामक व्यवस्था की परिकल्पना करता है जो सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं करती हैं और जिनका आम ग्राहक से सीधा संपर्क नहीं है। इन एनबीएफसी की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए उन पर लागू नियमों की समीक्षा की गई है। मल्होत्रा ने वर्तमान वित्त वर्ष की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि उनके काफी कम प्रणालीगत-जोखिम को देखते हुए, यह प्रस्ताव है कि 1,000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली ऐसी 'टाइप-1' एनबीएफसी को कुछ निर्दिष्ट शर्तों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकरण की जरूरत से छूट दी जा सकती है। इससे इन एनबीएफसी के लिए अनुपालन आवश्यकताओं में कमी आएगी। हितधारकों से प्रतिक्रिया के लिए जल्द मसौदा जारी होगा। मल्होत्रा ने कहा कि कुछ एनबीएफसी के लिए 1,000 से अधिक शाखाएं खोलने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता को खत्म करने का प्रस्ताव है।

एमएसएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की

फैसला- 3

मुंबई। रिजर्व बैंक ने एमएसएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर ने बैठक के बाद वित्तीय समावेशन और ऋण उठाव बढ़ाने के उपायों की घोषणा करते हुए कहा, एमएमएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा काफी लंबे समय से 10 लाख रुपये है। कहा, इस पहल का उद्देश्य औपचारिक ऋण तक पहुंच बढ़ाना, उद्यमों को बढ़ावा देना और सूक्ष्म तथा मध्यम उद्यमों का वित्त पोषण है। एमएसएमई बढ़ी हुई ऋण सीमा का लाभ एक अप्रैल 2026 से प्राप्त कर सकेंगे।

बैंकों को दी जा सकती है रीट को ऋण देने की अनुमति

फैसला- 2

- कॉमर्शियल बैंकों को अब तक नहीं थी ऋण देने की अनुमति

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण के स्रोत को व्यापक बनाने के उद्देश्य से बैंकों को कुछ विवेकपूर्ण रक्षोपायों के साथ 'रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया।

रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं, जिससे निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना उससे होने वाली आय में हिस्सा पाने में सक्षम होते हैं। भारत में रीट और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) की अवधारणा संस्थानों और खुदरा निवेशकों के एकत्रित कोष के माध्यम से निवेश को पुनर्वित्त कर, पूर्ण और परिचालन वाली रियल एस्टेट व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में फंसे बैंकों के कोष को मुक्त करने के लिए की गई थी।

रिजर्व बैंक ने कहा कि इन उद्देश्यों के अनुरूप, वाणिज्यिक बैंकों को शुरुआत से ही इन संस्थाओं को ऋण देने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, बाद में इनविट्स को बैंक ऋण की अनुमति दी गई, लेकिन रीट को ऋण देने की अनुमति नहीं थी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, इनविट्स को ऋण देने के संबंध में मौजूदा दिशानिर्देशों को भी रीट को ऋण देने के लिए प्रस्तावित रक्षोपायों के साथ समानता के लिए सुसंगत बनाया जा रहा है।

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से नीतिगत ब्याज दरों को स्थिर रखने और 'रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की मंजूरी के प्रस्ताव के बाद घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 266 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 51 अंक की तेजी में रहा।

कारोबारी सत्र के अंतिम चरण में हुई लिवाली से बीएसई का 30 शेयर वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 266.47 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 83,580.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में दिन के निचले स्तर 82,925.35 से 655.05 अंक का तेज उछाल देखने को मिली। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 50.90 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,693.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बाजार में काफी उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार 723.77 अरब डॉलर पर

सर्वकालिक उच्चस्तर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इससे भी पहले सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचा था। आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं।

सोने-चांदी की मूल्यवृद्धि से मुद्रास्फीति का अनुमान बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी

- चालू वित्त वर्ष के लिए 2.1%, अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी वृद्धि का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोना-चांदी समेत कीमती धातुओं के मूल्य में बढ़ोतरी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर शुक्रवार को 2.1 प्रतिशत कर दिया है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी अनुमान ऊपर की ओर संशोधित किए गए हैं।

केंद्रीय बैंक ने 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति क्रमशः चार प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने दिसंबर में 2025-26 के लिए इसके दो प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए महंगाई दर क्रमशः 3.9 प्रतिशत और चार प्रतिशत आंकी गई थी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि 2026-27 की पहली व दूसरी तिमाही के लिए संशोधित सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान क्रमशः 4.0 प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत बना हुआ है। यह अनुकूल होने के साथ ही मुद्रास्फीति लक्ष्य के करीब है। उन्होंने कहा, मुद्रास्फीति अनुमान को मामूली रूप से ऊपर की ओर संशोधन मुख्यतः कीमती धातुओं के मूल्यों में बढ़ोतरी के कारण किया गया। इनका योगदान करीब 0.60 प्रतिशत से 0.70 प्रतिशत है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति अब भी निम्न स्तर पर बनी हुई है।

यूपीआई को टिकाऊ बनाने, बुनियादी ढांचे में सुधार के तरीके खोजे जाएंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक यूपीआई को हितधारकों के लिए टिकाऊ बनाने और इसके बुनियादी ढांचे में सुधार करने के तरीके खोजेगा। इससे ग्राहकों के लिए भुगतान बुनियादी ढांचे से जुड़ी चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी। इस समय यूपीआई सभी उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग मुफ्त है और बैंकों को लेनदेन करने के लिए सरकार द्वारा बजटीय सहायता के माध्यम से मुआवजा दिया जाता है।

नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर रहेंगी, एफडी पर घट जाएगा ब्याज

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा आगे इनमें और कमी भी हो सकती है। मल्होत्रा ने कहा, नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा इनमें आगे और गिरावट भी आ सकती है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि ब्याज दरों पर अंतिम फैसला एमपीसी लेगी।

चांदी में 13,000 रुपये की टूट सोने 3,400 रुपये की गिरावट

- निवेशकों के मुनाफा वसूली करने से आई गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों के लगातार दूसरे दिन मुनाफावसूली जारी रखने से चांदी लगभग पांच प्रतिशत टूटकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जबकि सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी 13,000 रुपये यानी 4.85 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। यह बृहस्पतिवार को 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपये यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसका पिछला बंद भाव 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

पीएफसी बोर्ड ने आरईसी के विलय को सैद्धांतिक मंजूरी दी

- विलय के बाद भी पीएफसी बनी रहेगी सरकारी कंपनी

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आरईसी लिमिटेड का विलय कराने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी।

इस विलय के बाद भी पीएफसी कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सरकारी कंपनी बनी रहेगी। पीएफसी और आरईसी के विलय को लेकर निदेशक मंडल की यह मंजूरी रविवार को केंद्रीय बजट में की गई घोषणा के बाद आई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी कंपनियों के पुनर्गठन का संकेत दिया था। पीएफसी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, निदेशक मंडल ने बजट घोषणा का संज्ञान लेते हुए पीएफसी और आरईसी के विलय के रूप में पुनर्गठन को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। यह विलय इस शर्त के साथ होगा कि विलय के बाद भी पीएफसी कंपनी अधिनियम, 2013 और अन्य लागू कानूनों के तहत 'सरकारी कंपनी' बनी रहे।

7वें राष्ट्रीय खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

लखनऊ। यूईआई ग्लोबल एजुकेशन ने अपने प्रतिष्ठित 7वें राष्ट्रीय खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'ले वितेस 2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देशभर में स्थित यूईआई ग्लोबल के सभी 9 परिसरों से आए 500 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह आयोजन भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का जीवंत उत्सव रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश (आगरा एवं लखनऊ), पंजाब (लुधियाना एवं जालंधर), नई दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, पुणे और तिरुवनंतपुरम जैसे विभिन्न शहरों एवं राज्यों से आए छात्रों ने सहभागिता की। महोत्सव ने "एकता में विविधता" की भावना को साकार रूप में प्रस्तुत किया, जहाँ छात्रों ने भारत की सांस्कृतिक एकता का उत्सव मनाया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रसिद्ध कथक विशेषज्ञ संजीव रॉय, माया, डॉ. विकास अवस्थी (कथक एक्सपोनेंट एवं कोरियोग्राफर) तथा प्रोफेशनल डांसर एवं पॉपिंग विशेषज्ञ हार्दिक गरेजा जैसे प्रतिष्ठित निर्णायकों द्वारा किया गया।

इसके अतिरिक्त, होटल मर्क्योर की एचआर मैनेजर मम्पी बिस्वास एवं होटल रेनैसेंस के एचआर राहुल उपस्थित रहे।

छोटे उद्योगों को नए जीवन की उम्मीद

एमएसएमई : ऋण सीमा वृद्धि

भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम यानी एमएसएमई सेक्टर को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद ये सेक्टर कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में गारंटी मुक्त ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का फैसला इस सेक्टर के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उद्योग जगत का दावा है कि रिजर्व बैंक का यह फैसला देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने में भी काफी मददगार साबित होगा।

देश में एमएसएमई उद्योग

- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश में अब तक 7.47 करोड़ से अधिक एमएसएमई उद्यम पंजीकृत हो चुके हैं।
- कुल एमएसएमई उद्योगों में लगभग 95 प्रतिशत सूक्ष्म, 3 से 4 प्रतिशत लघु और एक प्रतिशत से भी कम मध्यम हैं।

सेक्टर के प्रमुख संकट

- वित्त और ऋण की कमी गंभीर समस्या, बैंकों से सस्ता ऋण न मिलने की शिकायत।
- अनुमान है कि 16 प्रतिशत लघु उद्योगों को ही समय पर औपचारिक वित्त प्राप्त होता है।
- एमएसएमई समाधान पोर्टल के अनुसार हजारों करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है।

अर्थव्यवस्था में योगदान

- देश की कुल जीडीपी में एमएसएमई का योगदान लगभग 31.1 प्रतिशत है।
- व्यापारिक निर्यात में क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 48.6 प्रतिशत हो गई है।
- देश का दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता, करीब 32.82 करोड़ लोगों को रोजगार।
- देश के विनिर्माण उत्पादन में एमएसएमई का हिस्सा लगभग 35.4% है।

- सरकार ने इस क्षेत्र को और बढ़ावा देने के लिए निवेश की सीमाओं को 2.5 गुना बढ़ा दिया है।

नए फैसले से लाभ

- उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई शाखाएं खोलने और जरूरत के मुताबिक कच्चा माल खरीदने में मिलेगी मदद।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आधुनिक मशीनरी, सॉफ्टवेयर और डिजिटल टूल्स में निवेश की जरूरत होगी पूरी।
- उन उद्यमियों को लाभ होगा जिनके पास गिरवी रखने को संपत्ति नहीं है। साहूकारों पर निर्भरता कम होगी।
- इस कदम से सीधे तौर पर स्थानीय स्तर पर नए रोजगार के अवसर पैदा करने में भी काफी मदद मिलेगी।

पुराने बकायादारों को नहीं मिलेगा नई योजना का फायदा

गवर्नर संजय मल्होत्रा के मुताबिक ये प्रावधान एक अप्रैल, 2026 या उसके बाद स्वीकृत या नवीनीकृत होने वाले सभी एमएसएमई ऋण पर लागू होंगे। इस संबंध में विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे। योजना के अनुसार इस योजना का फायदा उन उद्योगों को नहीं मिलेगा जिन्होंने पुराने ऋणों की अदायगी नहीं की है या फिर डिफाल्टर की श्रेणी में हैं।

फास्टैग वार्षिक पास के यूजर्स 50 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- वार्षिक पास के 14% लेनदेन के साथ चंडीगढ़ देश में सबसे आगे

फास्टैग वार्षिक पास पहल ने पेश होने के छह महीनों के भीतर 50 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है और इस अवधि में 26.55 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए हैं। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले यात्रियों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए 15 अगस्त, 2025 को वार्षिक पास सुविधा शुरू की गई थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा, फास्टैग वार्षिक पास ने पेश होने के छह महीने के भीतर 50 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर 26.55 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चला कि वार्षिक पास के उपयोग के मामले में चंडीगढ़ सबसे आगे है, जो देश भर में कुल वार्षिक पास लेनदेन का 14 प्रतिशत है, इसके बाद तमिलनाडु 12.3 प्रतिशत और दिल्ली 11.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

दिल्ली-एनसीआर स्थित बिजवासन टोल प्लाजा वार्षिक पास के उपयोग में सबसे आगे रहा, जहां कुल वाहन क्रॉसिंग का लगभग 57 प्रतिशत इसी पास के जरिए हुआ। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर का मुंडका टोल प्लाजा और सोनीपत का झिंझोली टोल प्लाजा रहे, जहां गैर-वाणिज्यिक वाहनों की करीब 53 प्रतिशत आवाजाही वार्षिक पास के माध्यम से दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर स्थित लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू यह वार्षिक पास 3,000 रुपये की एकमुश्त राशि के भुगतान पर एक साल की वैधता या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग की सुविधा देता है। इससे फास्टैग को बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं रहती और यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए उपलब्ध है।

कैंटाबिल ने अलीगंज में खोला अपना नया स्टोर

लखनऊ। देश की जानी-मानी परिधान निर्माता और प्रमुख रिटेलर कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने अलीगंज लखनऊ में अपना नया स्टोर खोलकर उत्तर प्रदेश में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। पुरुषों के लिए फॉर्मल वियर, कैजुअल और पार्टी वियर कपड़ों के साथ-साथ एक्सेसरीज का बड़ा कलेक्शन और महिलाओं के लिए एथनिक, कैजुअल और फॉर्मल वियर प्रदान करते हुए कैंटाबिल ने फैशन इंडस्ट्री में एक लीडर के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। इस रोमांचक लॉन्च पर कमेंट करते हुए, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर दीपक बंसल ने उत्साहपूर्वक कहा कि हम अलीगंज में अपना नया मेन, विमेन और एक्सेसरीज एक्सक्लूसिव स्टोर शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। कैंटाबिल को मिड-प्रीमियम सेगमेंट में बहुत तारीफ मिली है, जो कस्टमर्स को पसंद आ रहा है। हमारा नया स्टोर पुरुषों और महिलाओं के लिए फैशन-फॉरवर्ड कपड़ों की एक बड़ी रेंज दिखाएगा। पूरे भारत में अपनी मजबूत मौजूदगी के साथ, हम आने वाले सालों में अपनी रिटेल पहुंच को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" कैंटाबिल ने लगातार लेटेस्ट स्टाइल के साथ प्रीमियम कपड़े दिए हैं, जो बदलते फैशन माहौल को दिखाते हैं। जैसे-जैसे ब्रांड क्लासिक और स्टाइलिश कपड़ों की रेंज तैयार करता रहता है, यह कस्टमर्स को बेमिसाल फैशन एक्सपीरियंस प्रदान करता है।

महिंद्रा ग्रुप नागपुर में लगाएगा सबसे बड़ा एकीकृत संयंत्र

नई दिल्ली। महिंद्रा समूह ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में अगले 10 साल में 15,000 करोड़ रुपये के निवेश और नागपुर में अपना सबसे बड़ा एकीकृत संयंत्र लगाने की घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक इस संयंत्र में उपयोगी वाहनों और ट्रैक्टरों दोनों की विनिर्माण किया जाएगा। यह समूह की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। कहा गया है कि पूरी तरह परिचालन शुरू होने के बाद इस संयंत्र में सालाना पांच लाख वाहनों और एक लाख ट्रैक्टरों का उत्पादन किया जाएगा।

एलान — मजदूर संगठनों की अमेरिकी और ईयू के साथ हुए व्यापार समझौतों के खिलाफ 12 को हड़ताल

व्यापार समझौते कृषि, उद्योग और नीतिगत स्वायत्ता के लिए खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के प्रमुख मजदूर संगठन सीटू, एआईएडब्ल्यूयू और अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) ने अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौतों का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि ये समझौते देश की कृषि, उद्योग, रोजगार और नीतिगत स्वायत्तता के लिए खतरा हैं। इन मजदूर संगठनों ने 12 फरवरी को इन समझौतों के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल का भी एलान किया है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से संबद्ध सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू), अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) और अखिल भारतीय कृषि श्रमिक संघ (एआईएडब्ल्यूयू) ने राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। तीनों संगठनों ने देश के श्रमिकों, किसानों, खेतिहर एवं ग्रामीण मजदूरों से इस हड़ताल में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ एकजुट प्रतिरोध को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया और इन नीतियों को श्रमिकों के अधिकारों, किसानों की आजीविका, सार्वजनिक संपत्ति और राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला करार दिया। केंद्रीय श्रमिक संगठनों और क्षेत्रीय संघों के संयुक्त मंच ने श्रम संहिता को लागू करने और इन व्यापार समझौतों के खिलाफ 12 फरवरी को एकदिवसीय आम हड़ताल का आह्वान किया है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने की समर्थन की घोषणा

हड़ताल को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और कृषि श्रमिक संगठनों के मंच ने भी समर्थन दिया है। इन संगठनों ने एमएसपी की कानूनी गारंटी और विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) योजना को वापस लेने सहित अपनी मांगों को दोहराया है। इन संगठनों ने आम बजट 2026-27 की भी आलोचना की और इसे जनविरोधी एवं कॉरपोरेट क्षेत्र का समर्थक करार दिया।

श्रमिक कल्याण सरकार के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के केंद्र में: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि श्रमिकों का कल्याण, सम्मान एवं सुरक्षा सरकार के राष्ट्रीय विकास दृष्टिकोण के केंद्र में हैं। श्रम मंत्री ने ओडिशा के पुरी में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय त्रैवार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। आर्थिक वृद्धि के लिए श्रमिकों एवं उद्योग दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए मांडविया ने कहा कि मजबूत व जुझारू अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए दोनों के बीच सामंजस्य एवं सहयोग आवश्यक है। कहा, सरकार ने इस संतुलन को मजबूत करने, श्रमिकों के लिए कल्याण प्रावधानों तथा सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाने और उद्योगों के लिए अनुपालन को सरल बनाने के उद्देश्य से श्रम संहिताओं को लागू किया है।

सरकार गठन में कुकी विधायकों की भागीदारी का विरोध, रैली निकाली

इंफाल/चूराचांदपुर, एजेंसी

- मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में विरोध प्रदर्शन में हजारों शामिल

मणिपुर में सरकार गठन में कुकी समुदाय के तीन विधायकों की भागीदारी के खिलाफ राज्य के तीन पहाड़ी जिलों में हजारों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित विधायकों पर समुदाय के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

चूराचांदपुर में प्रदर्शनकारियों ने कुकी विधायक नेमचा किपगेन, जो समुदाय से आने वाले एलएम खौते और हमार जनजाति से ताल्लुक रखने वाले एन सनाते के पुतले जलाए। ये तीनों ही विधायक सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े हुए हैं। किपगेन ने राज्य की नवगठित सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। कांगपोकपी और तेंगनुपाल जिलों में भी विरोध रैलियां निकाली गईं। चूड़ाचांदपुर में कुकी महिला मानवाधिकार संगठन (केडब्ल्यूओएचआर) और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच की महिला शाखा ने सरकार गठन में किपगेन की भागीदारी के विरोध में संयुक्त रूप से रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने कोइटे मैदान से स्मृति दीवार तक लगभग तीन किलोमीटर मार्च किया।

विधायकों के घर की बढ़ाई गई सुरक्षा

विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर चूराचांदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल जिलों में तीनों विधायकों के आवासों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। इस बीच, नवगठित सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले गोविंदास कोंथौजम ने कहा कि चूड़ाचांदपुर में थोड़ी अशांति है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारी अपना गुस्सा और असंतोष जाहिर कर रहे हैं। कुछ नहीं होगा। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

आसमान में तैरती मौत की डोर

चाइनीज मांझा

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाल ही में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एक युवा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव मोहम्मद शोएब अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी हवा में लहराते हुए चाइनीज मांझे ने उनकी गर्दन को रेत दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है; पिछले कुछ महीनों में जौनपुर, मेरठ और शाहजहांपुर जैसे शहरों से भी ऐसी ही रूह कंपा देने वाली खबरें आई हैं। जिसे हम चाइनीज मांझा कहते हैं, वह अब केवल पतंगबाजी का शौक नहीं, बल्कि सड़कों पर मौत का जाल बन चुका है। चाइनीज मांझा पर कानूनी रोक के बावजूद इसकी बिक्री जारी है, जो प्रशासन की विफलता और समाज की लापरवाही का परिणाम है। यह समझना जरूरी है कि चंद रुपयों का मजबूत मांझा किसी के घर का चिराग बुझा सकता है।

क्या है चाइनीज मांझा

- आम धारणा के विपरीत, अधिकांश चाइनीज मांझा चीन से नहीं आता, बल्कि इसका नाम इसकी मजबूती और सिंथेटिक बनावट के कारण पड़ा है।
- बनावट : यह पारंपरिक सूती धागे के बजाय नायलॉन या प्लास्टिक (सिंथेटिक) जैसे मोनोफिलामेंट धागे से बना होता है।
- घातक कोटिंग : इस धागे पर पिसे हुए कांच, लोहे के चूरे, टंगस्टन कार्बाइड और औद्योगिक गोंद की परत चढ़ाई जाती है।
- क्यों है जानलेवा : नायलान का बना यह धागा इतना मजबूत होता है कि त्वचा, नसें और पतली हड्डी को भी आरी की तरह काट सकता है।

सरकारों का कदम और अदालती आदेश

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) : 2017 में ही एनजीटी ने पूरे देश में नायलॉन या किसी भी सिंथेटिक मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।
- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट : विभिन्न अदालतों ने सरकारों को फटकार लगाते हुए इस पर प्रभावी रोक लगाने और पीड़ितों को मुआवजा देने की नीति बनाने के निर्देश दिए हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार की सख्ती : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हालिया मौतों के बाद कड़े आदेश दिए हैं। अब यूपी में चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को 'हत्या' की श्रेणी में रखकर मुकदमा चलाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे राज्य में छापेमारी और अवैध बिक्री करने वालों पर रासुका जैसी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 : इसके तहत दोषी पाए जाने पर 5 साल की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

डराता हुआ सच

- उत्तर प्रदेश के आंकड़े : अकेले पिछले एक साल में यूपी में कम से कम 6 लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। जौनपुर में एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक प्रोफेसर की मौत हुई, जबकि मेरठ और अलीगढ़ में भी युवाओं ने अपनी जान गंवाई।
- राष्ट्रीय स्थिति : दिल्ली, राजस्थान (जयपुर/कोटा) और तेलंगाना (हैदराबाद) में मकर संक्रांति और स्वतंत्रता दिवस के आसपास मौतों का ग्राफ तेजी से बढ़ता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि पिछले दो वर्षों में दिल्ली, यूपी और राजस्थान में कम से कम 15 मौतें दर्ज की गई हैं।

सुरक्षा के उपाय

- बाइक चलाते समय फुल-फेस हेलमेट पहनें और उसका वाइजर नीचे रखें। गले में मफलर या कोई मोटा कपड़ा लपेटें। फ्लाईओवर्स और ब्रिज पर बाइक की रफ्तार धीमी रखें। बाइक के हैंडलबार पर यू-गार्ड लगवाएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जब्त किए दो विदेशी तेल टैंकर

मस्कट। ईरान ने फारस की खाड़ी में ईंधन की कथित तस्करी कर रहे दो विदेशी तेल टैंकर को जब्त किया है। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट में इन टैंकर की राष्ट्रीयता का उल्लेख नहीं किया गया और न ही यह बताया गया कि उन पर किस देश का झंडा था। रेवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के क्षेत्रीय कमांडर जनरल हैदर होनारियन मोजर्रद ने कहा कि टैंकर डीजल समेत लगभग 10 लाख लीटर ईंधन (लगभग 6,300 बैरल) ले जा रहे थे और उन्हें फारसी द्वीप के पास जब्त कर लिया गया तथा बुशहर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों टैंकर पर सवार चालक दल के 15 सदस्य न्यायिक निकायों की हिरासत में हैं लेकिन उन्होंने उनकी राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं दी। ईरान इसी तरह के आरोपों को लेकर क्षेत्र में तेल ले जाने वाले पोतों को पहले भी समय-समय पर जब्त करता रहा है।

जिमी लाई को सोमवार को सुनाई जाएगी सजा

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराए जाने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। अब बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है।

नेपाल में बस दुर्घटना में 13 लोगों की गई जान

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को ले जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। इलाज के दौरान पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। यह हादसा गुरुवार को नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश में हुआ था। आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य ने दादेलधुरा अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

फिलीपीन में तूफान से चार लोगों की मौत

कैगायन डी ओरो। दक्षिणी फिलीपीन में आए एक उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि उष्णकटिबंधीय तूफान पेन्हा ने गुरुवार देर रात प्रशांत महासागर से होते हुए दक्षिण-पूर्वी सुरिगाओ डेल सुर प्रांत में कहर ढाया।

अमेरिका ने दी अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की चेतावनी

ईरान में वर्चुअल यूएस एंबेसी ने कहा-खुद निकलें, मदद का इंतजार न करें

- दोनों देशों के बीच बढ़ते हुए तनाव को देखते हुए जारी किया परामर्श

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में में रह रहे अपने नागरिकों को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर चेतावनी जारी की है और उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी है। ईरान में वर्चुअल यूएस एम्बेसी की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक ईरान से प्रस्थान की ऐसी योजना बनाएं जो अमेरिकी सरकार की सहायता पर निर्भर न हो, क्योंकि सुरक्षा जोखिम, अशांति और अचानक यात्रा बाधित होने की आशंका बढ़ गई है।

यह चेतावनी ओमान में शुक्रवार को अमेरिका-ईरान वार्ता से ठीक पहले जारी की गई है। दूतावास ने सड़क बंदी, सार्वजनिक परिवहन में व्यवधान, व्यापक इंटरनेट प्रतिबंध और उड़ानों के रद्द होने का उल्लेख किया है। हाल के सप्ताहों में तनाव और बढ़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खाड़ी क्षेत्र में जहाजों का बेड़ा तैनात करने की घोषणा की थी, जिसमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके एस्कॉर्ट जहाज शामिल हैं। परामर्श में कहा गया है कि इंटरनेट व्यवधान जारी रह सकते हैं, इसलिए वैकल्पिक संचार व्यवस्था अपनायें। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर नागरिकों को आर्मेनिया या तुर्किये के रास्ते जमीनी मार्ग से निकलने पर विचार करने की सलाह दी गई है। उड़ानें थोड़ी सूचना पर रद्द या बाधित हो सकती हैं, इसलिए एयरलाइंस से सीधे पुष्टि करने को कहा गया है। जो लोग तुरंत नहीं निकल सकते, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रहने, भोजन-पानी-दवाइयों का पर्याप्त भंडार रखने, प्रदर्शनों से दूर रहने और लो-प्रोफाइल बने रहने की सलाह दी गई है। स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, फोन चार्ज रखने, परिजनों से नियमित संपर्क बनाए रखने और रीयल-टाइम सुरक्षा अपडेट के लिए स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम में पंजीकरण कराने को कहा गया है।

ईरान ने सैन्य बेस पर तैनात की बैलिस्टिक मिसाइल

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी नवीनतम लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खोर्रमशहर-4 को एक सैन्य अड्डे पर तैनात कर दिया है। यह मिसाइल आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स द्वारा संचालित एक नए सैन्य स्थल के उद्घाटन के दौरान प्रदर्शित की गई। खोर्रमशहर-4 की मारक क्षमता 2,000 किलोमीटर है और यह 1,500 किलोग्राम तक का वारहेड ले जाने में सक्षम है। आईआरजीसी के राजनीतिक मामलों के उप कमांडर ब्रिगेडियर जनरल यदोल्लाह जावानी ने कहा कि मिसाइल का प्रदर्शन अमेरिका को यह संदेश देने के लिए था कि ईरान अपनी रक्षा क्षमताओं से पीछे हटने का इरादा नहीं रखता।

दोनों देशों में दूसरे दौर की वार्ता शुरू

तेहरान। ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का दूसरा चरण ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो गया है। ईरान की आधिकारिक संवाद समिति इरना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पहले चरण में विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नेतृत्व वाले ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी योजना ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद बिन हमूद अल्बुसैदी को दी। इसके बाद ओमानी विदेश मंत्री ने इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के नेतृत्व वाली अमेरिकी वार्ता टीम तक पहुंचाया। दूसरे चरण में ईरान के प्रस्ताव पर अमेरिकी दल की प्रतिक्रिया ईरानी पक्ष को भेजी जाएगी।

बांग्लादेश से भारत के संबंध अन्य देशों के रिश्तों से अलग

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ उसके संबंधों से अलग हैं और नई दिल्ली की नजर राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर बनी रहती है तथा उनकी रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाते हैं। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन के बारे में अंतरिम सरकार को सभी संबंधित वार्ताओं में जानकारी दी गई है। एक और प्रश्न के लिखित उत्तर में, मंत्री ने कहा कि वह पड़ोस में होने वाले घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखती है। सिंह ने कहा, सरकार पड़ोसियों के साथ उसके संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो बहुआयामी हैं और आपसी हितों, संवेदनशीलता और मौजूदा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार विकसित होते हैं। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं और क्या पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, जो देश के लिए हानिकारक हो सकता है।

रूस में सेना के खुफिया उपप्रमुख को मारी गोली

- अस्पताल में भर्ती, किसी ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस की राजधानी मॉस्को में एक अज्ञात हमलावर ने सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेव को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव (64) पर हमले की यह घटना रूस के कई वरिष्ठ सैन्य एवं खुफिया अधिकारियों की हत्या के बाद सामने आई है, जिनके लिए मॉस्को ने यूक्रेन को दोषी ठहराया है।

जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक अपार्टमेंट में एक अज्ञात हमलावर ने लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव को कई गोलियां लगी हैं और उनका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पेत्रेंको ने यह नहीं बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर हमले के पीछे किसका हाथ हो सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव साल 2011 से रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रथम उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस पदक से सम्मानित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की यह घटना यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी, यूक्रेनी और अमेरिकी वार्ताकारों के बीच अबू धाबी में संपन्न दो दिवसीय वार्ता के एक दिन बाद हुई है।

पहले भी हुए हैं सैन्य अफसरों पर हमले

रूसी अधिकारियों ने रूस में कई सैन्य अधिकारियों और सार्वजनिक हस्तियों की हत्याओं के लिए कीव को दोषी ठहराया है। यूक्रेन ने इनमें से कुछ हत्याओं की जिम्मेदारी भी ली है। पिछले साल दिसंबर में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवरोव की एक कार बम हमले में मौत हो गई थी। इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव और इगोर किरिलोव की कार बम हमले में मौत हो गई थी।

अमेरिका ने पोलैंड संसद अध्यक्ष से तोड़े सभी संबंध

वारसॉ। पोलैंड में अमेरिका के राजदूत ने गुरुवार को घोषणा की कि अमेरिका इस यूरोपीय देश की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष व्लोदिमीएर्ज चेर्जेस्टी के साथ अब आगे कोई लेन-देन, संपर्क या संवाद नहीं करेगा। राजदूत टॉम रोज ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अकारण दिए गए अपमानजनक बयान को लेकर उठाया है। हालांकि रोज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कथित अपमानजनक टिप्पणियां क्या थीं लेकिन चेर्जेस्टी ने सोमवार को एक सार्वजनिक बयान में कहा था कि वह इजराइल और अमेरिका के नेताओं की उस पहल का समर्थन नहीं करेंगे जिसमें ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात थी।

कामरा ने सहयोग पोर्टल के खिलाफ दायर की याचिका

मुंबई, एजेंसी

- कॉमेडियन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने सरकार के सहयोग पोर्टल के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय का रुख कर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक और अनुचित हमला बताया है, क्योंकि यह अधिकारियों को सोशल मीडिया सामग्री हटाने की अनुमति देता है। कॉमेडियन ने बुधवार को दायर अपनी याचिका में मुख्य रूप से आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) नियमों और सहयोग पोर्टल को चुनौती दी है। आईटी नियमों में अक्टूबर 2025 में संशोधन किया गया था।

उन्होंने दावा किया था कि पोर्टल केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किये बिना, मनमाने ढंग से (सामग्री) हटाने या अवरुद्ध करने के आदेश जारी करने का गैरकानूनी रूप से अधिकार देता है। सरकार के अनुसार सहयोग को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत उपयुक्त सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा मध्यस्थों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया था, ताकि किसी भी गैरकानूनी कार्य को करने के लिए उपयोग की जा रही जानकारी, डेटा या संचार लिंक तक पहुंच को रोकने की सुविधा हो। पोर्टल का उद्देश्य सभी अधिकृत एजेंसियों और मध्यस्थों को एक मंच पर लाना है।

मोदी के स्वागत पर नृत्य में रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

कुआलालंपुर। मलेशिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भव्य स्वागत कार्यक्रम के दौरान एक बड़े नृत्य प्रदर्शन के जरिए मलेशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 750 से ज्यादा कलाकार एक साथ नृत्य करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, इसमें एक ही नृत्य प्रस्तुति में सबसे ज्यादा नर्तक होंगे, जो भारतीय समुदाय द्वारा किए जाने वाले भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य रूपों की एक भव्य प्रस्तुति को दिखाएंगे। यह प्रस्तुति सेलामत दतांग मोदी जी कार्यक्रम में होगी, जहां प्रधानमंत्री मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भारतीय मूल के समुदाय को संबोधित करेंगे।

शाह ने कठुआ सीमा पर सुरक्षा का लिया जायजा

जम्मू, एजेंसी

- बीएसएफ के जवानों से बातचीत कर बढ़ाया उनका हौसला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कठुआ में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की।

शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गई चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब 12 मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला रखी। शाह जम्मू के लोक भवन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

गाजा शांति बोर्ड का मूल्यांकन कर रहा सिंगापुर

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने के प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है। यह जानकारी द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के हवाले से गुरुवार को दी। रिपोर्ट में कहा गया कि संसद के पांच सदस्यों ने बालाकृष्णन से सिंगापुर को शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए अमेरिका द्वारा दिए गए स्थायी निमंत्रण के बारे में सवाल किया था। 16 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर, ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा आदि शामिल हैं।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 7 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 8 फरवरी 02 .54 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

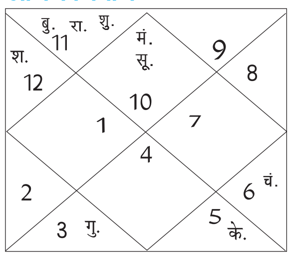

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 8 फरवरी 02 .28 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। नए संपर्कों से आपको लाभ प्राप्त होगा। व्यवसाय में नए अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। आपके विरोधी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे। व्यस्तता के बावजूद कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

वृष — आज प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को चिंता रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। गुप्त शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिये। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन — आज अधीनस्थ कर्मचारियों का काफी अच्छा सहयोग मिलेगा। मौसम में बदलाव के कारण परेशानी हो सकती है। क्रोध को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपने काम की गुणवत्ता में कमी न आने दें। प्रशासन के लोगों से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके संबंध बनेंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। कोई बड़ी डील आपको मिल सकती है।

सिंह — आज व्यापार में आपको कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। मानसिक शांति में कमी रहेगी। बातचीत के दौरान शब्दों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें।

कन्या — आज राजनीति से जुड़े लोगों की छवि बहुत अच्छी होगी। आप व्यवसाय के लिए लोन ले सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बच्चों और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

तुला — आज आपके काम अंतिम समय में खराब हो सकते हैं। भ्रमित करने वाले समाचारों से दूरी बनाकर रखें। अनावश्यक यात्रा हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर अचानक काफी दबाव बढ़ने वाला है। माता-पिता से बहसबाजी न करें।

वृश्चिक — आज बड़े भाई-बहनों से मनमुटाव हो सकता है। लोग आपके प्रति काफी अच्छा भाव रखेंगे। कारोबार में अचानक धन लाभ हो सकता है। सभी कार्य उत्साह से करेंगे। सुख के साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं।

धनु — आज विनिर्माण के कार्यों से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपकी विचारधारा से अनेक लोग प्रभावित रहेंगे। कारोबार में बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं। भाइयों के साथ संपत्ति विवाद हल होंगे।

मकर — आज आप रिश्तों को अच्छी तरह से निभाएंगे, लेकिन आपको दूसरी ओर से वैसा सहयोग पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलेगा। व्यापार में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। खर्च बढ़ने से आपके कुछ काम प्रभावित होंगे।

कुंभ — आज पुराने रोग उभर सकते हैं। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। पुरुष जातकों को महिलाओं के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिये। अपने पद का दुरुपयोग न करें।

मीन — आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। अति उत्साह में काम बिगड़ सकते हैं। भूमि-संपत्ति को लेकर होने वाले विवादों का निपटारा होगा। मित्रों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी।

सुडोकू -54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

स्टेडियम
लखनऊ, शनिवार, 7 फरवरी 2026
अमृत विचार
www.amritvichar.com

वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में रचा इतिहास

अंडर-19 विश्व कप : सिर्फ 55 गेंदों पर ठोका सैकड़ा, 175 रनों के साथ सर्वोच्च स्कोरर भी बने

वैभव सूर्यवंशी।

हरारे, एजेंसी

चौदह साल के सूर्यवंशी ने महज 55 गेंद में तीन अंक का आंकड़ा छूकर इस टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल में किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है और टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में यह टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी है।

सूर्यवंशी ने यह पारी तब खेली जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने सिर्फ 32 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और इसी अंदाज में खेलते हुए दूसरा अर्धशतक सिर्फ 23 गेंद में बना लिया। उनकी 175 रन की पारी में से 150 रन सिर्फ बाउंड्री से ही आए जिसमें 15 छक्के और इतने ही चौके शामिल थे। इस पारी के दौरान उन्होंने विपक्षी टीम के गेंदबाजों की पूरी तरह से धज्जियां उड़ा दी। अब उनके नाम युवा वनडे पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने दिसंबर में दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अपने ही 14 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी के नाम अब अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन (71 गेंद में) बनाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने टूर्नामेंट में पहले इसी मैदान पर इंग्लैंड के बेन मेयेस के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया जिन्होंने 98 गेंद में 150 रन बनाए थे। सूर्यवंशी के दबदबे का अंदाजा इससे ही लग जाता है कि उनके 100 से 150 रन तक पहुंचने के दौरान दूसरे छोर पर खड़े वेदांत त्रिवेदी ने सिर्फ चार गेंदों का सामना किया। सूर्यवंशी की बल्लेबाजी इतनी जबरदस्त थी कि आधे मैच तक भारत का रन रेट लगभग 10 था और उस चरण पर टीम का अनुमानित स्कोर 500 था।

बिहार के समस्तीपुर का यह खिलाड़ी दो घंटे से भी कम समय में क्रिकेट की दुनिया को हैरान करने के बाद 26वें ओवर में मैनी लम्सडेन की शॉर्ट गेंद को स्कूप करने की कोशिश में आउट हो गया। विकेटकीपर थॉमस रियू ने उनका कैच लपका। इंग्लैंड के खिलाड़ी सूर्यवंशी को ऐसी पारी पर बधाई देने के लिए उनकी ओर दौड़े जो विश्व कप फाइनल में अक्सर देखने को नहीं मिलती। सूर्यवंशी ने अपने कप्तान आयुष म्हात्रे (51 गेंद में 53 रन) के साथ सिर्फ 19 ओवर में 142 रन बनाए। म्हात्रे अपना अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद आउट हो गए। सूर्यवंशी ने अकेले इसी चरण में 22 छक्के लगा दिए और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2022 में 18 छक्कों का रिकॉर्ड बनाया था। सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी अल्बर्ट और ऑफ-स्पिनर फरहाद अहमद पर क्रमशः 27 और 22 रन बनाए।

जीत का जश्न मनाती भारतीय टीम। एजेंसी

बीसीसीआई ने की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड को फाइनल में 100 रन के बड़े अंतर से हराकर आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम को बधाई दी है। इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने एक दुर्लभ 'डबल' भी पूरा किया है, क्योंकि इस समय भारत के पास आईसीसी अंडर-19 पुरुष और महिला दोनों विश्व कप खिताब हैं।

भारत

411/9 (50 ओवर)

आरोन जॉर्ज का मेयेस बो ग्रीन	09
सूर्यवंशी का रियू बो लम्सडेन	175
आयुष म्हात्रे का मेयेस बो ग्रीन	53
वेदांत त्रिवेदी का मेयेस बो मिंटो	32
विहान का डॉकिन्स बो मिंटो	30
कुंडू का अलबर्ट बो मोर्गन	40
आरएस अंबरीश बो मिंटो	18
कनिष्क चौहान नाबाद	37
खिलन पटेल का मूर्स बो मोर्गन	03
हेनिल पटेल रन आउट	05
दीपेश देवेंद्रन नाबाद	00

गेंदबाजी : सेबेस्टियन मोर्गन 9-0-74-2, एलेक्स ग्रीन 5-0-49-2, मैनी लम्सडेन 8-0-81-1, जेम्स मिंटो 8-0-63-3, फरहान अहमद 10-0-77-0, राल्फी अलबर्ट 10-0-66-0

सूर्यवंशी ने 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' स्टाफ को समर्पित किया

वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को फाइनल में शानदार पारी खेलने के बाद मिला 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' पुरस्कार भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ को समर्पित किया। सूर्यवंशी अंडर-19 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' दोनों पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। सूर्यवंशी ने कहा मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता, लेकिन पिछले सात-आठ महीनों से जिस तरह हम सभी ने कड़ी मेहनत की है और हमारे सहयोगी स्टाफ ने लंबे समय से हमारे साथ रहकर हमेशा यह सुनिश्चित किया कि हम ठीक रहें। मैं यह पुरस्कार उन्हें समर्पित करना चाहता हूं।

हाईलाइट

भारत ए ने नामीबिया को 130 रनों से रौंदा

बेंगलुरु। रियान पराग (69), नमन धीर (39) और आशुतोष शर्मा (35) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ए ने टी-20 विश्वकप से पहले शुक्रवार को खेले गए अभ्यास मैच में नामीबिया को 130 रनों से रौंद दिया। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे 12.1 ओवर में 67 रन पर सिमट गई। नामीबिया के लिए जान फ्राइलिन्क (12), डायलन लीचर (22) की दोहरे आंकड़े तक पहुंच सके। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। भारत ए के लिए गुरजपनीत सिंह, मयंक यादव, अशोक शर्मा, विप्रज निगम ने दो-दो विकेट लिये।

रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का तरीका हो सकता है : नेत्रवलकर

मुंबई। पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के नायक और भारत के खिलाफ दो अहम विकेट चटकाने वाले अमेरिका की टीम के खिलाड़ी सौरव नेत्रवलकर का मानना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में खेलते समय रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। अमेरिका की टीम शनिवार से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। नेत्रवलकर मुंबई के उन तीन खिलाड़ियों में से एक होंगे जो भारत के खिलाफ अमेरिका के लिए मैदान पर उतर सकते हैं। नेत्रवलकर वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय सरजमीं पर अपने पहले मैच के लिए तैयार हैं, लेकिन चुनौतियों से भी वाकिफ हैं।

मुंबई पर कर्नाटक ने बनाया दबदबा

मुंबई। प्रसिद्ध कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा और श्रेयस गोपाल की शानदार गेंदबाजी के बाद मयंक अग्रवाल की नाबाद अर्धशतकीय पारी से कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन मुंबई के खिलाफ अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। मुंबई का पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय उल्टा पड़ गया क्योंकि कर्नाटक के गेंदबाजों ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध (21 रन पर तीन विकेट) और कावेरप्पा (38 रन पर तीन विकेट) तथा लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल (चार रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट लेकर मुंबई को 48.1 ओवर में 120 रन पर आउट कर दिया। दिन का खेल खत्म होते समय कर्नाटक ने दो विकेट पर 110 रन बना लिए।

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का प्रबलतम दावेदार

टी-20 विश्व कप आज से

- भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से हो रहा आयोजन
- पहली बार टी-20 विश्व कप में भाग ले रहीं 20 टीमें
- फुटबॉल प्रेम के लिए मशहूर इटली भी पेश करेगा चुनौती
- अमेरिकी टीम में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान के कई खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के सबसे बड़े टूर्नामेंट से पहले चर्चा खिलाड़ियों या खेल की नहीं बल्कि मैदान से बाहर की गतिविधियों की ही रही है और शायद राजनीति का इतना असर किसी विश्व कप पर पहले देखने में आया हो। भारत और श्रीलंका में शनिवार से टी-20 विश्व कप शुरू हो रहा है। जिसमें सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम खिताब की सबसे प्रबल दावेदार है। लेकिन चर्चा खिलाड़ियों या प्रबल दावेदारों पर हो कहां रही है।

खेल की राजनीति या राजनीति में खेल का ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला है। भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से इनकार पर बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वहीं, अपने पड़ोसी के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। दोनों देशों ने इस संकट के लिए भारत को कसूरवार ठहराया, जिसकी शुरुआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर हुई।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) व अर्शदीप सिंह। एजेंसी

नजरें अमेरिका पर शानदार जीत के साथ आगाज पर

मुंबई। सितारों से सजी भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शनिवार को आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी, तो खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनने का इरादा होगा। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के दो मजबूत स्तंभ विराट कोहली और रोहित शर्मा भले ही इस प्रारूप से विदा ले चुके हों लेकिन भारतीय टीम बहुत मजबूत है।

टीम : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान), आंद्रिस गौस, साइतेजा एम, शायन जहांगीर, हरमीत सिंह, शेहान जयसूर्या, संजय कृष्णमूर्ति, मिलिंद कुमार, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने, शाडले वान शाकविक, अली खान, जसदीप सिंह, नोस्तुश केनिजे, सौरभ नेत्रवलकर।

आज के मैच

टीम	समय
नीदरलैंड्स-पाकिस्तान	सुबह 11 बजे
स्काटलैंड-वेस्टइंडीज	दोपहर 3 बजे
भारत-अमेरिका	शाम 7 बजे

राणा चोट के कारण बाहर, मो. सिराज को मिली जगह

मुंबई। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा 45 टेस्ट, 50 वनडे और 16 टी20 मैच खेल चुके सिराज को राणा के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। राणा को चार फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी विज्ञप्ति जारी कर राणा के टीम से बाहर होने और सिराज को शामिल करने की पुष्टि की।

कोलकाता में स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच की तैयारी करते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

बांग्लादेश से सहानुभूति, पर स्कॉटलैंड खेलने का हकदार

- स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने कहा- हमारी टीम ने विश्व कप के लिए की है बहुत मेहनत

कोलकाता, एजेंसी

स्कॉटलैंड के स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने शुक्रवार को कहा कि वह बांग्लादेश खिलाड़ियों के लिए सहानुभूति रखते हैं लेकिन आखिरी समय में टूर्नामेंट में शामिल की गई स्कॉटलैंड टीम अपनी जगह की पूरी हकदार थी।

बांग्लादेश की टीम भारत में नहीं खेलने के अपने सरकार के रुख के कारण टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकी। वाट ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, लेकिन स्कॉटलैंड ने कड़ी मेहनत की है और उसे वैश्विक प्रतियोगिता में खेलने का पूरा अधिकार मिला है। स्कॉटलैंड शनिवार को ईडन गार्डन्स में ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। टीम की कोशिश जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने की होगी। आईसीसी द्वारा बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद स्कॉटलैंड को अंतिम समय में प्रतियोगिता में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत दुख है पर हमें पूरा विश्वास है कि हमें यहां होना चाहिए।

महिला टीम खिताब बचाने में रही नाकाम

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

- पुरुष टीम को कोरिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा

किंगदाओ, एजेंसी

भारत की महिला टीम का खिताब बचाने का सफर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीन की दूसरे दर्जे की टीम से मिली 0-3 की हार के बाद निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया जबकि पुरुष टीम को कोरिया से 1-3 से हार मिली।

भारतीय महिला टीम ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9 . 21, 9 . 21 से हार गई।

विश्व जूनियर चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता 17 वर्ष की तन्वी चीनी खिलाड़ी की रफ्तार का सामना नहीं कर सकी। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22 . 24, 18 . 21 से पराजय का सामना करना पड़ा।

पहले गेम में 10 . 16 से पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करके बराबरी की लेकिन करीबी मुकाबले में पहला गेम गंवा दिया। दूसरे गेम में एक समय भारतीय जोड़ी के पास 13 . 10 की बढत थी लेकिन फिर लगातार अंक गंवाकर चीनी जोड़ी को जीत सौंप दी।

रुद्रांक्ष पाटिल ने एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि ओलंपियन अर्जुन बबूता ने दूसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और गगन नारंग के बाद देश से उभरते हुए बेहतरीन राइफल निशानेबाजों में से एक रुद्रांक्ष ने फाइनल में शानदार 251.9 का स्कोर किया और हमवतन बबूता (250.7) की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए दबदबा बनाया। इस जोड़ी ने विशाल सिंह के साथ मिलकर भारत को इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक भी दिलाया। बाईस साल के रुद्रांक्ष को देश के लिए कोटा स्थान हासिल करने के बावजूद पेरिस ओलंपिक से चूकने की निराशा झेलनी पड़ी थी।

डेविस कप क्वालीफायर | पहले दौर में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला आज से

दक्षिणेश्वर सुरेश को रास आएगा तेज कोर्ट

बेंगलुरु, एजेंसी

मेजबान भारत डेविस कप क्वालीफायर पहले दौर के मुकाबले में शनिवार को नीदरलैंड्स से खेलेगा तो बेंगलुरु के तेज कोर्ट भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की बजाय दक्षिणेश्वर सुरेश को अधिक रास आएंगे। नागल कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं जिसके कारण भारत की उम्मीदें दक्षिणेश्वर की टिकी है। इस कोर्ट पर आक्रामक शॉट्स खेलने वाले खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे और दक्षिणेश्वर को इसमें महारत हासिल है।

नागल तेजी से ठीक हो रहे हैं और अभ्यास के दौरान सहज दिखे लेकिन उनकी मैच फिटनेस के बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। तेज रफ्तार वाले कोर्ट पर अगर मैच लंबी रेलियों में जाता है तो नागल की मूवमेंट और दमखम की परीक्षा हो सकती है। वैसे वह यहां बेंगलुरू ओपन और डब्ल्यूटीएल खेल चुके हैं लिहाजा हालात से वाकिफ हैं।

दक्षिणेश्वर पिछले साल स्विटजरलैंड में अहम एकल मुकाबला जीते थे जिससे भारत ने विदेशी धरती पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उन्होंने पहला मुकाबला जीतकर लय बनाई थी जिसके बाद नागल ने दूसरा मैच जीता। नीदरलैंड के खिलाड़ियों को भी तेज कोर्ट रास आते हैं और उसके खिलाड़ी इस तरह के हालात में खेलने के अभ्यस्त हैं। शीर्ष एकल खिलाड़ी टालोन ग्रीकस्पूर (विश्व रैंकिंग 29) और बोटिच वान डे जैंडशल्प (67) की कमी हालांकि उसे खलेगी। ऐसे में भारत के लिये बराबरी का मौका रहेगा।

बाएं से, नीदरलैंड्स के सैंडर एरेंड्स, डेविड पेल, मैक्स हाउकेस, गाइ डेन ओडेन, जेस्पर डे जोंग और पॉल हारहुइस, भारत के कप्तान रोहित राजपाल, सुमित नागल, करण सिंह, दक्षिणेश्वर सुरेश, युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी। एजेंसी

नीदरलैंड्स की अगुआई कर रहे जोंग

नीदरलैंड्स टीम की अगुवाई 88वीं रैंकिंग वाले जेस्पर डे जोंग कर रहे हैं जिन्होंने शीर्ष 30 में शामिल खिलाड़ियों को हराया है। वहीं 162वीं रैंकिंग वाले गाय डेन ओडेन डेविस कप में पदार्पण कर रहे हैं जिन्हें इस स्तर पर खेलने का अनुभव नहीं है। युगल में युकी भांबरी की वापसी से भारतीय टीम मजबूत हुई है चूंकि उनके पास गहराई और अनुभव है। भांबरी युगल में एन श्रीराम बालाजी के साथ खेलेंगे जो रित्विक बोल्लिपल्ली की जगह खेल रहे हैं। उनका सामना सांड्रे एरेंड्स और डेविड पेल से होगा। इसमें हारने वाली टीम सितंबर में विश्व ग्रुप वन में लौटेगी जबकि विजेता टीम क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में पहुंचेगी।